रांची से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

अलग पहचान

सत्य की उड़ान

मंगलवार
18 अगस्त -2026
वर्ष 10, अंक 344
पेज 8, मूल्य 2 रुपए
रांची

पेज-8

राममंदिर चढ़ावा चोरी: सुप्रीम कोर्ट में बोले एसजी, कोर्ट ने कहा-सीलबंद लिफाफे में हमें दीजिए

अजनबियों को नहीं दी जा सकती है एसआईटी रिपोर्ट

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले की सोमवार दोपहर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। याचिकाकर्ताओं के वकीलों ने कोर्ट से कहा कि उन्हें भी जांच से जुड़ी रिपोर्ट दी जानी चाहिए, ताकि वे अदालत की मदद कर सकें। इस पर सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा- जांच रिपोर्ट ऐसे लोगों को नहीं दी जा सकती, जो मामले से सीधे जुड़े नहीं हैं। इस पर वकील ने कहा- हम अजनबी नहीं हैं। यह याचिका भारत की जनता की ओर से दायर की गई है। उन्होंने कहा- हमें सच जानने का मौलिक अधिकार है। अगर जांच से जुड़ी जानकारी किसी आरोपी या जांच में मदद कर रहे व्यक्ति को दे दी गई और याचिकाकर्ताओं को इससे दूर रखा गया, तो वे अदालत की सहायता करने की स्थिति में नहीं रहेंगे। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने सख्त टिप्पणी करते हुए कहा- एसआईटी का गठन हमने किया है। यह अदालत के प्रति जवाबदेह और उत्तरदायी है। इसे अपनी रिपोर्ट हमें ही सौंपनी होगी। एक फॉरेंसिक ऑडिटर वाली एसआईटी अपनी स्टेटस रिपोर्ट बंद लिफाफे में सुप्रीम कोर्ट में दाखिल करे। रिपोर्ट को पहले हम देखेंगे। उसके बाद तय करेंगे कि इसे सभी पक्षों को सौंपा जाए या नहीं। चीफ जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जयमाल्या बागची और जस्टिस वी मोहना की पीठ उन याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी, जिनमें चढ़ावा चोरी की सीबीआई जांच की मांग की गई थी।

इससे पहले, कोर्ट ने 27 जुलाई को एसआईटी में फॉरेंसिक ऑडिटर को शामिल करने का निर्देश दिया था, ताकि वित्तीय अनियमितताओं का पता लगाने के लिए खातों और रिकॉर्ड्स की जांच कराई जा सके। कोर्ट ने 20 जुलाई को यूपी सरकार को नए सिरे से विशेष जांच टीम गठित करने का आदेश दिया था।

पहले विजय विश्वास पंत की एसआईटी ने जांच की थी

इससे पहले सीएम योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर गठित एसआईटी की अध्यक्षता लखनऊ मंडल के मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत कर रहे थे, जिसमें आईजी लखनऊ रेंज बतौर सदस्य शामिल थे। सुप्रीम कोर्ट के नए दिशा-निर्देशों के बाद नई एसआईटी बनाकर आईजी लखनऊ रेंज किरण एस को इसका अध्यक्ष बनाया गया। जबकि, अयोध्या के सोमेन वर्मा और गौरव ग्रोवर को इसका सदस्य नियुक्त किया गया है।

संक्षिप्त समाचार

राहुल और सोनिया पर वंदे मातरम के अपमान का आरोप

- जांच शुरू, दावा-राहुल ने वंदे मातरम गाने से इनकार किया था

बेंगलुरु (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस ने राहुल और सोनिया गांधी के खिलाफ वंदे मातरम के अपमान से जुड़े मामले की जांच शुरू कर दी है। शिकायत 16 अगस्त को एस्टेट थाने में

एक वकील ने दी थी। इसमें दोनों नेताओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की गई है। शिकायतकर्ता का आरोप है कि वंदे मातरम के शुरुआती हिस्से के बाद सोनिया गांधी ने कुछ इशारे किए, जिन्हें गाना जारी रखने पर आपत्ति के तौर पर देखा गया। शिकायत में एक वीडियो का भी जिक्र है। इसमें राहुल गांधी के कथित तौर पर 'हम वंदे मातरम नहीं गाएंगे' कहने का दावा किया गया है।

बिहार के लखीसराय जिले में भगदड़,7 महिलाओं की मौत

- मंदिर में जलाभिषेक के लिए हजारों श्रद्धालु जुटे, करंट फैलने की अफवाह उड़ी

लखीसराय (एजेंसी)। बिहार के लखीसराय में सोमवार को भगदड़ मच गई। हादसे में 7 महिलाओं की मौत हो गई। 23

से ज्यादा लोग घायल बताए जा रहे हैं। 3 की हालत नाजुक बताई जा रही है। मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है। घटना अशोकधाम स्टेशन से मंदिर जाने वाले रास्ते पर हुई। लखीसराय डीएम शैलेंद्र कुमार ने बताया कि पुरुषों की लाइन की तरफ एक खंभा गिर गया। इसके बाद अफवाह फैली कि लोगों पर बिजली की चालू लाइन का तार गिर गया, जबकि वह सिर्फ एक केबल वायर (डिश/इंटरनेट का तार) था।

रांची।बॉलीवुड एक्ट्रेस कुनिका सदानंद सोमवार को? रांची के जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में पहुंचकर छात्रों को अपना समर्थन दिया। धरने पर बैठी और भूख हड़ताल में बैठे छात्रों से मुलाक़ात की। उन्होंने कहा की वो काफी दिनों से झारखण्ड के स्टूडेंट्स प्रोटेस्ट को देख रही है।

उन्होंने कहा छात्रों की मांग जायज है और सरकार को उनकी बातें सुननी चाहिए।

यहां की सरकार दिल्ली की सरकार से ज्यादा सवेंदनशील है।

बंगाल में बीरभूम के होटल में आग, 8 लोगों की मौत

9 झुलसे, शॉर्ट सर्किट से हादसा, सावन सोमवार पर तारापीठ मंदिर आए थे

बीरभूम (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले में तारापीठ मंदिर के पास एक होटल में आग लगने से 8 लोगों की मौत हो गई, जबकि 9 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, आग शॉर्ट सर्किट की वजह से लगने की आशंका है। घायलों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल भेजा गया है। बीरभूम के एसपी विदित राज भुंडेश के मुताबिक, होटल के बाहर से धुआं या आग की लपटें दिखाई नहीं दे रही थीं। पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीमों ने सीढ़ियों की मदद से 22 लोगों को बाहर निकाला, जबकि 11 लोगों को अस्पताल भेजा गया। होटल संचालकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर उन्हें हिरासत में लिया गया है।

भीषण बाढ़ से यूपी-ओडिशा के बिगड़े हालात

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूपी के कई शहरों में लगातार बारिश से बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। प्रयागराज की कॉलोनियों में 3 से 4 फीट तक पानी भरने से कारें-बाइकें डूब गई हैं। कई घरों के ग्राउंड फ्लोर डूब गए हैं। लोग पहली मंजिल पर रहने को मजबूर हैं। पुलिस और एनडीआरएफ की टीमें नावों से लोगों का रेस्क्यू कर रही है। वहीं, ओडिशा के केंद्रपाड़ा में 312 छात्र और 10 शिक्षक दो दिन से स्कूल में फंसे हैं। कुलसाही गांव के सरकारी एससी/एसटी आवासीय आश्रम स्कूल का ग्राउंड फ्लोर ब्राह्मणी नदी के पानी में डूब गया है। स्कूल चारों तरफ से करीब 10 फीट पानी से घिरा है और तेज बहाव के कारण अब तक रेस्क्यू टीम वहां नहीं पहुंच सकी है। वहीं, हिमाचल प्रदेश में इस मानसून 187 लोगों की मौत हो चुकी है। 30 जून से 16 अगस्त के बीच 79 मौतें बाढ़, लैंडस्लाइड, डूबने और करंट जैसी प्राकृतिक आपदाओं में हुई, जबकि 107 लोगों की जान सड़क हादसों में गई। राज्य में 294 लोग घायल हैं।

प्रयागराज में लोगों के घरों में घुसा 3 फीट तक पानी

कारें-बाइकें डूबीं, शहर की गलियों में चल रही हैं नावें

एनएच-53 का लगभग 100 मीटर हिस्सा धंसा

ओडिशा के केंद्रपाड़ा में एनएच-53 का लगभग 100 मीटर हिस्सा धंस गया। यह हाईवे पारादीप पोर्ट को जाजपुर से जोड़ता है। बालासोर, भद्रक, जाजपुर, मयूरभंज और क्योंझर जिलों में बाढ़ की स्थिति गंभीर बनी हुई है।

ओडिशा में बारिश से दीवार गिरी, दादी-पोते की मौत

ओडिशा के बालासोर जिले में लगातार बारिश के बीच पड़ोसी के घर की दीवार गिरने से दादी और पोते की मौत हो गई। हादसा रविवार रात जलेश्वर ब्लॉक के कपासुड़ा गांव में हुआ। दीवार उनके एस्बेस्टस वाले घर की छत पर गिर गई, जिससे परिवार मलबे में दब गया। मृतकों की पहचान 65 साल की राधिका जेना और उनके 18 साल के पोते ज्योति प्रकाश स्वैन के रूप में हुई है। उनकी पोती स्मृतिलेखा स्वैन गंभीर रूप से घायल है और अस्पताल में इलाज चल रहा है। पिछले तीन दिनों से हो रही लगातार बारिश को दीवार गिरने की वजह बताया जा रहा है।

जेपीएससी घोटाला: जेएमएम नेता की पत्नी डॉ. अजीता भट्टाचार्य के पीए बीएन राम गिरफ्तार

साक्षात्कार में पास कराने के नाम पर 40 लाख वसूली का आरोप

दैनिक अलग पहचान, अन्नपूर्णा गुप्ता, मुख्य संपादक, नई दिल्ली/

झारखंड लोक सेवा आयोग यानी जेपीएससी की परीक्षाओं में हुई कथित अनियमितताओं के मामले में सीआईडी ने सोमवार को एक और बड़ी कार्रवाई की। आयोग की पूर्व सदस्य डॉ. अजीता भट्टाचार्य के निजी सहायक बीएन राम को गिरफ्तार किया गया है। उन पर अभ्यर्थियों से साक्षात्कार में सफल कराने और अंक बढ़वाने के नाम पर लगभग 40 लाख रुपये की अवैध वसूली करने का आरोप है। इस प्रकरण में अब तक यह सीआईडी की 22वीं गिरफ्तारी है।

क्या है पूरा मामला -यह प्रकरण जेपीएससी की 14वीं संयुक्त सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा और जेएसएससी की अन्य भर्तियों में हुई कथित धांधली से जुड़ा है। आरोप है कि ओएमआर शीटों में हेरफेर, परीक्षा के बाद उत्तर भरना, परीक्षा

JPSC की पूर्व सदस्य अजिता भट्टाचार्य (फोटो)

एजेंसी टीडीपीएल के नेटवर्क के माध्यम से सेटिंग और साक्षात्कार में गड़बड़ी कर अभ्यर्थियों से मोटी रकम ली गई। खुलासों के अनुसार प्रारंभिक परीक्षा पास कराने के लिए 5 लाख, मुख्य परीक्षा के लिए 10 लाख और अंतिम चयन या साक्षात्कार मैनेज करने के लिए 40 से 60 लाख रुपये तक मांगे गए। आरोपी अभय तिवारी के बयान में भी इसका जिक्र आया है।जुलाई 2026 में 14वीं जेपीएससी पीटी का परिणाम आने के बाद छात्रों ने पेपर लीक और भ्रष्टाचार के आरोप लगाकर आंदोलन शुरू कर दिया था। छात्र आंदोलन का 24वां दिन -छात्रों का आंदोलन 25 जुलाई से रांची के मोरहाबादी मैदान स्थित बापू वाटिका से प्रारंभ हुआ था। बाद में इसे जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में स्थानांतरित किया गया। सोमवार तक यह आंदोलन 23-24वें दिन में प्रवेश कर चुका हजेपीएससी-जेएसएससी रिफॉर्म्स मंच के बैनर तले अभ्यर्थी विवादित परीक्षाओं को रद्द करने, सीबीआई जांच और दोषियों पर कठोर कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। आंदोलन के दौरान भूख हड़ताल, मौन जुलूस, मशाल जुलूस, कैंडल मार्च और विधानसभा घेराव भी किए गए। कुछ अवसरों पर पुलिस को लाठीचार्ज भी करना पड़ा। सरकार से कई बार वार्ता हुई, पर सीबीआई जांच और परीक्षा रद्द करने पर सहमति नहीं बन सकी। अभ्यर्थियों ने 20 अगस्त तक मुख्यमंत्री आवास घेरने की चेतावनी भी दी है। इस्तीफे और अब तक की गिरफ्तारियां - जेपीएससी के तत्कालीन अध्यक्ष एल. ख्यांगते ने 22 जुलाई को इस्तीफा दिया। सीआईडी की पूछताछ के बाद 10 अगस्त को उन्हें गिरफ्तार कर 15 अगस्त को जेल भेज दिया गया। - 9 अगस्त को आयोग की तीन सदस्यों डॉ. अजीता भट्टाचार्य, डॉ. अनिमा हांसदा और डॉ. जमाल अहमद ने इस्तीफा दे दिया, जिसे राज्यपाल ने स्वीकार कर लिया। डॉ. अजीता भट्टाचार्य जेएमएम नेता सुप्रियो भट्टाचार्य की पत्नी हैं और वर्ष 2021 में सदस्य नियुक्त हुई थीं। सीआईडी ने राज्य भर में छापेमारी कर अब तक 22 लोगों को गिरफ्तार किया है। बीएन राम की गिरफ्तारी को साक्षात्कार में गड़बड़ी से जुड़ी अहम कड़ी माना जा रहा है।आगे क्या सीआईडी की जांच जारी है। जेएसएससी कार्यालय में भी दस्तावेजों की जांच की जा रही है। हाईकोर्ट में सीबीआई जांच की मांग को लेकर याचिका दायर की गई है।

2027 के रण से पहले भाजपा की नई टीम का हो गया ऐलान

स्मृति-राजे की वापसी, दक्षिण और पूर्व के चेहरों को मौका

नई दिल्ली (एजेंसी)। 2027 में कई राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले बीजेपी ने राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन के नेतृत्व में अपनी नई राष्ट्रीय टीम का ऐलान किया है। इस संगठनात्मक फेरबदल में पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी को राष्ट्रीय महामंत्री और राजस्थान की

पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया है। नई टीम में इन दोनों दिग्गजों की एक बड़ी संगठनात्मक वापसी माना जा रहा है। इसके साथ ही इस नई टीम में कई नए चेहरों को मौका दिया गया है। इस नई सूची में राम माधव, तीरथ सिंह रावत, बैजयंत जय पांडा, और मनप्रीत सिंह बादल जैसे वरिष्ठ नेताओं को भी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है। वहीं विनोद तावड़े और सुनील बंसल जैसे प्रमुख चेहरे भी संगठन की नई टीम में बरकरार रखे गए हैं।

13 राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, 8 राष्ट्रीय महामंत्री

बीजेपी की नई टीम में एम नागराजा, लाल सिंह आर्य, वर्षाबेन दोशी को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया है। बैजयंत जय पांडा, रेखा वर्मा, मधुचंद्र इस टीम में बरकरार हैं। उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री तीरथ सिंह रावत, पूर्व केंद्रीय मंत्री भारती पवार, मनप्रीत सिंह बादल, तारिक मंसूर को भी उपाध्यक्ष बनाया गया है।

कांग्रेस ने सीएम हेमंत सोरेन से छात्र प्रतिनिधियों से व्यक्तिगत मुलाकात का किया आग्रह

दैनिक अलग पहचान, साजिद , ब्यूरो चीफ, झारखंड प्रदेश /

राहुल गांधी ने झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को पत्र लिखकर राज्य में भर्ती परीक्षाओं में अनियमितताओं को लेकर आंदोलन कर रहे छात्रों के प्रतिनिधियों से व्यक्तिगत रूप से मिलने का अनुरोध किया है।पत्र में कांग्रेस ने कहा कि भारत के संविधान में शांतिपूर्ण विरोध का अधिकार लोकतंत्र का प्रमुख स्तंभ है। इसी कारण पार्टी पिछले कुछ महीनों से पेपर लीक और शिक्षा व्यवस्था में गड़बड़ियों के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे छात्रों का पूर्ण समर्थन कर रही है। कांग्रेस का आरोप है कि भारतीय शिक्षा प्रणाली अब आरएसएस और भाजपा के नियंत्रण में आ गई है और यह छात्रों के शोषण का साधन बन गई है पत्र में उल्लेख किया गया है कि झारखंड में भी छात्र राज्य स्तरीय भर्ती परीक्षाओं में धांधली के खिलाफ शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे हैं और उनकी मांगें जायज हैं। कांग्रेस ने इस बात की सराहना की कि मुख्यमंत्री द्वारा गठित समिति ने छात्रों से बातचीत शुरू की है और कई मांगों पर सहमति भी बनी है।हालांकि पार्टी ने चिंता जताई कि इसके बावजूद आंदोलन जारी है और कुछ छात्र अनिश्चितकालीन

भूख हड़ताल पर बैठे हैं। कांग्रेस ने मुख्यमंत्री से सुझाव दिया कि वे स्वयं आंदोलनकारी छात्रों के प्रतिनिधियों से मिलें। इससे सरकार की छात्रों की शेष चिंताओं को दूर करने की प्रतिबद्धता और मजबूत होगी। पत्र में कहा गया कि 'भारत के युवा ही देश का भविष्य हैं। संकट की इस घड़ी में हमारा दायित्व है कि हम उन्हें पूरा समर्थन और एकजुटता दें। 'अंत में कांग्रेस ने मुख्यमंत्री से अपील की कि वे छात्रों की बातों को ध्यानपूर्वक सुनें और समस्या के समाधान के लिए उचित कदम उठाएं।

जेएलकेएम नेता रंजीत महतो ने डीडीसी को सौंपा ज्ञापन

दैनिक अलग पहचान, शीतल दत्ता , ब्यूरो चीफ, धनबाद/

झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के धनबाद जिला मीडिया प्रभारी रंजीत कुमार महतो ने रविवार को धनबाद के उप विकास आयुक्त सन्नी राज से उनके कार्यालय में भेंट की। इस दौरान उन्होंने जिला परिषद क्षेत्र संख्या चौदह के अंतर्गत आने वाले गोविंदपुर प्रखंड की बहु प्रतीक्षित जनसमस्याओं को लेकर एक विस्तृत आवेदन सह ज्ञापन प्रस्तुत किया।बातचीत के क्रम में श्री महतो ने कहा कि गोविंदपुर प्रखंड की मरिचो, तिलैया, बिराजपुर एवं बड़ा पिछड़ी पंचायतों में आधारभूत सुविधाओं के अभाव के कारण आमजन को प्रतिदिन कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इन समस्याओं के शीघ्र समाधान की आवश्यकता है अन्यथा ग्रामीणों में आक्रोश बढ़ सकता है। ज्ञापन में सर्वप्रथम मरिचो पंचायत के बेहराडीह गांव में सामुदायिक भवन

के निर्माण की मांग रखी गई। ग्रामीणों का कहना है कि विवाह, शोकसभा एवं पंचायत स्तरीय बैठकों के लिए गांव में कोई सामुदायिक भवन नहीं है। इसके कारण लोगों को निजी स्थानों पर निर्भर रहना पड़ता है। अतः ग्रामीण हित में यहां एक पक्के सामुदायिक भवन का निर्माण कराया जाना चाहिए।दूसरा प्रमुख मुद्दा आवागमन से जुड़ा रहा। श्री महतो ने उप विकास आयुक्त को बताया कि तिलैया, मरिचो और बिराजपुर इन तीनों पंचायतों को जोड़ने वाली निचितपुर से घोसकोडीह गांव तक की एकमात्र मुख्य सड़क पूरी तरह जर्जर हो चुकी है। गड्ढों के कारण बरसात में आवागमन ठप हो जाता है। स्कूली बच्चों, मरीजों एवं किसानों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। उन्होंने मांग की कि इस सड़क की अविलंब मरम्मत कराकर इसे आवागमन योग्य बनाया जाए।तीसरा मुद्दा पेयजल संकट से संबंधित था। बड़ा पिछड़ी पंचायत के बड़ा पिछड़ी गांव अंतर्गत सिंह टोला स्थित काली मंदिर के समीप लगा सोलर जलमीनार विगत कई महीनों से खराब पड़ा हुआ है। इसके कारण सैकड़ों परिवारों को पीने के पानी के लिए दूरदराज जाना पड़ रहा है। गर्मी और बरसात में महिलाओं एवं बुजुर्गों को विशेष कठिनाई हो रही है। श्री महतो ने आग्रह किया कि इस जलमीनार को प्राथमिकता के आधार पर दुरुस्त कराकर नियमित पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित की जाए।उप विकास आयुक्त सन्नी राज ने सभी बिंदुओं को गंभीरता से सुना। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों की मूलभूत समस्याओं का निराकरण सरकार की प्राथमिकता है।

संक्षिप्त समाचार

लोहरदगा में नाबालिग लड़की से हैवानियत, आरोपी फरार

लोहरदगा, एजेंसी। जिला के कुडू थाना क्षेत्र में जंगल से लकड़ी लाने गई एक नाबालिग लड़की के साथ दो युवकों ने दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया है. नाबालिग की मां के बयान पर पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ दुष्कर्म और पोक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है. दोनों आरोपी घटना के बाद से फरार हैं. थाना में दिए आवेदन के अनुसार, पीड़िता कुडू थाना क्षेत्र की रहने वाली है. वह जंगल से लकड़ी लेकर घर लौट रही थी. इसी दौरान रास्ते में दो युवक उसे जबरन जंगल के अंदर करीब आधा किलोमीटर दूर ले जाकर दुष्कर्म किया. आरोपियों ने नाबालिग को धमकी भी दी कि अगर किसी को बताया तो पूरे परिवार को जान से मार देंगे. इस घटना के बाद किसी तरह नाबालिग घर पहुंची और परिजनों को पूरी घटना बताई. इसके बाद नाबालिग अपनी मां के साथ कुडू थाना पहुंची और लिखित शिकायत दी. शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर नाबालिग का मेडिकल जांच भी कराया है. इस घटना से नाबालिग और उसका परिवार भय में है. हालांकि पीड़ित परिवार ने कानून पर विश्वास जताया है. साथ ही आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग भी की है. इस संबंध में कुडू थाना प्रभारी अजीत कुमार ने बताया कि मामले में अनुसंधान शुरू कर दिया गया है. आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है. दोनों आरोपी जल्द ही पुलिस की गिरफ्त में होंगे.

ट्रक ने कार और तीन बाइक को रौंदा, दो की मौत

रांची, एजेंसी। जिला के पिठौरिया थाना क्षेत्र की बुचा घाटी में रविवार को हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई. वहीं इस हादसे में चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए हैं. प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, एक तेज रफ्तार ट्रक ने एक कार और तीन मोटरसाइकिलों को पीछे से टक्कर मार दी. इस हादसे में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए. घायलों को इलाज के लिए रिम्स भेजा गया है. इनमें कुछ की हालत नाजुक बताई जा रही है. टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि एक मोटरसाइकिल ट्रक के अगले हिस्से में फंस गई और काफी दूरी तक सड़क पर घिसटती चली गई. मृतकों की पहचान 18 वर्षीय अंकित कुमार, 58 वर्षीय गोपाल राम के रूप में हुई है. वहीं दुर्घटना में चार अन्य लोग गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं. सभी घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है. प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से भागने की कोशिश कर रहा था. इस दौरान एक बाइक ट्रक में फंस गई और काफी दूर तक घिसटती चली गई. घटना की सूचना मिलते ही पिठोरिया थाना प्रभारी सतीश कुमार पांडेय पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे. पुलिस ने घायलों को तत्काल इलाज के लिए रिम्स भेजा, जबकि दोनों शव को पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया गया. पिठोरिया थाना प्रभारी सतीश पांडेय ने बताया कि घटनास्थल से ट्रक और तीनों मोटरसाइकिलों को जब्त कर लिया है. हादसा ट्रक में किसी तकनीकी खराबी के कारण हुआ या फिर चालक की लापरवाही से, इसकी जांच की जा रही है. पुलिस ट्रक चालक की भूमिका की भी जांच कर रही है.

चतरा जेल में बंद विचाराधीन कैदी ने दी अपनी जान, टीएसपीसी का था उग्रवादी

चतरा, एजेंसी। जिला जेल में बंद नक्सली संगठन टीएसपीसी के उग्रवादी मंटू गंझू (22वर्ष) उर्फ दिलेश ने शनिवार की देर रात आत्महत्या कर ली. इस संबंध में चतरा जेल प्रशासन ने सदर थाना में आत्महत्या का केस दर्ज करवाया है. मृतक पलामू जिला के मनातू थाना क्षेत्र के केवाल गांव का रहनेवाला था.इस घटना की पुष्टि करते हुए सदर थाना प्रभारी सह पुलिस निरीक्षक अनिल उरांव ने बताया कि मृतक के खिलाफ चतरा जिला के विभिन्न थाना क्षेत्रों में कई मामले दर्ज थे. वर्तमान में कुंदा कांड संख्या 21/2024 धारा 341/323/385/387/456/34 आईपीसी, 25/1-इ/26/35 आर्म्स एक्ट,17 (1)2) सीएलए एक्ट के तहत चतरा मंडल कारा में विचाराधीन कैदी के रूप में सजा काट रहा था.थाना प्रभारी ने बताया कि जेल प्रशासन ने पुलिस को जानकारी दी है कि कैदी द्वारा शनिवार देर रात करीब 12 बजे आत्महत्या के प्रयास के बाद सदर अस्पताल में भर्ती करवाया गया. जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई. उन्होंने बताया कि जेल प्रशाशन द्वारा सदर थाना में यूडी केस संख्या 12/26 दर्ज करवाया गया है. वहीं शव का पोस्टमार्टम मेडिकल टीम द्वारा किया जा रहा है. दूसरी ओर मृतक के परिजनों ने सदर थाना में आवेदन देकर जेल प्रशासन पर हत्या करने का आरोप लगाया है. फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है. इधर मृतक का भाई सीटू गंझू इसे आत्महत्या नहीं बल्कि साजिश के तहत हत्या बता रही है और पूरे मामले की जांच की मांग कर रही है.

कुनिका पहुंचीं जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम, छात्रों के समर्थन में उठाई शिक्षा व्यवस्था सुधारने की मांग

रांची, एजेंसी। राज्य की राजधानी रांची के जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में चल रहे जेपीएससी-जेएसएससी छात्र आंदोलन को समर्थन देने मुंबई से अभिनेत्री और सामाजिक कार्यकर्ता कुनिका सदानंद रविवार को रांची पहुंचीं. उन्होंने आंदोलन स्थल पर पहुंचकर छात्रों से मुलाकात की और उनकी मांगों को सुना.कुनिका सदानंद ने कहा कि राज्य की शिक्षा व्यवस्था में सुधार की जरूरत है. विद्यार्थियों को पढ़ाई का बेहतर माहौल और प्रतियोगी परीक्षाओं में पारदर्शिता मिलनी चाहिए. उन्होंने कहा कि झारखंड और दिल्ली में चल रहे छात्र आंदोलनों की परिस्थितियां अलग हैं. दिल्ली में पेपर लीक का मामला सामने आया था, जबकि झारखंड में छात्र मुख्य रूप से नौकरी और प्रतियोगी परीक्षाओं से जुड़े मुद्दों को लेकर आंदोलन कर रहे हैं. उन्होंने कहा कि अगर किसी परीक्षा में गड़बड़ी या नकल से संबंधित आरोप सामने आए हैं तो सरकार को जल्द से जल्द कार्रवाई करनी चाहिए.कुनिका सदानंद ने जांच एजेंसी को लेकर भी अपनी राय रखी. उन्होंने कहा कि छात्र यदि मामले की सीबीआई जांच की मांग कर रहे हैं, तो व्यक्तिगत रूप से उनका मानना है कि सरकार को इस मांग पर गंभीरता से विचार करते हुए जांच करवानी चाहिए.

श्रावणी मेला 2026: शिवमय हुआ राज्य

सावन की तीसरी सोमवारी के मौके पर उमड़ा आस्था का सैलाब

दुमका/गिरिडीह/कोडरमा/सिमडेगा, एजेंसी। सावन माह की तीसरी सोमवारी को बासुकीनाथ धाम में श्रद्धालुओं ने भगवान शिव को जलार्पण किया। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, सावन सोमवारी और नाग पंचमी का विशेष महत्व होने की वजह से पहले बाबाधाम देवघर और बाद में बासुकीनाथ में भक्तों ने जलार्पण किया। इस दौरान श्रद्धालु भागलपुर के बरारी घाट से गंगाजल भरकर हंसडीहा के रास्ते सीधे बासुकीनाथ पहुंचे। इधर, कांवरियों की संभावित भीड़ को देखते हुए जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क है।

मंदिर प्रवेश एवं निकास द्वार समेत मेले क्षेत्र के महत्वपूर्ण स्थलों पर पुलिस प्रशासन का सख्त पहरा है। रात 2 बजे मंदिर का पट खुलते ही 'बोल बम' के साथ कांवरियों का मंदिर में आगमन शुरू हुआ, जो लगातार जारी है। 'हर-हर महादेव' एवं 'बोल बम' के जयकारे से मंदिर परिसर गुंजायमान है।

दरअसल, दर्शनियाटीकर हाईवे के पास तारा मंदिर रोड स्थित प्रवेश द्वार से श्रद्धालु शिवगंगा पहुंच रहे हैं और पवित्र शिवगंगा में डूबकी लगाकर कतारबद्ध होकर क्यू कॉम्प्लेक्स होते हुए संस्कार मंडप के रास्ते मंदिर प्रांगण में पहुंच रहे हैं, जहां से उन्हें कड़ी सुरक्षा के बीच मंदिर में प्रवेश कराकर अरघा के माध्यम से जलाभिषेक कराया जा रहा है। वहीं डाक बम श्रद्धालुओं से टोकन प्राप्त कर उन्हें जलाभिषेक के लिए सीधे

मंदिर में प्रवेश कराया जा रहा है।

बासुकीनाथ धाम मंदिर में श्रद्धालुओं के सुगमतापूर्वक जलार्पण को लेकर प्रशासन देर रात से ही अलर्ट मोड में है। दुमका एसडीएम कौशल कुमार ने बताया कि संभावित भीड़ को देखते हुए पूर्व से ही तैयारी कर ली गई थी। मेला क्षेत्र के सभी प्वांइट पर दंडाधिकारियों के साथ पुलिस बल पूरी तरह से चौकस है तथा ड्रोन एवं सीसीटीवी कैमरे से सभी गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है। श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की कोई परेशानी न हो, इसका खासा ख्याल रखा जा रहा है। सावन माह की तीसरी सोमवारी के मौके पर बासुकीनाथ धाम मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है।

गिरिडीह में पवित्र सावन महीने की तीसरी सोमवारी पर बगोदर के प्रसिद्ध हरिहरधाम शिव मंदिर में आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। सुबह से ही मंदिर के पट खुलते ही जलाभिषेक के लिए शिव भक्तों की भीड़ आनी शुरू हो गई।

सोमवारी के साथ आज नाग पंचमी भी है। ऐसे में बाबा भोले पर जलाभिषेक करने से बाबा की कृपा शिवभक्तों पर रहती है। 'बोल बम' और 'हर-हर महादेव' के जयकारों से पूरा मंदिर परिसर गूंज उठा। श्रद्धालु बाबा भोलेनाथ पर जलाभिषेक कर पूजा-अर्चना कर रहे हैं। इधर, भीड़ को देखते हुए मंदिर परिसर और आसपास सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस प्रशासन को भी तैनात किया गया है।

कोडरमा में भी सावन की तीसरी सोमवारी पर श्रद्धालु विभिन्न शिवालयों में भगवान शिव को जल अर्पण कर रहे हैं। वहीं कोडरमा के ध्वजाधारी आश्रम में शिवभक्तों की भीड़ उमड़ी। शिवभक्त यहां पूरी आस्था और भक्ति के साथ पहुंच रहे हैं और 777 सीढ़ियां चढ़कर पहाड़ की चोटी पर बसे भगवान शिव का जलाभिषेक करने पहुंच रहे हैं।

सिमडेगा में सावन की तीसरी सोमवारी पर शिवभक्ति का अद्भुत नजारा देखने को मिला। ओडिशा के वेदव्यास त्रिवेणी संगम से पवित्र जल लेकर 80 चरूकी पैदल यात्रा करते हुए हजारों कांवड़िये अहले सुबह सरना महादेव धाम पहुंचे। केसरिया वस्त्रों में सजे कांवरियों के जत्थे से पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो उठा। 'हर-हर महादेव' और 'बोल बम' के जयकारों से वातावरण गूंजता रहा। कांवरियों ने सरना महादेव मंदिर पहुंचकर भगवान शिव का जलाभिषेक किया। इसके बाद श्रद्धालुओं ने बाबा भोलेनाथ को बेलपत्र, सफेद फूल और प्रसाद अर्पित कर सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की। कांवरिया पूरे रास्ते शिव भजनों पर झूमते-नाचते हुए आगे बढ़े। कई स्थानों पर स्थानीय लोगों ने कांवरियों का स्वागत भी किया।

होमगार्ड अभ्यर्थियों का मेडिकल व डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन शुरू

दैनिक अलग पहचान, डेस्क संवाददाता, रांची /

धनबाद। होमगार्ड बहाली के अंतर्गत चयनित पूर्वी टुण्डी के अभ्यर्थियों के मूल प्रमाण-पत्रों का सत्यापन, चिकित्सीय जाँच, पुलिस चरित्र सत्यापन एवं बॉण्ड निष्पादन आज से समाहरणालय में सुबह 11:00 बजे से शाम 05:00 बजे तक किया गया। इसकी जानकारी देते हुए उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन ने बताया कि मेडिकल व डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन में निर्धारित तिथियों में अनुपस्थित अभ्यर्थियों को 1 सितंबर 2026 को मेडिकल व डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन कराने का अंतिम अवसर दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रक्रिया के दौरान अभ्यर्थी आवेदन में प्रस्तुत सभी प्रमाण पत्रों की मूल प्रतियाँ, स्व-अभिप्रमाणित छायाप्रतियाँ और पीछे नाम व रोल नंबर अंकित 4 पासपोर्ट साइज रंगीन फोटो के साथ स्वयं उपस्थित होंगे। मंगलवार को टुण्डी और बलियापुर के अभ्यर्थियों का मेडिकल व डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन किया जाएगा।मेडिकल व डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन के लिए चार टीम बनाई गई है। साथ में एक मेडिकल टीम भी मौजूद है। उपायुक्त ने कहा कि फर्जी दस्तावेज़ या धोखाधड़ी का प्रयास करने पर झारखण्ड प्रतियोगी परीक्षा अधिनियम, 2023 एवं भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), 2023 के तहत सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उपायुक्त ने कहा कि जिला प्रशासन ने बिल्कुल पारदर्शी प्रक्रिया अपनाकर होमगार्ड बहाली की परीक्षा सफलतापूर्वक संपन्न कराई है। मेडिकल व डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन की प्रक्रिया भी उसी तरह से संपन्न कराई जाएगी। उन्होंने सभी चयनित अभ्यर्थियों को किसी भी बिचौलिए के झांसे में नहीं आने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि यदि कोई भी बिचौलिया किसी भी अभ्यर्थी को राशि लेकर उनका काम कराने का प्रलोभन देता है तो वे सीधे होमगार्ड डीएसपी के मोबाइल नंबर 6299226344 पर संपर्क करने तथा किसी भी अफवाह पर भी ध्यान नहीं देने का अनुरोध किया है।मेडिकल व डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन की प्रक्रिया के दौरान होमगार्ड के कमांडेंट सूर्यकांत कुमार, मेडिकल टीम में डॉ अमन चिराग, डॉ एसके गुप्ता, सीएचओ विजाला कुमारी, एएनएम अनु कुमारी, अमर कुमार, व जांच टीम में नंद किशोर कुशवाहा, संतोष कुमार सुमन, मोहम्मद शाकिर अंसारी, चंदन कुमार व अन्य लोग मौजूद थे।

श्रावणी मेला 2026: तीसरी सोमवारी और नाग पंचमी का अद्भुत संयोग, बाबा धाम में उमड़ा आस्था का सैलाब

देवघर, एजेंसी। सावन की तीसरी सोमवारी के साथ नाग पंचमी के शुभ संयोग पर देवघर के बाबा बैद्यनाथ धाम में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी है. देश के कोने-कोने से पहुंचे कांवरिया और श्रद्धालु बाबा भोलेनाथ का जलाभिषेक करने के लिए अहले सुबह से ही कतार में खड़े हैं. मंदिर में भीड़ का आलम यह है कि पूरा बाबा धाम हर-हर महादेव और बोल बम के जयकारों से गूंज उठा है.

सुबह 4:30 बजे मंदिर के कपाट खुलने के बाद श्रद्धालुओं ने भीतरी अरघा और बाहरी अरघा के माध्यम से बाबा बैद्यनाथ पर जलाभिषेक शुरू किया. श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने मंदिर और मेला क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया है. शहर के तमाम वरीय अधिकारी मंदिर परिसर में कैंप कर लगातार व्यवस्था पर नजर बनाए हुए हैं.

तीसरी सोमवारी को लेकर पहले से ही प्रशासन की ओर से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना जताई गई थी. वहीं, आज सोमवारी, नाग पंचमी और संक्रांति के संयोग के कारण श्रद्धालुओं की संख्या और बढ़ गई है. अनुमान लगाया जा रहा है कि आज बाबा धाम में करीब 5 लाख श्रद्धालु जलाभिषेक के लिए पहुंच सकते हैं. सुबह करीब 9 बजे तक लगभग एक लाख श्रद्धालुओं द्वारा जलाभिषेक किए जाने का अनुमान लगाया जा रहा है.

बाबा मंदिर में मौजूद पंडा ने बताया कि आज का दिन धार्मिक दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण है. उन्होंने कहा कि इस विशेष सोमवारी पर भगवान भोलेनाथ की पूजा-अर्चना और जलाभिषेक करने से श्रद्धालुओं की मनोकामना पूरी होने की मान्यता है. उन्होंने बताया कि बांग्ला पंचांग के अनुसार आज सोमवारी का विशेष संयोग है. इसके साथ ही संक्रांति और नाग पंचमी का भी शुभ संयोग बन रहा है. इसके अलावा आज बांग्ला साबुन का अंत भी हो रहा है. यही वजह है कि इस बार तीसरी सोमवारी पर श्रद्धालुओं की भीड़ अप्रत्याशित रूप से बढ़ी है.

चतरा पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 15 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ एक तस्कर गिरफ्तार

दैनिक अलग पहचान, डेस्क संवाददाता ,रांची /

चतरा पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर ब्राउन शुगर तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। प्रातः पुलिस अधीक्षक चतरा को सूचना मिली थी कि ग्राम सलीमपुर मैदान के पास दो व्यक्ति अवैध रूप से ब्राउन शुगर की खरीद-बिक्री करने वाले हैं। सूचना के सत्यापन और त्वरित कार्रवाई के लिए अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सिमरिया के नेतृत्व में छापामारी दल का गठन किया गया।छापामारी दल ने गिद्धौर थाना क्षेत्र अंतर्गत सलीमपुर मैदान के पास से एक व्यक्ति को 15 ग्राम अवैध ब्राउन शुगर के साथ गिरफ्तार किया। दूसरा व्यक्ति जंगल का लाभ उठाकर भागने में सफल रहा।पूछताछ में गिरफ्तार व्यक्ति ने अपना नाम प्रिंस कुमार बताया। उसकी उम्र लगभग 20 वर्ष है। वह पिता दिलचंद राम का पुत्र है और ग्राम पहरा, थाना गिद्धौर, जिला चतरा का निवासी है। पुलिस ने उसके पास से 15 ग्राम ब्राउन शुगर, 1 सैमसंग कंपनी का स्मार्ट फोन और एक बिना नंबर प्लेट की स्प्लेंडर मोटरसाइकिल जिसका चेसिस नंबर

MBLHAW229RHE73673 है, जप्त की है।इस संबंध में गिद्धौर थाना में कांड संख्या 84/26, दिनांक 17.08.2026 दर्ज किया गया है। मामला एनडीपीएस एक्ट की धारा17(बी)/21(बी)/22(बी)/27(ए)/28/29 के तहत दर्ज कर गिरफ्तार अभियुक्त को न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है।

छापामारी दल में शामिलः

1.नागरगोजे शुभम भाउसाहेब, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, सिमरिया
2. पु.अ.नि. पुरुषोत्तम अग्निहोत्री, थाना प्रभारी, गिद्धौर थाना
3.गिद्धौर थाना के रिजर्व गार्ड के सशस्त्र बल

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने धनबाद के कतरास, झरिया एवं बाघमारा क्षेत्र के विभिन्न मतदान केंद्रों का किया निरीक्षण

▶▶ मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण के कार्य में किसी भी स्तर के पदाधिकारी के द्वार उनके कर्तव्यों के निर्वहन में किसी प्रकार की खानापूर्ति बर्दाश्त नहीं की जाएगी-के. रवि कुमार

दैनिक अलग पहचान, डेस्क संवाददाता, रांची /

धनबाद। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने सोमवार को धनबाद जिले के कतरास, झरिया एवं बाघमारा क्षेत्र अंतर्गत विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण कर मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) से संबंधित कार्यों की जमीनी स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संबंधित निर्वाचन पदाधिकारियों, बीएलओ सुपरवाइजर एवं बीएलओ द्वारा किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की तथा मतदाता सूची को शुद्ध, त्रुटिरहित एवं समावेशी बनाने के लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने

कहा कि मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण जैसे महत्वपूर्ण कार्य में किसी भी स्तर पर खानापूर्ति स्वीकार नहीं की जाएगी। प्रत्येक ईआरओ, एईआरओ, अतिरिक्त एईआरओ, बीएलओ एवं बीएलओ सुपरवाइजर को सौंपे गए दायित्वों का गंभीरता, पारदर्शिता एवं पूरी जवाबदेही के साथ निर्वहन करना होगा। उन्होंने कहा कि जिन मतदान केंद्रों पर एसआईआर से संबंधित कार्यों में शिथिलता अथवा लापरवाही पाई जाएगी, वहां के संबंधित बीएलओ सुपरवाइजर की जिम्मेदारी तय की जाएगी।उन्होंने संबंधित निर्वाचक निबंधन पदाधिकारियों (ईआरओ) को निर्देश दिया कि एसआईआर के कार्यों में किसी भी स्तर पर कोताही पाए जाने पर उसे गंभीरता से लेते हुए सख्त से सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने कहा कि निर्वाचन से जुड़े प्रत्येक पदाधिकारी एवं कर्मी को यह समझना होगा कि मतदाता सूची की शुद्धता सुनिश्चित करना उनकी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी।पदाधिकारी के. रवि कुमार ने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि एक भी पात्र भारतीय नागरिक का नाम मतदाता सूची से न छूटे तथा किसी भी विदेशी नागरिक का नाम मतदाता सूची में शामिल न हो। इसके लिए प्रत्येक मतदान केंद्र पर मतदाता सूची से संबंधित तथ्यों एवं उपलब्ध अभिलेखों की गंभीरता से जांच करते हुए निर्धारित प्रक्रिया के अनुरूप कार्य किया जाए। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने बीएलओ एवं बीएलओ सुपरवाइजर को क्षेत्र में सक्रिय रहकर मतदाताओं से संपर्क बनाए रखने तथा मतदाता सूची से संबंधित आवश्यक प्रक्रियाओं में उन्हें समुचित सहयोग प्रदान करने का निर्देश दिया।

धनबाद सदर अस्पताल के अर्श क्लिनिक रैंकिंग में जलवाः राज्य में अव्वल और देश में तीसरे पायदान पर

धनबाद, एजेंसी। जिला के लिए इस बार स्वतंत्रता दिवस सिर्फ देशभक्ति का पर्व नहीं, बल्कि जिले की विकास यात्रा और उपलब्धियों को सामने रखने का भी अवसर रहा. स्वास्थ्य क्षेत्र में धनबाद सदर अस्पताल में संचालित अर्श क्लिनिक की रैंकिंग में राज्य में पहला स्थान हासिल किया और राष्ट्रीय स्तर पर तीसरी रैंक प्राप्त की. धनबाद जिला स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में धनबाद ने बड़ी उपलब्धि हासिल की है. किशोर-किशोरियों के लिए बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में इसे जिला की महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है. खास बात यह है कि स्वास्थ्य के साथ-साथ धनबाद ने स्वच्छ वायु, शिक्षा, महिला सशक्तिकरण और सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में भी कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां दर्ज की हैं.

धनबाद सदर अस्पताल में मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा देने के लिए लगातार सेवाओं का विस्तार किया जा रहा है. अस्पताल की ओपीडी सेवा 7 हजार से बढ़कर 14 हजार तक पहुंच गई है. वहीं 80 से अधिक प्रकार की पैथोलॉजी जांच की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है.

जिला की स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत करने के लिए 38 स्वास्थ्य उपकेंद्रों को विकसित किया जा रहा है. एक डिलीवरी सेंटर के विकास पर भी काम चल रहा है. ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच मजबूत करने के लिए 2,277 सहियाओं को किट उपलब्ध कराई गई है.

स्वास्थ्य के बाद बात करें स्वच्छ हवा की, तो इस क्षेत्र में भी धनबाद ने बड़ी उपलब्धि हासिल की है. राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम के तहत केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मूल्यांकन में धनबाद को 100 में से 100 अंक मिले हैं. शहर में प्रदूषण कम करने और पर्यावरण को बेहतर बनाने के लिए कई स्तरों पर काम किया जा रहा है.

शहरी विकास की दिशा में भी कई योजनाएं गति पकड़ रही है. शहर में ट्रैफिक व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए सड़क चौड़ीकरण, फ्लाईओवर और फुट ओवरब्रिज निर्माण के साथ श्रमिक चौक स्थित गया पुल अंडरपास के

चौड़ीकरण का काम चल रहा है. नमामि गंगे परियोजना के तहत 769.9 करोड़ रुपये की लागत से 192 एमएलडी क्षमता वाले पांच एसटीपी की स्वीकृति मिली है. इनमें पहले चरण का काम शुरू हो चुका है.

जल संरक्षण और तालाबों के पुनर्जीवन की दिशा में अमृत 2.0 के तहत बरमसिया, लोको और राजा तालाब के सौंदर्यीकरण की योजना है. करीब 60 एकड़ में फैले पम्पू तालाब के समग्र पुनर्जीवन के लिए रेलवे के साथ एमओयू किया गया है. कचरा प्रबंधन के लिए 125 टीपीडी क्षमता का सी एंड डी वेस्ट प्लांट और बलियापुर के आमझार में सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट प्लांट का निर्माण किया जा रहा है.

ग्रामीण विकास में भी धनबाद की तस्वीर बदलने की कोशिश जारी है. ग्रामीण क्षेत्रों को मुख्य सड़कों से जोड़ने के लिए 100 सड़क परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है. पेयजल के लिए 5 करोड़ रुपये की 23 योजनाएं स्वीकृत हैं. तोपचांची में बंद पड़ी 41 जलमीनारों में डीप बोरिंग का काम किया जा रहा है, जबकि टुंडी में 500 घरों को जलापूर्ति से जोड़ा गया है.

महिला सशक्तिकरण की बात करें तो जिले में 1.48 लाख से अधिक ग्रामीण परिवारों को 13,048 स्वयं सहायता समूहों से जोड़ा गया है. इनमें 6,464 सखी मंडल की महिलाएं 'लखपति दीदी' बन चुकी हैं. दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना के तहत 5,822 लोगों को निःशुल्क प्रशिक्षण दिया गया, जबकि 2,429 लोगों को रोजगार मिला है. वहीं 'फुलो झानो आशीर्वाद अभियान' के माध्यम से 2,283 महिलाओं को सम्मानजनक आजीविका से जोड़ा गया है. शिक्षा के क्षेत्र में भी जिले का प्रदर्शन बेहतर रहा है. मैट्रिक में 95.84 प्रतिशत, इंटर विज्ञान में 84.32 प्रतिशत, वाणिज्य में 94.92 प्रतिशत और कला में 97.40 प्रतिशत परिणाम रहा. जिला में 118 विद्यालयों के सुदृढ़ीकरण की योजना स्वीकृत की गई है. वहीं 283 आंगनबाड़ी योजनाओं के तहत नए भवन निर्माण और जीर्णोद्धार का काम जारी है.

सामाजिक सुरक्षा के मोर्चे पर भी बड़ी संख्या में लोगों को योजनाओं का लाभ मिला है. जिले के 2,75,890 पेंशनधारियों को समय पर पेंशन का भुगतान सुनिश्चित किया गया है. वहीं मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के तहत 3,46,145 लाभुकों को जुलाई 2026 तक की राशि का भुगतान किया जा चुका है. झरिया पुनर्वास की दिशा में भी प्रशासन की ओर से लगातार काम किया जा रहा है. 81 उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों से 215 परिवारों को स्थानांतरित किया गया है. पुनर्वासित परिवारों को शिफ्टिंग सहायता, आजीविका अनुदान और किराया सहायता दी जा रही है. बेलगड़िया टाउनशिप के फेज-5 में 82.90 करोड़ रुपये की लागत से 2,000 आवासों का निर्माण किया जा रहा है, जिसका करीब 72 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है.

संक्षिप्त समाचार

पांड्राशाली गोदाम में लौह अयस्क और कोयले का अवैध कारोबार पर रोक लगाने की मांग

बड़बांबो, एजेंसी। खूंटपानी के पांड्राशाली स्थित भारतीय खाद्य निगम गोदाम में कथित रूप से चल रही खनिज की अवैध लोडिंग को लेकर ग्रामीणों का आक्रोश लगातार बढ़ रहा है। इसी क्रम में सोमवार को पांड्राशाली चौक परिसर में ग्रामीण मुंडा कमल किशोर हेंब्रम की अध्यक्षता में एक बैठक आयोजित हुई। बैठक में चावल भंडारण के लिए बनी जमीन पर माफियाओं द्वारा लौह अयस्क और कोयले का अवैध कारोबार संचालित किये जाने का विरोध किया गया। ग्रामीणों ने प्रशासन से इस मामले की निष्पक्ष जांच कर तत्काल इसपर रोक लगाने की मांग की है। बैठक में ग्रामीणों ने दो टूक में चेतावनी दी कि यदि समय रहते प्रशासन ने इस धंधे को पूरी तरह बंद नहीं कराया, तो वे सड़कों पर उतरकर आंदोलन करने को बाध्य होंगे। ग्रामीणों का स्पष्ट कहना था कि क्षेत्र में होने वाला कोई भी कार्य नियमों के दायरे में और स्थानीय लोगों की सहमति व हितों को सर्वोपरि रखकर ही किया जाना चाहिए। इस कथित अवैध गतिविधि से पर्यावरण और स्थानीय व्यवस्था पर बुरा असर पड़ रहा है, जिसे बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। इस समस्या के खिलाफ एकजुट होकर आवाज उठाने के लिए बैठक में 'भूमि बचाओ संघर्ष समिति' का गठन किया गया। समिति के बैनर तले आगे की रणनीति तय की जायेगी। इस दौरान बिजय सिंह बानरा, बीर सिंह हेम्ब्रम, सकारी दोंगों, रेंगो पुरती, अजीत कांडेयांग, अशोक मुंडरी, धनश्याम बानरा, साधु हो, नारायण बानरा, दुलू राम हेम्ब्रम, मंगल सिंह हेम्ब्रम, सोमा बानरा, चंद्र मोहन बानरा, मोहन सिंह हेम्ब्रम और मधु सुदन बानरा समेत विभिन्न गांवों के दर्जनों ग्रामीण उपस्थित रहे।

15 दिन तक नहीं हुई सुनवाई, अब इस दिन कंपनी गेट पर शुरू होगा अनिश्चितकालीन धरना

जमशेदपुर, एजेंसी। भिलाई पहाड़ी स्थित त्रिवेणी अर्थमूवर्स कंपनी में कार्यरत ठेका मजदूरों की समस्याओं को लेकर आदिवासी एकता मंच ने आर-पार की लड़ाई का ऐलान किया है। पांच सूत्री मांगों पर कंपनी प्रबंधन की अड़ियल चुप्पी के खिलाफ मंच ने 19 अगस्त से कंपनी के मुख्य द्वार पर अनिश्चितकालीन शांतिपूर्ण धरना देने का निर्णय लिया है। इस संबंध में सोमवार को धालभूम एसडीओ को लिखित सूचना सौंप दी गई है। मंच के अध्यक्ष दीनबंधु सिंह ने बताया कि गत 30 जुलाई को कंपनी प्रबंधन को मांग-पत्र सौंपकर मजदूरों की समस्याओं के समाधान के लिए 15 दिनों की समय-सीमा तय की गई थी। हालांकि, निर्धारित अवधि बीत जाने के बाद भी प्रबंधन की ओर से कोई सकारात्मक पहल नहीं की गई। वर्षों से सेवाएं दे रहे मजदूरों को सेवा सुरक्षा, पदोन्नति, ओवरटाइम, बोनस और वैधानिक अवकाश जैसी बुनियादी सुविधाओं से वंचित रखा जा रहा है, जिसे कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। प्रशासन से हस्तक्षेप कर वार्ता कराने की मांग मंच के अध्यक्ष दीनबंधु सिंह ने कहा कि यदि मांगों पर तुरंत सकारात्मक कदम नहीं उठाए गए, तो 19 अगस्त को सुबह 10 बजे से त्रिवेणी अर्थमूवर्स कंपनी के गेट पर धरना शुरू होगा। साथ ही, मंच ने स्थानीय प्रशासन से हस्तक्षेप करते हुए प्रबंधन और मजदूरों के बीच वार्ता कराकर पांच सूत्रीय मांगों का न्यायसंगत समाधान कराने का आग्रह किया है। एसडीओ को ज्ञापन सौंपने के दौरान अध्यक्ष दीनबंधु सिंह, छोटू सोरेन, मंगल टुडू एवं पर्वत किस्कु मुख्य रूप से मौजूद थे।

5 दिन ही करेंगे बैंक कर्मचारी काम, मजदूर संघ ने उठाई आवाज

जमशेदपुर, एजेंसी। भारतीय मजदूर संघ, पूर्वी सिंहभूम की ओर से सोमवार को उपायुक्त कार्यालय के समक्ष एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन का नेतृत्व श्रमिक प्रतिनिधि अमरेंद्र कुमार सिंह ने किया।धरना के दौरान संघ की ओर से सरकार के नाम एक ज्ञापन भी सौंपा गया। ज्ञापन में श्रमिकों से जुड़े विभिन्न मुद्दों को प्राथमिकता के आधार पर हल करने की मांग की गई। साथ ही सरकार से श्रमिक प्रतिनिधियों के साथ समयबद्ध बातचीत शुरू करने का आग्रह किया गया। संघ के प्रतिनिधि अमरेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि सरकार को संबंधित मंत्रालयों, विभागों और प्राधिकरणों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी कर श्रमिकों की समस्याओं के समाधान के लिए ठोस और त्वरित कदम उठाने चाहिए।उन्होंने कहा कि संगठन की ओर से उठाई गई मांगें केवल वेतन वृद्धि तक सीमित नहीं हैं, बल्कि सामाजिक सुरक्षा, आर्थिक न्याय, उचित वेतन और श्रम की गरिमा से भी जुड़ी हुई हैं। इन समस्याओं का समाधान होने से कर्मचारियों के जीवन स्तर और कार्य परिस्थितियों में सुधार होगा। साथ ही कर्मचारियों, नियोक्ताओं और सरकार के बीच बेहतर औद्योगिक संबंध स्थापित होंगे।

मुर्गा लड़ाई के खिलाफ पुलिस की छापेमारी, हिरासत में तीन लोग

गुमला, एजेंसी। अंबेराडीह के समीप रविवार देर शाम पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर अवैध रूप से मुर्गा लड़ाई कराने के आरोप में तीन लोगों को हिरासत में लिया। पुलिस की अचानक हुई कार्रवाई से मौके पर अफरा-तफरी मच गई। पुलिस के पहुंचने की भनक लगते ही मुर्गा लड़ाई देखने और इसमें शामिल कई लोग मौके से भाग निकले। जानकारी के अनुसार, रविवार शाम अंबेराडीह के समीप काफी संख्या में लोग एकत्रित हुए थे। यहां कथित तौर पर मुर्गा लड़ाई का आयोजन कराया जा रहा था। इसकी सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए मौके पर छापेमारी की। पुलिस को देखते ही वहां मौजूद लोगों में भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। कई लोग अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गए। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तीन लोगों को पकड़कर हिरासत में लिया। बताया जा रहा है कि छापेमारी के दौरान पुलिस ने मौके से कुछ सामान भी बरामद किया है। हालांकि बरामद सामान और उसकी संख्या को लेकर पुलिस की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है। हिरासत में लिए गए तीनों लोगों से पुलिस पूछताछ कर रही है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि मुर्गा लड़ाई का आयोजन किसके द्वारा कराया जा रहा था और इसमें कौन-कौन लोग शामिल थे। इसके अलावा मौके पर पैसे के लेन-देन या सट्टेबाजी किए जाने की भी जांच की जा रही है।पुलिस सूत्रों के अनुसार, पूछताछ और जांच पूरी होने के बाद मामले में आगे की कार्रवाई की जाएगी।

अस्पताल में भर्ती देवेंद्र नाथ महतो की छात्रों से अपील, कहा- सिर्फ परीक्षा रद्द नहीं,

पूरी बहाली प्रक्रिया दुरुस्त हो

रांची, एजेंसी। रांची में जेपीएससी-जेएसएससी परीक्षाओं को लेकर चल रहे छात्र आंदोलन के बीच सदर अस्पताल में इलाजरत छात्र नेता देवेंद्र नाथ महतो ने सरकार के साथ वार्ता में शामिल छात्र प्रतिनिधियों से अहम अपील की है। उन्होंने कहा कि बातचीत केवल कुछ परीक्षाओं को रद्द कराने तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। छात्रों की लड़ाई का उद्देश्य इससे कहीं बड़ा है। उन्होंने प्रतिनिधिमंडल से पूरी बहाली प्रक्रिया और परीक्षा प्रणाली में स्थायी सुधार की मांग सरकार के सामने मजबूती से रखने को कहा है।

देवेंद्र नाथ महतो ने कहा कि सरकार के दबाव में आकर कुछ परीक्षाओं को रद्द कर दिया जाना छात्रों की लड़ाई की अंतिम सफलता नहीं मानी जा सकती। उनके मुताबिक, यदि परीक्षा रद्द होने के बाद भी वही पुरानी व्यवस्था बनी रहती है, तो भविष्य में फिर किसी परीक्षा को लेकर सवाल खड़े हो सकते हैं और अभ्यर्थियों को दोबारा सड़क पर उतरना पड़ सकता है। उन्होंने वार्ता में शामिल छात्रों से कहा कि वे सरकार के सामने ऐसी व्यवस्था लागू करने की मांग रखें, जिससे भर्ती परीक्षाओं की पूरी प्रक्रिया पारदर्शी और निष्पक्ष हो। परीक्षा के आयोजन से लेकर परिणाम जारी होने और नियुक्ति तक हर चरण में जवाबदेही तय होनी चाहिए।

छात्र नेता ने कहा कि बहाली प्रक्रिया ऐसी होनी चाहिए, जिसमें किसी योग्य अभ्यर्थी को किसी तरह की सेटिंग-गेटिंग या अनियमितता के कारण परीक्षा और नौकरी के अवसर से वंचित न होना पड़े। उन्होंने कहा कि लाखों अभ्यर्थी वर्षों तक मेहनत करते हैं और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में अपना समय और संसाधन लगाते हैं। ऐसे में परीक्षा प्रक्रिया में किसी भी स्तर की गड़बड़ी का सीधा असर उनकी मेहनत और भविष्य पर पड़ता है। उन्होंने कहा कि सरकार को केवल मौजूदा विवाद का समाधान करने के बजाय भर्ती प्रणाली की उन कमियों को भी दूर करना चाहिए, जिनके कारण बार-बार परीक्षाओं की विश्वसनीयता पर सवाल उठते हैं।

देवेंद्र नाथ महतो ने वार्ता में शामिल छात्र प्रतिनिधियों से आग्रह किया कि वे बातचीत के दौरान सिस्टम में स्थायी सुधार को प्रमुख मुद्दा बनाएं। उन्होंने कहा कि परीक्षा प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए ऐसी व्यवस्था विकसित की जानी चाहिए, जिसमें प्रश्नपत्र की सुरक्षा, परीक्षा केंद्रों की निगरानी, अभ्यर्थियों की पहचान, हरूक और डिजिटल रिकॉर्ड की सुरक्षा तथा परिणाम तैयार करने की प्रक्रिया पर स्पष्ट जवाबदेही हो। उनका कहना है कि सुधार का उद्देश्य केवल वर्तमान विवाद को खत्म करना नहीं, बल्कि भविष्य में होने वाली सभी भर्ती परीक्षाओं को भरोसेमंद बनाने वाला होना चाहिए। इससे अभ्यर्थियों को हर बार अपनी मांगों के लिए आंदोलन करने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

अनशन के कारण देवेंद्र नाथ महतो को सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन्होंने कहा कि भले ही वह फिलहाल अस्पताल में इलाजरत हैं, लेकिन उनका दिल अब भी जयपाल सिंह स्टेडियम में चल रहे छात्र आंदोलन के साथ है। उन्होंने आंदोलन में शामिल छात्रों से धैर्य बनाए रखने और एकजुट होकर संघर्ष जारी रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि छात्रों की एकजुटता और लगातार संघर्ष जरूर रंग लाएगा। उनका विश्वास है कि अंत में छात्रों की मांगों और संघर्ष की जीत होगी। अब वार्ता में शामिल छात्र प्रतिनिधियों के सामने भी यही चुनौती है कि वे तत्काल मांगों के साथ भर्ती व्यवस्था में लंबे समय तक असर डालने वाले सुधारों को बातचीत के केंद्र में रखें।

भाजयुमो ने रांची में फूंका राहुल गांधी का पुतला, राष्ट्रगीत वंदे मातरम् का अपमान करने का लगाया आरोप

रांची, एजेंसी। भारतीय जनता युवा मोर्चा(भाजयुमो) के कार्यकर्ताओं ने आज रांची में शहीद चौक के पास कांग्रेस नेता एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का पुतला फूंका।इस दरम्यान भाजयुमो के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस, सोनिया गांधी और राहुल गांधी के विरोध में नारेबाजी भी की।

भारतीय जनता युवा मोर्चा का आरोप है कि स्वतंत्रता दिवस,15 अगस्त के दिन राहुल गांधी और सोनिया गांधी के द्वारा राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' का अपमान किया गया है। जिसके विरोध और आक्रोश में आज रांची के शहीद चौक के पास भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो)की ओर से राहुल गांधी का पुतला दहन किया गया है।

पुतला दहन कार्यक्रम के दौरान भाजयुमो के प्रदेश मीडिया संयोजक प्रिंस कुमार व अन्य युवा नेताओं ने कहा कि जिस पार्टी की स्थापना ही एक विदेशी ने की थी, उस पार्टी के नेताओं से राष्ट्रभक्ति की क्या ही उम्मीद की का सकती है। भाजयुमो नेताओं ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस की मानसिकता पूरे देश को मूर्ख समझने की रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि 15 अगस्त के एक कार्यक्रम के दौरान जब 'वंदे मातरम' का गायन होना था, उस समय कांग्रेस नेताओं की ओर से इसका विरोध किया गया।

भाजपा नेताओं ने कहा कि 'वंदे मातरम' देश की राष्ट्रीय भावना और स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़ा महत्वपूर्ण गीत है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने इसका अपमान कर देशवासियों की भावना को ठेस पहुंचाई है।

रांची में 5 लाख के ब्राउन शुगर के साथ महिला गिरफ्तार, पुलिस को देख भाग रही थी आरोपी

रांची, एजेंसी। रांची पुलिस ने जुमार पुल बस स्टैंड के पास से एक महिला को 89।32 ग्राम ब्राउन शुगर, मोबाइल और 20 हजार रुपए नकद के साथ गिरफ्तार किया है। बरामद ब्राउन शुगर की कीमत करीब 5 लाख रुपए बताई जा रही है। महिला के खिलाफ पहले से भी दो मामले दर्ज हैं।

रांचीः नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ कार्रवाई करते हुए रांची पुलिस ने जुमार पुल बस स्टैंड के पास से एक महिला को गिरफ्तार किया है इस दौरान पुलिस ने महिला के पास से 89.32 ग्राम ब्राउन शुगर, एक मोबाइल फोन और 20 हजार रुपये नकद बरामद किया है। पुलिस के अनुसार, बरामद ब्राउन शुगर की कीमत करीब 5 लाख रुपए है। दरअसल, मामले में पुलिस को 16 अगस्त को गुप्त सूचना मिली थी कि बिहार की ओर से एक महिला भारी मात्रा में ब्राउन शुगर लेकर रांची आ रही है। सूचना मिलते ही वरीय पुलिस अधीक्षक को इसकी जानकारी दी गई। इसके बाद पुलिस उपाधीक्षक सदर के नेतृत्व में छापेमारी टीम बनाई गई।

इसके बाद टीम जुमार पुल बस स्टैंड के पास पहुंचकर महिला का इंतजार करने लगी। दोपहर करीब 3.10 बजे एक महिला ऑटो में अकेली बैठी दिखी। वह महिला पुलिस को अपनी ओर आते देख घबरा गई और ऑटो से उतरकर भागने लगी। इस दौरान टीम में शामिल महिला चौकीदार की मदद से पुलिस ने उसे पकड़ लिया। पूछताछ में महिला ने अपना नाम मुन्नी देवी (उम्र 43 वर्ष), पति- बाबला राम, रांची के सदर थाना क्षेत्र, जतराटांड स्थित कोकर बाजार के देवी मंडप के पास का बताया। मौके पर पुलिस उपाधीक्षक सदर की मौजूदगी में महिला चौकीदार की मदद से मुन्नी देवी की तलाशी ली गई। इस दौरान पुलिस ने उसके काले रंग के पर्स में रखे प्लास्टिक के पाउच से 89.32 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद किया।

नीरज सिन्हा-प्रशांत कुमार पर कार्रवाई क्यों नहीं

जेएसएससी-सीजीएल विवाद में वार्ता से पहले बाबूलाल का सीएम से सवाल

रांची, एजेंसी। जेपीएससी और जेएसएससी परीक्षाओं में कथित गड़बड़ी की सीबीआई जांच और विवादित परीक्षाओं को रद्द करने की मांग को लेकर छात्रों का आंदोलन लगातार 24वें दिन भी जारी है। आज दोपहर 2 बजे सरकार और आंदोलनकारी छात्रों के बीच वार्ता होनी है। इससे ठीक पहले नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से कई गंभीर सवाल पूछे हैं।

बाबूलाल मरांडी ने जेएसएससी-सीजीएल विवाद में प्रभारी चेयरमैन आईएएस प्रशांत कुमार और सचिव सुधीर गुप्ता पर कार्रवाई नहीं होने को लेकर सरकार से सवाल किया है। उन्होंने पूछा कि लगातार सामने आ रहे खुलासों के बावजूद यदि सरकार कोर्ट के आदेश की व्याख्या को लेकर परीक्षा रद्द करने में मजबूरी बता रही है, तो इन अधिकारियों को पद से हटाने, एफआईआर दर्ज कराने और कार्रवाई करने में कैसी मजबूरी है।

नेता प्रतिपक्ष ने जेएसएससी मामले में इस्तीफा देने वाले नीरज सिन्हा के खिलाफ कार्रवाई नहीं होने पर भी सवाल उठाया। उन्होंने इसकी तुलना जेपीएससी मामले में इस्तीफा देने वाले ख्यांगते की गिरफ्तारी से की और पूछा कि एक मामले में कार्रवाई और दूसरे में कथित नरमी क्यों बरती जा रही है। बता दें कि नीरज सिन्हा राज्य के डीजीपी के पद से सेवानिवृत होने के बाद जेएसएससी के अध्यक्ष नियुक्त हुए थे।

बाबूलाल मरांडी ने सवाल उठाया कि क्या ख्यांगते के आईएएस और नीरज सिन्हा के आईपीएस अधिकारी होने की वजह से दोनों मामलों में अलग-अलग रवैया अपनाया जा रहा है। उन्होंने पुलिस की भूमिका पर भी सवाल खड़े करते हुए सरकार से पूरे मामले में जवाब मांगा है। बाबूलाल मरांडी ने मुख्यमंत्री से कहा कि यदि सरकार की नीयत साफ है तो कथित गड़बड़ी से जुड़े लोगों पर तत्काल कार्रवाई की जाए। उन्होंने घूस देकर नौकरी हासिल करने के आरोपों को लेकर वायरल हो रहे 10-12 नामों की जांच कराने, संबंधित लोगों को पद से हटाने और उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की है।

नेता प्रतिपक्ष ने छात्रों की मांग के मुताबिक जेपीएससी और जेएसएससी से जुड़े सभी विवादित मामलों की जांच सीबीआई को सौंपने की मांग भी दोहराई। उन्होंने कहा कि केवल आंदोलन खत्म कराने की कोशिश करने के बजाय सरकार को छात्रों द्वारा उठाए जा रहे सवालों का जवाब देना चाहिए।

जेपीएससी और जेएसएससी परीक्षा विवाद को लेकर सरकार और आंदोलनकारी छात्रों के बीच सोमवार यानि आज दोपहर 2 बजे वार्ता प्रस्तावित है। बाबूलाल मरांडी के सवालों के बाद इस वार्ता को और महत्वपूर्ण माना जा रहा है। अब देखना होगा कि सरकार छात्रों की मांगों पर क्या रुख अपनाती है।

जेपीएससी-जेएसएससी रिफॉर्म मंच की घोषणाः

20 अगस्त को सीएम आवास का घेराव, रविवार को होगा पुतला दहन

रांची, एजेंसी। जेपीएससी और जेएसएससी की नियुक्ति परीक्षाओं में हुई तथाकथित धांधली की सीबीआई से जांच समेत कई मांगों को लेकर पिछले 22 दिन से आंदोलन कर रहे छात्रों ने स्वतंत्रता दिवस की देर शाम अपने आंदोलन को और आक्रामक बनाने की घोषणा की है।

जेपीएससी-जेएसएससी रिफॉर्म मंच ने 20 अगस्त को मुख्यमंत्री आवास के घेराव का आह्वान किया है। मंच ने ऐलान किया है कि जब तक उनकी मांगे पूरी नहीं होगी, तब तक सीएम आवास के सामने से नहीं हटेंगे। मंच ने रविवार 16 अगस्त को अल्बर्ट एक्का चौक पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और राहुल गांधी के पुतला दहन की घोषणा की है। साथ ही सभी जिला मुख्यालय में भी पुतला दहन होगा।

जेपीएससी-जेएसएससी रिफॉर्म मंच की कोर कमेटी सदस्य पीयूष कुमार और रविंद्र पासवान ने रात 9:00 बजे प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि सरकार को जेएसएससी-सीजीएल के अलावा 11वीं से 13वीं जीपीएससी परीक्षा को रद्द करना ही होगा। परीक्षा में हुई अनियमितता की जांच सीबीआई से करानी होगी। मुख्यमंत्री अगर ऐसा नहीं कर पा रहे हैं तो इस्तीफा दे दें।

मंच ने राहुल गांधी पर भी निशाना साधा और कहा कि उन्होंने छात्रों से आंदोलन के दौरान बात जरुर की थी। अब इससे काम नहीं चलेगा। झामुमो और कांग्रेस मिलकर छात्रों के साथ खेल खेल रही है। कांग्रेस को अगर छात्रों की चिंता है तो वह सरकार से समर्थन वापस ले।

मंच की ओर से कहा गया कि उनका आंदोलन शांतिपूर्ण और संवैधानिक तरीके से पिछले 22 दिनों से चल रहा है। अब यह सरकार संयम वाली भाषा समझने को तैयार नहीं है। छात्रों ने कहा कि उन्होंने महात्मा गांधी के अहिंसा को पढ़ा है तो सुभाष चंद्र बोस और भगत सिंह को भी पढ़ा है।

वार्ता पर टिकी छात्रों की आगे की रणनीति

मांगें नहीं मानी गईं तो जारी रहेगा आंदोलन!

रांचीः जेपीएससी-जेएसएससी रिफॉर्म्स मंच और जेपीएससी-जेएसएससी न्याय मंच की ओर से रविवार देर शाम प्रेस वार्ता आयोजित की गई। प्रेस वार्ता में छात्र आंदोलन की आगे की रणनीति को लेकर जानकारी दी गई।

छात्रों ने कहा कि 20 अगस्त को मुख्यमंत्री आवास घेराव का निर्णय पहले ही लिया जा चुका है। वहीं, 16 अगस्त की शाम छात्रों की ओर से मशाल जुलूस भी निकाला गया। अब 17 अगस्त को सरकार के साथ प्रस्तावित वार्ता के बाद आंदोलन की अगली रणनीति तय होगी।

रिफॉर्म्स मंच की ओर से कहा गया कि सरकार ने छात्रों को 17 अगस्त को वार्ता के लिए बुलाया है। छात्र वार्ता में अपनी मांगों को मजबूती से रखेंगे। मंच ने स्पष्ट किया कि यदि सरकार छात्रों की मांगों को मान लेती है तो आंदोलन समाप्त करने की दिशा में कदम उठाया जाएगा। वहीं, यदि वार्ता में मांगों पर सहमति नहीं बनती है तो आंदोलन जिस तरीके से चल रहा है, उसी रणनीति के साथ आगे भी जारी रहेगा।

जेपीएससी-जेएसएससी न्याय मंच की ओर से यह भी कहा गया कि छात्रों की मांगों को लेकर आंदोलन लगातार चल रहा है। सरकार के साथ बातचीत को एक अवसर के तौर पर देखा जा रहा है। हालांकि, आंदोलन समाप्त करने का फैसला

मांगों पर ठोस निर्णय के बाद ही लिया जाएगा।

वहीं, जेपीएससी-जेएसएससी न्याय मंच की ओर से राम अवतार महतो ने कहा कि छात्र नेता देवेंद्र महतो को नजरबंद रखा गया है। उन्होंने कहा कि इस समय मंच की सबसे बड़ी मुहिम देवेंद्र महतो को अस्पताल से धरना स्थल पर वापस लाना है। इसके बाद ही मंच आगे की रणनीति पर विचार करेगा। उन्होंने कहा कि 20 अगस्त को मुख्यमंत्री आवास घेराव में शामिल होना है या नहीं, इस पर भी फैसला लिया जाएगा।

यह फैसला देवेंद्र महतो की स्थिति और 17 अगस्त को होने वाली सरकार के साथ वार्ता के परिणाम पर निर्भर करेगा। उन्होंने कहा कि कल 17 अगस्त को होने वाली वार्ता के बाद ही आंदोलन की आगे की दिशा स्पष्ट होगी। छात्रों की मांगों पर सरकार का रुख क्या रहता है, उसी आधार पर आगे का निर्णय लिया जाएगा।

इधर, प्रशासन की ओर से एसडीएम कुमार रजत ने कहा कि छात्रों को वार्ता के लिए आमंत्रित किया गया है। उन्होंने बताया कि 17 अगस्त को एक चरण की वार्ता होगी। छात्रों की ओर से मुख्यमंत्री के साथ सीधे वार्ता की मांग की गई थी। फिलहाल जिन डेलिगेट्स के साथ बातचीत की प्रक्रिया चल रही है, उन्हीं के साथ वार्ता आयोजित की जाएगी। एसडीएम कुमार रजत ने बताया कि 17 अगस्त को दोपहर 2 बजे राजकीय अतिथि शाला में वार्ता होगी। उन्होंने कहा कि वार्ता के बाद आगे की स्थिति काफी हद तक स्पष्ट हो जाएगी।

भाजपा सांसदों का दावा, एमएमडीआर संशोधन बिल से झारखंड को नहीं होगा कोई नुकसान

पलामू/हजारीबाग, एजेंसी। लोकसभा में खान एवं खनिज (विकास और विनियम) संशोधन विधेयक 2026 को लेकर झारखंड में सियासी बयानबाजी तेज है। झामुमो, कांग्रेस समेत अन्य पार्टियां केंद्र सरकार के इस विधेयक के खिलाफ आंदोलन की चेतावनी दे रही हैं तो वहीं भाजपा सांसदों का कहना है कि इस बिल से राज्य को कोई नुकसान नहीं होने वाला। पलामू सांसद विष्णुदयाल राम और हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल ने विपक्षी सांसदों पर निशाना साधा है।

पलामू सांसद विष्णुदयाल राम ने सोमवार को पलामू में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान उन्होंने सवाल किया कि लोकसभा में खान एवं खनिज (विकास और विनियम) संशोधन विधेयक 2026 पर बहस होनी चाहिए थी, लेकिन क्यों नही हुई, यह भी एक बहुत बड़ा मुद्दा है। लोकसभा में जब बिल पेश हो रहा था तो विपक्ष के सांसद चुप थे। खासकर के झारखंड के सांसदों को बोलना चाहिए था।

उन्होंने कहा कि इसे केंद्र और राज्य के बीच विवाद के रूप में सिर्फ नहीं देखा जाना चाहिए बल्कि देशहित सर्वोपरि होनी चाहिए। सांसद ने कहा कि खनिज का सिर्फ मालिक नहीं होना चाहिए बल्कि इसका लाभार्थी होना चाहिए। झारखंड में पिछले 11 वर्षों में 11 खनिज ब्लॉक की नीलामी हुई है, लेकिन एक भी ब्लॉक शुरू नहीं हुआ है। ओडिशा में 79 ब्लॉक नीलाम हुए हैं जिसमें से 35 शुरू हो गया है। ओडिशा में 2020-21 से 2025-26 तक में 87 हजार करोड़ राजस्व प्राप्त हुआ है। सांसद विष्णुदयाल ने कहा कि 2014-15 से 2025 26 के बीच राज्यों के खनिज राजस्व में 354 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

उन्होंने एमएमडीआर विधेयक से झारखंड सरकार को लाभ लेने के लिए कई बिंदुओं पर सलाह दी। सांसद ने कहा कि नीलाम किए गए खनिज ब्लॉकों का समयबद्ध परिचालन किया जाए, नई खनिज ब्लॉकों को पारदर्शी और तेजी से नीलाम किया जाए। उन्होंने खनिज आधारित उद्योगों में निवेश आकर्षित करने, डीएमएफ फंड की लगभग 19 हजार करोड़ राशि का खनन प्रभावित क्षेत्रों में प्रभावी उपयोग करने की सलाह दी।

सांसद ने कहा कि खनिज संपदा का मूल्य पूरे देश मे एक समान रहे और आयात पर निर्भरता कम रहे, यही इस विधेयक का उद्देश्य है। झारखंड पूरे देश मे सबसे अधिक सेस लगाने वाला राज्य रहा है। यहां अवैध खनन भी एक बड़ा मुद्दा रहा है।

हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल ने खान एवं खनिज (विकास और विनियमन) संशोधन विधेयक, 2026 को लेकर कहा कि इस विधेयक से राज्य को कोई नुकसान नहीं होने वाला है। राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन आंदोलन की धमकी देकर रांची में चल रहे छात्रों के आंदोलन को कमजोर करना चाहते हैं। छात्रों के आंदोलन से डरी हुई राज्य की वर्तमान सरकार मुद्दे को दूसरी तरफ मोड़ना चाहती है।

उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि पूरे भारत में जीएसटी की एक कर लागू है। वैसे ही अब मिनरल्स रॉयल्टी पर राज्य सरकार कर नहीं लगा पाएगी, यह कर केंद्र की तरफ से तय किया जाएगा। जो सभी राज्यों में मान्य होगा एवं उसी के हिसाब से रॉयल्टी राज्य को दी जाएगी। भारत एक संघ प्रधान देश है और इस प्रकार की बयानबाजी राज्य के मुख्यमंत्री को शोभा नहीं देती है।

उन्होंने कहा कि जिस प्रकार से वर्तमान सरकार के द्वारा अफवाह फैलाया जा रहा है कि मंईयां सम्मान योजना के साथ-साथ कई विकास योजनाओं पर इसका प्रभाव पड़ेगा तो ऐसा कुछ नहीं होने वाला है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन छात्र आंदोलन से डरकर मुद्दे को बदलने के लिए इस प्रकार की बयानबाजी कर रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

3 दिन से लापता युवक का 'कंकाल' बरामद, तेजाब से शव गलाने की आशंका

नालंदा , एजेंसी। बिहार के नालंदा में 3 दिनों से लापता युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई। दरअसल, रविवार की शाम बापू हाईस्कूल के पीछे मुहाने नदी किनारे वाली झाड़ी से खेतों के पास एक कंकाल बरामद हुआ। कंकाल पूरी तरह से सड़ चुका था। युवक की मौत से गुस्साए परिजनों ने सड़क जाम कर प्रदर्शन किया।

परिजनों ने की शव की पहचान : परिजनों ने युवक की बेरहमी से हत्या का आरोप लगाया है। युवक की दोनों आंखें, एक हाथ और सिर कुचला हुआ है। ऐसा लगता है कि युवक की हत्या कर तेजाब से गला दिया, फिर घर से कुछ दूर खेत से शव मिला है। मौत से पहले दोस्त के साथ निकला था युवक : घटना के संबंध में मृतक के भाई राज किशोर चौधरी ने बताया कि युवक की पहचान चंडीडीह निवासी रोहित कुमार के तौर पर किया गया है। 13 अगस्त की दोपहर 2 बजे घर से निकला था। परिजनों के अनुसार वह लोहा-टीना चुनकर बेचने का काम करता था। शव बरामद होने पर भाई ने हत्या की आशंका जताई है। हत्या का शक मृतक के दोस्त कल्लू पासवान और नीलेश कुमार पर जताया है। वह 5-6 महीने से सूखा नशे का आदी हो गया था। साथ ही पुलिस पर लापरवाही का आरोप भी लगाया है। वहीं, घटना के संबंध में चंडी थानाध्यक्ष अखिलेश कुमार झा ने बताया कि शव घर से 200 मीटर दूर खेत से मिला। प्रथम दृष्टया नशे के ओवरडोज से मौत लग रही है। हाथ की हथेली जंगली जानवर ने नोची हो सकती है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही मौत का कारण स्पष्ट होगा।

21 साल पुराने मामले में सजा काट रहे 75 वर्षीय कैदी की मौत

औरंगाबाद, एजेंसी। 21 साल पुराने आर्म्स एक्ट मामले में सजायाफ्ता कैदी की मौत हो गई है। औरंगाबाद मंडल कारा में बंद सजायाफ्ता कैदी 75 वर्षीय दाउदनगर निवासी सीताराम पासवान की पटना में इलाज के दौरान मौत हो गई है। जेल प्रशासन ने जानकारी दी है कि कैदी हृदय रोग से पीड़ित था और बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर किया गया था। मृतक जिले के दाउदनगर शहर स्थित पुरानी शहर वार्ड नंबर 9 का निवासी था। वर्ष 2005 के आर्म्स एक्ट से जुड़े एक मामले में वह जेल में बंद थे और न्यायालय से उन्हें सजा सुनाई जा चुकी थी। 26 जुलाई को अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई थी। हालांकि इस संबंध में परिजनों का कोई बयान अभी तक नहीं आया है। इसके बाद जेल प्रशासन ने उनको औरंगाबाद सदर अस्पताल में कराया, स्थिति में सुधार नहीं होने पर चिकित्सकों ने बेहतर इलाज के लिए मगध मेडिकल कॉलेज गया रेफर कर दिया। गया में इलाज के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें पटना रेफर किया गया था। तब से ही पटना के एक अस्पताल में उनका इलाज चल रहा था। इसी दौरान 16 अगस्त की रात्रि में इलाज के दौरान ही सीताराम पासवान की मौत हो गई। इस संबंध में मंडल कारा के जेल अधीक्षक डॉ। दीपक कुमार ने बताया कि कैदी सीताराम पासवान की तबीयत 26 जुलाई से ही खराब थी। उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए पटना भेजा गया था, जहां एक अस्पताल में उनका इलाज चल रहा था।

नदी में नहाने गये 7 बच्चे डूबे तीन की दर्दनाक मौत

कटिहार, एजेंसी। बिहार के कटिहार जिले के फलका थाना क्षेत्र में सावन की तीसरी सोमवारी का दिन अचानक मातम में बदल गया। कमला नदी में नहाने के दौरान सात बच्चे गहरे पानी में चले गए। स्थानीय लोगों की तत्परता से चार बच्चों को सुरक्षित निकाला गया, लेकिन तीन बच्चों की डूबने से मौत हो गई। घटना के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। सावन की तीसरी सोमवारी को सातों बच्चे नदी से जल भरने के लिए पहुंचे थे। पानी का स्तर बढ़ा हुआ था। नहाने के दौरान पैर फिसलने से सभी बच्चे अचानक गहरे पानी में चले गए। ग्रामीणों ने तुरंत प्रयास कर चार बच्चों को बाहर निकाल लिया, लेकिन तीन बच्चों को बचाया नहीं जा सका। तीनों बच्चों को तुरंत कोढ़ा अस्पताल ले जाया गया। वहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। कोढ़ा अस्पताल की चिकित्सक डॉ। पूजा कुमारी ने बताया कि अस्पताल लाए गए तीनों बच्चों की पहले ही मौत हो चुकी थी। मृतकों की पहचान सत्यम कुमार, अमन कुमार और दिव्यांशु कुमार के रूप में हुई है। तीनों बच्चे 15 वर्ष से कम उम्र के थे। स्थानीय लोगों के अनुसार एक बच्चा करीब 30 मिनट तक पानी में डूबा रहा। काफी प्रयास के बाद बच्चों को नदी से बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक उनकी हालत बेहद गंभीर हो चुकी थी। परिवार के सदस्यों में गहरा सदमा छाया हुआ है। मृतक बच्चे के चाचा राजीव कुमार साह ने बताया कि सावन की सोमवारी को सातों बच्चे नदी से जल भरने गए थे। नहाते समय सभी गहरे पानी में चले गए। ग्रामीणों ने चार बच्चों को सुरक्षित निकाल लिया, जबकि तीन की मौत हो गई। उन्होंने कहा कि मृतकों में उनका भतीजा भी शामिल है।

जांच के बाद जिम्मेदार लोगों पर होगी कार्रवाई

पटना, एजेंसी। बिहार के लखीसराय अशोक धाम में भगदड़ में 7 महिलाओं की मौत हो गयी। इस घटना के बाद सरकार ने जांच के आदेश दिए हैं। बिहार कृषि मंत्री विजय सिन्हा ने घटना पर दुख जताते हुए कहा कि, इसकी जांच के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं। सीएम सम्राट चौधरी को भी इसकी जानकारी दी गयी है। लखीसराय भगदड़ पर बिहार के मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा, 'यह बहुत दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण है। मैं भी वहां जा रहा हूं। यह घटना मंदिर परिसर के बाहर एक खंभे और बिजली के तारों के गिरने के बाद हुई। लोगों ने अफवाह फैला दी कि बिजली का करंट दौड़ रहा है, जिससे भगदड़ मच गई। ''हमने जिला मजिस्ट्रेट और मंदिर प्रशासन से बात की है। हम हालात का जायजा लेने वहां जा रहे हैं।

बिहार में 30000 भूमिहीन परिवारों को मिली जमीन

पटना में सबसे अधिक लाभुक

पटना, एजेंसी। बिहार में स्वतंत्रता दिवस के मौके पर भूमिहीन परिवारों के लिए बड़ी पहल हुई। अभियान बसेरा-02 के तहत राज्य के 30 हजार सुयोग्य भूमिहीन परिवारों को आवास के लिए जमीन का बंदोबस्ती प्रमाण-पत्र दिया गया। राज्य के सभी जिलों में जमीन के कागजात वितरित किए गए।

30 हजार परिवारों को जमीन के कागज: राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग की ओर से जारी जिलेवार आंकड़ों के मुताबिक अभियान बसेरा-02 के तहत बिहार के सभी 38 जिलों में कुल 30 हजार भूमिहीन परिवारों का चयन किया गया था। इस तरह स्वतंत्रता दिवस पर 30 हजार परिवारों को सिर्फ जमीन का कागज नहीं मिला, बल्कि अपने घर के लिए जमीन का अधिकार भी मिला है।

सभी 38 जिलों में बांटे गए कागजात: सभी परिवारों को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर विशेष शिविर लगाकर बंदोबस्ती प्रमाण-पत्र उपलब्ध कराया गया। आंकड़ों में सबसे अधिक लाभुक पटना जिले के हैं, जबकि सबसे कम लाभुक शेखपुरा जिले में हैं। विभाग की ओर से पहले ही सभी लाभुकों के डिजिटल हस्ताक्षरित बंदोबस्ती प्रमाण-पत्र को अपलोड और सत्यापित करने की प्रक्रिया पूरी की गई थी, ताकि वितरण के दौरान किसी तरह की परेशानी नहीं हो।

पटना में सबसे ज्यादा 1709 परिवारों को जमीन: जिलेवार आंकड़ों में राजधानी पटना सबसे ऊपर है। पटना जिले में कुल 1709 भूमिहीन परिवारों को बंदोबस्ती प्रमाण-पत्र दिया गया। इसके बाद पूर्वी चंपारण में 1493, मुजफ्फरपुर में 1405, मधुबनी में 1314 और गया में 1285 परिवारों को जमीन का अधिकार मिला। यानी इन जिलों में एक हजार से अधिक भूमिहीन परिवारों को अभियान

के तहत लाभ मिला। समस्तीपुर में 1247, सारण में 1157 और दरभंगा में 1153 परिवारों को बंदोबस्ती प्रमाण-पत्र दिया गया।

इन जिलों में भी बड़ी संख्या में लाभुक: सीतामढ़ी में 1002 भूमिहीन परिवारों को जमीन का कागज दिया गया। वहीं सिवान में 975, कटिहार में 899, पश्चिम चंपारण में 891, भागलपुर में 889, बेगूसराय में 870, रोहतास में 866, नालंदा में 842 और अररिया में 823 परिवारों को लाभ मिला। भोजपुर में 799, गोपालगंज में 750, पूर्णिया में 745 और औरंगाबाद में 744 परिवारों को बंदोबस्ती प्रमाण-पत्र दिया गया। इन आंकड़ों से स्पष्ट है कि अभियान का लाभ राज्य के अलग-अलग हिस्सों में भूमिहीन परिवारों तक पहुंचाया गया है।

एक नजर में जिलेवार आंकड़ा: अभियान बसेरा-02 के तहत अररिया में 823, अरवल में 205, औरंगाबाद में 744, बांका में 596, बेगूसराय में 870, भागलपुर में 889, भोजपुर में 799 और बक्सर में 499 परिवारों को जमीन का कागज मिला। दरभंगा में 1153, पूर्वी चंपारण में 1493, गया में 1285, गोपालगंज में 750, जमुई में 515, जहानाबाद में 329, कैमूर में 476 और कटिहार में 899 लाभुक परिवार रहे। वहीं खगड़िया में 488, किशनगंज में 495, लखीसराय में 293, मधेपुरा में 586, मधुबनी में 1314, मुंगेर में 400, मुजफ्फरपुर में 1405 और नालंदा में 842 परिवारों को लाभ मिला।

नवादा में 650, पटना में 1709, पूर्णिया में 745, रोहतास में 866, सहरसा में 556, समस्तीपुर में 1247, सारण में 1157, शेखपुरा में 186, शिवहर में 192, सीतामढ़ी में 1002, सिवान में 975, सुपौल में 653, वैशाली में 1023 और पश्चिम चंपारण में 891 भूमिहीन परिवारों को बंदोबस्ती प्रमाण-पत्र दिया गया। सभी 38 जिलों का आंकड़ा जोड़ने पर कुल संख्या 30 हजार होती है।

मुजफ्फरपुर में राजस्व मंत्री ने बांटे कागजात: मुजफ्फरपुर में आयोजित कार्यक्रम में राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री डॉ। दिलीप कुमार जायसवाल की मौजूदगी में भूमिहीन परिवारों को जमीन का बंदोबस्ती प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया। जिले में कुल 1405 परिवार अभियान बसेरा-02 के तहत लाभान्वित हुए हैं। मंत्री ने इस अभियान को सरकार के उस संकल्प से जोड़ते हुए कहा कि कोई भी सुयोग्य भूमिहीन परिवार आवास के लिए आवश्यक भूमि से वंचित न रहे।

गया में विजय कुमार सिन्हा ने दिया जमीन का अधिकार: गया में भी अभियान बसेरा-02 के तहत भूमिहीन परिवारों को बंदोबस्ती प्रमाण-पत्र वितरित किया गया। यहां पूर्व राजस्व मंत्री और वर्तमान कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने लाभुक परिवारों को जमीन के कागजात सौंपे। गया जिले में कुल 1285 परिवारों को इस अभियान के तहत लाभ मिला है।

जमीन के साथ सम्मानजनक जीवन की आधारशिला: राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री डॉ। दिलीप कुमार जायसवाल ने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य है कि कोई भी सुयोग्य भूमिहीन परिवार आवास के लिए आवश्यक भूमि से वंचित न रहे। अभियान बसेरा-02 इसी संकल्प को जमीन पर उतारने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है।

'मेरी तीन भाभी मर गयी।।' कावित्री देवी ने बताया अशोक धाम भगदड़ का खौफनाक सच

लखीसराय, एजेंसी। बिहार के लखीसराय अशोक धाम में भगदड़ में एक ही परिवार की तीन महिलाओं की मौत हो गयी। जिसमें हेमलता देवी पति सुरेंद्र यादव, सविता देवी पति अरविंद यादव, ललीता देवी पति गोरे लाल यादव शामिल है। घटना के बाद सदर अस्पताल में रोती-बिलखती कावित्री देवी ने बताया कि वे सभी लोग सावन की तीसरी सोमवारी पर अशोक धाम में जलाभिषेक करने के लिए गयी थी। नहीं पता था कि इस तरह की घटना हो जाएगी।

इधर-उधर भागते रहे लोग: सभी लोग लाइन में लगे थे। इसी दौरान भगदड़ मच गयी। लोग इधर-उधर भागने लगे। कुछ समझ नहीं आ रहा था कि क्या करें। लोग एक-दूसरे पर गिरते पड़ते कुचलते हुए आगे भागते रहे। इसी में मेरी तीन भाभियां दब गयीं। उनकी मौत हो गयी।

'मेरी तीन भाभी की मौत हो गयी। सभी लोग सावन की तीसरी सोमवारी पर जलाभिषेक के लिए अशोक धाम गयी थी। कुछ लोग बिजली के पोल में करंट का अफवाह उड़ा दिए, इस कारण भगदड़ मच गयी।' -कावित्री देवी, मृतक की परिजन

डीएम ने बताया कि 6 से 6:30 बजे अचानक भीड़ बढ़ गयी थी। इसी दौरान बिजली करंट की अफवाह फैली। इसकी जानकारी मुझ तक आयी। मैंने तुरंत बिजली के एगज्यूकिटव इंजीनियर को फोन किया। उन्होंने बताया कि जहां अफवाह फैली है, वहां तो केवल तार है। खुली तार नहीं है।

घटनास्थल पर पहुंचे अधिकारी: यह अफवाह अशोक धाम हॉल्ट के पास फैली। इजीनियर से जानकारी मिलते ही हमलोग घटनास्थल पहुंचे। जहां हमलोग तैनात थे, वहां से मात्र 200 मीटर की दूरी थी। देखा कि वहां सच में केवल तार है। पास में ही वास्तु विहार का अपार्टमेंट है, उन्हें भी पता है कि वहां पर खुली तार नहीं है, बल्कि केवल तार है तो करंट की घटना नहीं हो सकती है।

हादसे में 7 की मौत: डीएम के अनुसार चुंकि करंट की अफवाह फैल गयी तो लोग बिना कुछ सोचे-समझे बिजली की भांति इधर-उधर भागने लगे। भागने के दौरान लोग एक-दूसरे पर गिर पड़े। दबने से कुल 7 लोगों की मौत हो गयी।

मृतकों की पहचान मनमाला देवी (44), पति निरंजन कुमार, बड़हिया वार्ड 12, लखीसराय, रिंकू देवी (50), पति नीरज यादव, बऊटोला फरदा, मुंगेर, हेमलता देवी (55), पति सुरेंद्र यादव, प्रतापपुर, हलसी, लखीसराय, ललिता देवी (50), पति गोरेलाल यादव, प्रतापपुर, हलसी, लखीसराय, सविता कुमारी (35), पति रणवीर यादव, प्रतापपुर, हलसी, लखीसराय, सरोज देवी (65), पति जनार्दन सिंह, कांवा भदौर, पटना, सावित्री देवी (49), पति मोहन यादव, चननिया, लखीसराय के रूप में हुई है।

अस्पताल में घायलों की सूची: करीब 25 लोग घायल हैं, जिनका इलाज सदर अस्पताल में चल रहा है। इनमें मौसम कुमारी पिता ललन राम लक्ष्मीपुर, मुस्कान कुमारी ललन राम विद्यापीठ चौक, ममता देवी पति धारो यादव चननिया लखीसराय, विमला देवी पति विनोद राम मोकामा, रीना कुमारी पति राजेश सिंह बभंगामा लखीसराय, शिवानी कुमारी पिता रामेश्वर राम फरीदाबाद लखीसराय, कबीला देवी बाढ़ के रहने वाली है।

बाबा गरीबनाथ धाम में 6.5 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने किया जलाभिषेक, नाग पंचमी पर जबरदस्त उत्साह

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। उत्तर बिहार के देवघर कहे जाने वाले बाबा गरीबनाथ धाम में तीसरी सोमवारी और नाग पंचमी के संयोग पर आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा है। बाबा के जलाभिषेक के लिए बड़ी संख्या में कांवरिया और स्थानीय श्रद्धालु मंदिर पहुंच रहे हैं। मंदिर परिसर के साथ-साथ शहर के प्रमुख मार्गों पर भी भक्तों की भारी भीड़ देखने को मिल रही है।

तीसरी सोमवारी और नाग पंचमी का विशेष संयोग: मंदिर प्रशासन के अनुसार, अब तक 6।5 लाख से अधिक श्रद्धालु बाबा गरीबनाथ का जलाभिषेक कर चुके हैं। तीसरी सोमवारी के साथ नाग पंचमी का विशेष संयोग होने के कारण इस बार श्रद्धालुओं में खासा उत्साह है। मंदिर प्रशासन का दावा है कि पिछले वर्ष की तुलना में इस बार भक्तों की संख्या में काफी वृद्धि हुई है।

3200 से अधिक सेवादल सदस्य तैनात: श्रद्धालुओं की सुरक्षा और भीड़ नियंत्रण को लेकर जिला प्रशासन ने व्यापक इंतजाम किए हैं। मंदिर और आसपास के इलाकों में बड़ी संख्या में पुलिस बल और मजिस्ट्रेट की तैनाती की गई है। जगह-जगह सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की जा रही है। वहीं, 3200 से अधिक सेवादल के सदस्य श्रद्धालुओं और कांवरियों की सेवा में जुटे हैं।

रात आठ बजे तक जलाभिषेक की व्यवस्था: मंदिर प्रबंधन की ओर से बताया जा रहा है कि सोमवार रात आठ बजे तक स्थानीय श्रद्धालुओं और कांवरियों के जलाभिषेक की व्यवस्था की गई है। इसके बाद देर रात बाबा गरीबनाथ का विशेष श्रृंगार किया जाएगा। मंदिर प्रशासन की ओर से इसकी तैयारी की जा रही है।

पुजारी बोले- पिछले साल का रिकॉर्ड टूटा: बाबा गरीबनाथ मंदिर के पुजारी अभिषेक पाठक ने बताया कि तीसरी सोमवारी पर इस बार रिकॉर्ड संख्या में श्रद्धालु बाबा के दरबार में पहुंचे हैं। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष की तुलना में इस बार भक्तों की संख्या काफी अधिक है। सोमवारी के साथ नाग पंचमी का संयोग कई वर्षों बाद बना है, जिससे श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह है, स्थानीय भक्त भी लगातार बाबा का जलाभिषेक कर रहे हैं।

तीसरी सोमवारी पर गंगा स्नान के दौरान हादसा, 7 बच्चे डूबे, 2 शव बरामद

पटना, एजेंसी। सावन की तीसरी सोमवारी पर पटना में दर्दनाक हादसा हुआ है। जिले के बख्तियारपुर थाना क्षेत्र के रानीसराय गंगा घाट पर नदी में नहाने के दौरान 7 बच्चे डूब गए। हालांकि स्थानीय गोताखोरों की मदद से तीन बच्चों को सकुशल नदी से बाहर निकाल लिया गया है। वहीं, दो बच्चियों के शव बरामद कर लिए गए हैं, जबकि दो बच्चे अभी भी लापता हैं।

7 में 4 बच्चे गंगा में डूबे: सभी बच्चे एक ही परिवार के बताए जा रहे हैं। इनमें 4 लड़की और 3 लड़का शामिल है। लड़कियों की पहचान राधिका कुमारी, आरती कुमारी, नंदनी कुमारी और बबली कुमारी के रूप में हुई हैं। इनमें नंदनी (15) और राधिका (17 वर्ष) के शव निकाल लिए गए हैं, जबकि बबली (12) और आरती (21) की तलाश जारी है।

गंगा स्नान के दौरान डूबे सभी: चश्मदीद रॉकी कुमार ने बताया कि सावन की तीसरी सोमवारी पर गंगा स्नान के लिए भारी संख्या में लोग आए हुए थे। सुबह से ही घाट पर काफी भीड़ उमड़ रही थी। उसी दौरान ये बच्चे नहाने के दौरान डूबने लगे। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रशासन के लोगों को तुरंत जानकारी दी गई लेकिन दो-ढाई घंटे बाद प्रशासनिक टीम मौके पर पहंची।

'स्थानीय गोताखोरो की मदद से तीन को बचाया गया है, जबकि चार डूब गए। चार में से दो बच्चियों का शव बरामद कर लिया गया है। बाकी लापता बच्चों की तलाश के लिए एसडीआरएफ और स्थानीय गोताखोर जुटे हुए हैं। '- रॉकी कुमार, स्थानीय

मौके पर पहुंची प्रशासनिक टीम: वहीं, घटना की सूचना मिलने के बाद बख्तियारपुर थानाध्यक्ष देवानंद शर्मा पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और राहत एवं बचाव कार्य शुरू कराया।

करकट-तिरपाल से बने घर की छत पर जमा पानी बना जानलेवा, मलबे में दबकर मां-बेटे की मौत

सीवान, एजेंसी। बिहार के सीवान जिले के जामो थाना क्षेत्र के बरहमपुर बहादुरपुर गांव में सोमवार को तेज बारिश के दौरान करकट से बना अस्थायी घर और उसकी दीवार अचानक भरभराकर गिर गई। मलबे में दबने से मां-बेटे की मौत हो गई, जबकि हादसे में दो अन्य बच्चे भी घायल हुए हैं।

मां-बेटे की मौत से पसरा गांव में मातम : मृतकों की पहचान गांव निवासी शबाना खातून और उनके पुत्र सोहेल अख्तर के रूप में हुई है। शबाना के पति का नाम खुर्शीद आलम बताया गया है। घटना के बाद गांव में मातम पसरा हुआ है। बताया जाता है कि शबाना अपने तीन बच्चों के साथ खेत में बनाए गए अस्थायी घर में रह रही थीं।

करकट तिरपाल का घर ढहा : परिवार ने करीब तीन साल पहले जमीन खरीदी थी और वहां पक्का मकान बनाने की तैयारी चल रही थी। तब तक बांस के सहारे करकट और प्लास्टिक तिरपाल से अस्थायी घर बनाया गया था। उसी घर में शबाना अपने बच्चों के साथ रह रहीं थीं।

तिरपाल पर भर गया था पानी : ग्रामीणों के अनुसार, लगातार हो रही बारिश के कारण तिरपाल पर पानी जमा हो गया था। वहीं, घर को सहारा देने वाला बांस नीचे से सड़ चुका था। करीब पांच इंच मोटी दीवार पर करकट रखा गया था और बीच में बांस का खंभा लगाया गया था। बारिश के बीच अचानक पूरा ढांचा ढह गया और अंदर मौजूद लोग मलबे में दब गए।

दो घंटे बाद सबी को मलबे से निकाला गया : मृतका के भाई सदाम आलम ने बताया कि घटना के बाद उनके जीजा खुर्शीद आलम ने फोन कर घर में संपर्क नहीं होने की जानकारी दी। इसके बाद वह मौके पर पहुंचे, जहां उनकी बहन और बच्चे मलबे में दबे मिले। परिजनों और स्थानीय लोगों की मदद से करीब दो घंटे बाद सभी को मलबे से बाहर निकाला गया।

जहां कभी नक्सली फहराते थे अपना झंडा, वहां

25 साल बाद आन-बान और शान से लहराया तिरंगा

जमुई, एजेंसी। जिले के गुरमाहा गांव में 25 वर्षों बाद 80वें स्वतंत्रता दिवस पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया। जिला प्रशासन के पदाधिकारियों और स्थानीय ग्रामीणों ने मिलकर राष्ट्रगान गाया। कभी इस सुदूर जंगली इलाके में नक्सली शीर्ष कमांडरों की याद में 'पिंड' बनाकर अपना झंडा फहराते थे। अब यहां हर तरफ शान से तिरंगा लहरा रहा है। दहशत का वह पुराना दौर अब पूरी तरह से समाप्त हो चुका है।

नक्सली आतंक का खौफ खत्म : स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार पहले नक्सली आतंक के कारण लोग राष्ट्रीय ध्वज नहीं फहरा पाते थे। अपने घरों पर तिरंगा लगाने पर माओवादी उन्हें पुलिस का आदमी बताकर मार देते थे। वे बीहड़ में जंगल की समानांतर सरकार चलाते थे। ग्रामीणों को जबरन पीटकर मृत नक्सलियों के पिंड पर माला चढ़ाने के लिए ले जाया जाता था। लोग हमेशा भारी डर के साये में जीते थे।

75 साल में पहली बार देखा झंडारोहण': गुरमाहा गांव के ग्रामीण जानकी कोड़ा बताते हैं कि इस गांव में तीन टोला है और

45 परिवार हैं। खेती मजदूरी करते हैं। मेरी उम्र 75 साल है और मैंने आज तक गांव में तिरंगा फहरते नहीं देखा था। 'गांव में सड़क, बिजली, सरकारी स्कूल कुछ नहीं है। पहली बार यहां तिरंगा फहरते देखा है और काम भी शुरू हुआ है। थोड़ा और काम हो जाएगा तो सुविधा होगी। पहले प्रशासन के लोग भी नहीं आते थे। देखभाल के लिए कोई नहीं आता था। पहले राशन भी नहीं मिलता था। इस बार राशन मिला है। पहली बार गांव में भी विधानसभा चुनाव में वोट दिए थे।

सुरक्षाबलों का मोर्चा और अभियान : गुरमाहा में नक्सलियों ने करीब 12-15 वर्षों तक अपना क्रूर जंगल राज कायम रखा था। खौफ से परेशान होकर गांव के अधिकांश युवा बाहर पलायन कर गए थे। अत्यधिक दुर्गम और नेटवर्क विहीन इलाका होने से पुलिस भी आने से कतराती थी। फिर सुरक्षाबलों ने मोर्चा संभालकर वहां स्थाई कैंप बनाए। लगातार चले एंटी नक्सल ऑपरेशन के कारण यह क्षेत्र आखिरकार नक्सल मुक्त हो गया।

विकासात्मक बदलाव और मतदान : नक्सल समस्या से मुक्त होने के बाद गांव में विकास की नई किरणें पहुंचीं। वर्ष 2025 के विधानसभा चुनाव में गुरमाहा, चोरमारा, मुसहरीटांड, जमुनियाटांड और कुमरतरी के लोगों ने मतदान किया। अपने ही गांव में बने केंद्रों पर रिकॉर्ड वोट पड़े। पहले नक्सलियों ने स्कूल को बारूद से उड़ा दिया था, जिससे मतदान केंद्र 40 किलोमीटर दूर प्रखंड मुख्यालय बनाना पड़ता था।

लोगों में खुशी की लहर : ग्रामीण महिला प्रमिला देवी, सबिता देवी, सुशीला देवी और आरती कुमारी कहती हैं कि आज से पहले गांव में तिरंगा नहीं फहराया गया था। इस बार तिरंगा लहराया है, जिसकी खुशी महिलाओं के चेहरों पर साफ देखी गई।

प्रशासनिक पहल और बुनियादी सुविधाएं : वर्ष 2025 में चोरमारा में पहली बार मतदान केंद्र बना था। इस वर्ष 2026 में प्रशासन की पहल से जन वितरण प्रणाली का राशन, नल-जल योजना और बिजली पहुंची। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर उसी स्थान पर योग शिविर लगा, जहां नक्सली स्मारक था।

रणनीतिक भौगोलिक स्थिति : भौगोलिक स्थिति देखें तो जमुई, लखीसराय और मुंगेर का सीमावर्ती भीमबांध क्षेत्र घने जंगलों और पहाड़ों से घिरा है। नक्सलियों ने इसे सुरक्षित जोन समझकर अपना मुख्य डेरा डाला था। पुलिस कार्रवाई के दौरान वे आसानी से जंगल के रास्ते जिला बदल लेते थे। इस पर काबू पाने के लिए सुरक्षाबलों को 3 जिलों की संयुक्त पुलिस के साथ मिलकर अभियान चलाना पड़ता था।

दोतरफा मार और जबरन भर्ती : शुरुआत में नक्सली ग्रामीणों को पुलिस का मुखबिर मानकर प्रताड़ित करते थे, जबकि सुरक्षाबल उन्हें संदेह की नजर से देखते थे। पूर्व पंचायत समिति सदस्य नरेश कोड़ा ने बताया कि वर्ष 2000 में माओवादियों ने प्रवेश किया था। उन्होंने हर घर से दो युवकों को जबरन संगठन में भर्ती करने का क्रूर फरमान सुनाया। आनाकानी करने वाले परिवारों के लोगों को मार दिया जाता था।

संक्षिप्त समाचार

चाइनीज मांझे से कटी कारोबारी की गर्दन, लगे आठ टांके

गोरखपुर। हार्बर्ट बंधे पर शनिवार सुबह बाइक से घर लौट रहे कारोबारी मनोज कुमार बरनवाल की गर्दन चीन के मांझे की चपेट में आने से कट गई। घायल अवस्था में वह खुद बाइक चलाकर जिला अस्पताल पहुंचे जहां डॉक्टर ने आठ टांके लगाए। उपचार के बाद उनकी हालत स्थिर बताई गई। परिजन उन्हें लेकर घर चले गए।

दूसरी घटना गोरखनाथ थाने के सामने की है। स्कूटी से जा रहे राजेश मणि भी चीन के मांझे की चपेट में आने के बाद भी बाल-बाल बच गए। राहगीरों ने शोर मचाया तो वह रुक गए। बाद में दो युवतियों ने उनके गले में लिपटे मांझे को हटाया।

जानकारी के मुताबिक बसंतपुर निवासी सैनिटरी व पाइप फिटिंग के थोक कारोबारी मनोज कुमार बरवाल बाइक से घर लौट रहे थे। इसी बीच चीन के मांझे की चपेट में आ गए। मांझे से उनकी गर्दन कट गई। लहूलुहान मनोज ने रुमाल लगाकर गले को बांधा और खुद बाइक चलाते जिला अस्पताल पहुंच गए। सूचना पर डॉक्टरों ने मनोज के बड़े भाई को बुलाया। इसके बाद उपचार के दौरान गर्दन में आठ टांके लगाए। मनोज के पड़ोसी अतुल कश्यप ने बताया कि शाम को उन्हें देखने घर गया था। हालत में काफी सुधार है। अभी डॉक्टर ने बोलने से मना किया है।

राजेश की गर्दन में फंस गया था मांझा–शनिवार शाम करीब छह से साढ़े छह बजे के बीच गोरखनाथ थाने के सामने स्कूटी से गुजर रहे समाजसेवी राजेश मणि भी चीन के मांझे की चपेट में आने से बाल-बाल बच गए। मांझा उनकी गर्दन में फंस गया। पीछे से आ रहे राहगीर ने शोर मचाकर लोगों को सचेत किया। इसके बाद दो युवतियों ने आगे बढ़कर मांझा हटाया। राजेश मणि ने घटना के बाद पुलिस के अभियान की सराहना की। उन्होंने कहा कि समय रहते मांझा हटाए जाने से बड़ा हादसा टल गया। प्रतिबंधित चीन का मांझा बेचने वालों पर कार्रवाई की जाएगी। जांच अभियान शुरू कराया गया है। रविवार को पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार कर पांच बंडल मांझा और दो चरखी बरामद की है। अभियान के दौरान दुकानदारों को स्पष्ट चेतावनी दी गई कि प्रतिबंधित मांझे की बिक्री किसी भी हालत में न करें। साथ ही आम लोगों से भी इसके इस्तेमाल से बचने की अपील की है।

सीबीएसई ईस्ट जोन की चैंपियन बनीं काशी की बेटियां

वाराणसी। सीबीएसई ईस्ट जोन गर्ल्स चेस चैंपियनशिप में सनबीम स्कूल लहरतारा, वाराणसी की छात्राओं ने ओवरऑल चैंपियन का खिताब अपने नाम किया। सनबीम लहरतारा की बेटियां तीनों आयु वर्ग अंडर-11, 17 और अंडर-19 वर्ग में खिताब हासिल करने में कामयाब रहीं। विजेता टीमों की खिलाड़ी राष्ट्रीय प्रतियोगिता में खेलेंगे। प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने कुल 12 बोर्ड प्राइज हासिल किए, इसमें 9 स्वर्ण और 3 रजत पदक शामिल हैं। यह जानकारी सनबीम शिक्षण समूह की निदेशिका अमृता बर्मन ने दी।

इन्होंने जीते पुरस्कार–अंडर-11 में राम्या, सयाली अग्रवाल, परीक्षित्ता दुबे, आरिका पिपलानी, अविका कनोडिया अंडर-17 में पुन्या टोड़ी, सारा सिंह, अनन्या सिंह चौहान, यशिका प्रताप सिंह

अंडर-19 में अर्चिता अग्रवाल, समृद्धि तिवारी, अन्विता जालान, शांभवी गुजराती, अनामिका गुप्ता, आरशिया खंडेलवाल

गोदाम से कर रहा था चीन के मांझे की बिक्री, पांच बंडल के साथ युवक गिरफ्तार

गोरखपुर। प्रतिबंधित चाइनीज मांझे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में राजघाट पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार कर पांच बंडल चीन का मांझा और दो चरखी बरामद की है। पुलिस के अनुसार आरोपी दुकान पर सामान्य मांझा बेचता था लेकिन चीन के मांझे की मांग करने वाले ग्राहकों को दुकान से अलग गोदाम में ले जाकर चोरी-छिपे इसकी बिक्री करता था। एक बंडल के लिए वह करीब 2500 से 3000 रुपये तक वसूलता था। पकड़े गए आरोपी की पहचान बसंतपुर खास निवासी इनामुलहक के रूप में हुई है। पुलिस को चीन के मांझे की बिक्री करने की जानकारी मिली थी। इसके बाद निगरानी बढ़ाकर जांच की गई और आरोपी को पकड़ लिया गया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से पांच बंडल चीन का मांझा और दो चरखी बरामद हुई।

उपाध्यक्ष की स्वीकृति बिना खोली ग्रेटर आगरा की वित्तीय निविदाएं, अधिशासी अभियंता निलंबित

आगरा। आगरा विकास प्राधिकरण (एडीए) के अधिशासी अभियंता अनिल कुमार को उपाध्यक्ष एम अरुन्मोली के आदेशों की नाफरमानी भारी पड़ी। बिना स्वीकृति अधिशासी अभियंता ने ग्रेटर आगरा की वित्तीय निविदाएं खोल दीं। ठेकेदारों से सांठगांठ के आरोप और उच्च अधिकारियों के आदेशों की अवहेलना करने पर शासन ने उन्हें निलंबित किया है। ग्रेटर आगरा में दस टाउनशिप विकसित की जा रही हैं। करीब तीन हजार करोड़ रुपये से अधिक एडीए खर्च कर रहा है। सड़क, सीवरेज, ड्रेनेज, पार्क व अन्य विकास कार्यों की टेंडर प्रक्रिया चल रही है। फिलहाल चार टाउनशिप के टेंडर हो चुके हैं। चार में दो टाउनशिप के टेंडर की वित्तीय निविदाएं खोलने में फंसे अधिशासी अभियंता अनिल कुमार को शासन ने निलंबित कर दिया है। उपाध्यक्ष एम अरुन्मोली ने अधिशासी अभियंता के विरुद्ध शासन को पत्र भेजा था। जिसमें मनमानी कार्य प्रणाली और आदेशों की नाफरमानी के आरोप थे। जांच में आरोप सिद्ध होने के बाद शासन ने कार्रवाई की। आरोप है कि प्रवर्तन दल में शामिल अभियंता व अधिकारी मंडलायुक्त के निर्देश पर भी कार्रवाई नहीं करते। नोटिस को दबाए रखते हैं। उधर, एडीए में अभियंताओं के कक्षों में दलाल सक्रिय हैं। पूर्व में एडीए गेट पर दलालों के नाम लिखा बोर्ड टांगा गया था। जिसके हटने के बाद फिर दलाल सक्रिय हो गए हैं। उपाध्यक्ष एम अरुन्मोली का कहना है कि दलालों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई जाएगी।

120 कंप्यूटरों की सेंट्रल लैब आसान करेगी पढ़ाई से परीक्षा तक की राह

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के लिए पढ़ाई से लेकर ऑनलाइन परीक्षा और स्किल डेवलपमेंट तक की राह आसान होने वाली है। विश्वविद्यालय में 120 कंप्यूटरों से लैस अत्याधुनिक सेंट्रल लैब तैयार की जा रही है। इसके अगले एक माह में बनकर तैयार होने की उम्मीद है।

यहां हाई स्पीड इंटरनेट कनेक्शन और नवीनतम सॉफ्टवेयर से लैस कंप्यूटर उपलब्ध होंगे। इससे विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ प्रोजेक्ट वर्क, कोडिंग और अन्य अकादमिक गतिविधियों के लिए बेहतर डिजिटल संसाधन मिल सकेंगे। समर्पित तकनीकी सहायता टीम भी रहेगी।

सेंट्रल लैब शुरू होने के बाद विवि परिसर में ही नेट व गेट, प्लेसमेंट टेस्ट और सेमेस्टर की ऑनलाइन परीक्षाएं आयोजित करना आसान होगा। विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की ऑनलाइन तैयारी के लिए भी सुविधा मिलेगी। लैब में विद्यार्थी स्किल डेवलपमेंट और प्रोजेक्ट वर्क कर सकेंगे। इसके अलावा कोडिंग का अभ्यास, प्रेजेंटेशन तैयार करने और ऑनलाइन सर्टिफिकेशन कोर्स करने में भी सुविधा होगी।

कक्षा छह के विद्यार्थी सीख रहे ड्रोन और अंतरिक्ष विज्ञान की तकनीक

बरेली। बरेली छावनी का आरएन टैगोर इंटर कॉलेज आधुनिकता और नवाचार की एक नई इबारत लिख रहा है। विद्यालय में पढ़ने वाले विद्यार्थी कक्षा छह से ही अंतरिक्ष विज्ञान, रोबोटिक्स और ड्रोन टेक्नोलॉजी में महारत हासिल कर रहे हैं। विद्यालय परिसर में स्थापित खगोल विज्ञान केंद्र और अत्याधुनिक ड्रोन व रोबोटिक्स लैब बड़ा केंद्र बन चुकी हैं। यहां विद्यार्थियों को किताबी ज्ञान के साथ ही प्रयोग और प्रत्यक्ष अवलोकन के जरिए ब्रह्मांड के रहस्यों और अंतरिक्ष विज्ञान के मूलभूत सिद्धांतों से रूबरू कराया जा रहा है। विशेष प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में छात्र अपने नन्हे हाथों से न केवल ड्रोन के शुरुआती हिस्सों को खुद असेंबल कर रहे हैं, बल्कि उड़ान के बुनियादी सिद्धांतों को सीखकर फ्लाइंग प्रैक्टिस का व्यावहारिक अनुभव भी ले रहे हैं। रोबोटिक्स लैब में बैटरी, वायर और एलईडी जैसे बुनियादी घटकों से शुरू हुआ यह सफर अब आरड्यूइनो, सेंसर और कोडिंग तक पहुंच चुका है। छात्रों ने 12 से अधिक इनोवेटिव प्रोजेक्ट्स तैयार किए हैं। इनमें पहाड़ी क्षेत्र में हादसों को रोकने वाली सेंसर-युक्त लाइटें, एग्री फ्लो स्मार्ट सिंचाई, रेल शील्ड एंटी-कोलिजन सिस्टम, होम ऑटोमेशन, गर्ल्स सेफ्टी डिवाइस और डॉ. एआइ बॉट जैसे शानदार मॉडल शामिल हैं। विद्यालय की प्रधानाचार्य वंदना मिश्रा ने बताया कि जब बच्चे इतनी कम उम्र में व्यावहारिक विज्ञान से जुड़ते हैं, तो उनका आत्मविश्वास और समस्याओं को हल करने का दृष्टिकोण पूरी तरह बदल जाता है

स्वतंत्रता दिवस पर सम्मानित हुए प्रतियोगिताओं के विजेता

कानपुर। छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय (सीएसजेएमयू) में स्वतंत्रता दिवस धूमधाम से मनाया गया। कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक ने ध्वजारोहण किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन हुआ। हर घर तिरंगा और नशा मुक्त भारत अभियान के तहत हुई विभिन्न प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित किया गया।

स्लोगन प्रतियोगिता में साक्षी कुमारी प्रथम, अनुष्का वर्मा व सुहानी पांडेय द्वितीय, शांभवी पोरवाल तृतीय स्थान पर रहीं। भाषण प्रतियोगिता में आयुष कुमार ने पहला, उपेंद्र सिंह ने दूसरा, आलिया शहंशाह व माही रस्तोगी ने तीसरा स्थान जीता। भाषण प्रतियोगिता में संस्कृति जायसवाल प्रथम, इमरोज खान द्वितीय, विकासमणि त्रिपाठी तृतीय स्थान पर रहे। चित्रकला में प्रेम सिंह ने पहला, आस्तिक चौधरी ने दूसरा, शगुन पांडेय ने तीसरा स्थान हासिल किया। रंगोली प्रतियोगिता में राशि पांडेय, संध्या चौरसिया व प्रणवीर मौर्या की टीम विजेता बनी। पुरस्कार वितरण के बाद 'तिरंगा म्यूजिकल कॉन्सर्ट' का आयोजन हुआ। डॉ. वंदना पाठक, वित्त अधिकारी अशोक कुमार त्रिपाठी, रजिस्ट्रार राकेश कुमार मिश्रा, डॉ. प्रवीन कटियार, डॉ. शशिकांत त्रिपाठी आदि मौजूद रहे।

वहीं चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) में कुलपति डॉ. संजीव गुप्ता ने अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद की प्रतिमा पर पुष्प अर्पण कर ध्वजारोहण किया। निदेशक प्रसार डॉ. वीके त्रिपाठी, डॉ. मुकेश श्रीवास्तव, डॉ. सीमा सोनकर, डॉ. कौशल कुमार आदि मौजूद रहे।

ओटीपी नहीं आया, फिर भी खाते से उड़ गए पांच लाख रुपये; नेट बैंकिंग भी करा दी थी बंद

आगरा। नेट बैंकिंग और मोबाइल बैंकिंग बंद कराने के बावजूद बैंक खाते से पांच लाख रुपये निकल गए। पीड़ित नवीन कुमार शर्मा ने साइबर क्राइम थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है।

लेजर शो ने मोहा शहरवासियों का मन

अलीगढ़ । स्वतंत्रता दिवस पर नगर निगम की ओर से घंटाघर पर लेजर शो का आयोजन कराया गया। पहली बार आयोजित लेजर शो और आकर्षक लाइटिंग ने लोगों का मन मोह लिया। रंग-बिरंगी रोशनी और देशभक्ति से जुड़ी प्रस्तुतियों से उभरते दृश्य हर किसी का ध्यान खींचते रहे। बड़ी संख्या में लोग परिवार और बच्चों के साथ शो देखने पहुंचे। बच्चों में लेजर शो को लेकर खासा उत्साह दिखाई दिया। महापौर प्रशांत सिंघल भी परिवार के साथ आयोजन देखने पहुंचे। उन्होंने कहा कि शहरवासियों के मनोरंजन और उत्साह को देखते हुए भविष्य में इस तरह के और आयोजन कराए जाएंगे।

मोबाइल कैमरों में कैद हुआ हर नजारा–लेजर शो के दौरान आसमान में बनते आकर्षक दृश्य लोगों के लिए सेल्फी और वीडियो का केंद्र बने रहे। बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक हर कोई इस अनोखे नजारे को मोबाइल कैमरे में कैद करता नजर आया। परिवारों ने एक साथ बैठकर शो का आनंद लिया और स्वतंत्रता दिवस की शाम को यादगार बनाया। कार्यक्रम के फोटो और वीडियो सोशल मीडिया पर भी खूब साझा किए गए। पहली बार आयोजित इस आयोजन को शहरवासियों ने खूब सराहा। लोगों ने कहा कि आधुनिक तकनीक और देशभक्ति के रंगों का यह मेल राष्ट्रीय पर्व के उत्सव में नया आकर्षण जोड़ता है। उन्होंने भविष्य में भी ऐसे आयोजन कराने की मांग की।

सरकारी स्कूल के बच्चों को किताबें मिलीं या नहीं, मोबाइल एप रखेगा नजर

आगरा। स्कूलों में किताबें पहुंचीं या नहीं, अब इसका हिसाब कागजों में नहीं छिप सकेगा। बेसिक शिक्षा विभाग में पाठ्य-पुस्तकों और कार्य पुस्तिकाओं के वितरण की शत-प्रतिशत डीसीएफ फीडिंग प्रेरणा पोर्टल पर करनी होगी। केवल किताबें बांट देना ही पर्याप्त नहीं है। उनका रिकॉर्ड भी पोर्टल पर दर्ज करना होगा। फीडिंग पूरी नहीं होने पर संबंधित खंड शिक्षा अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई के लिए शासन को पत्र भेजा जाएगा।

बीएसए डॉ. राकेश सिंह ने बताया कि जिलाधिकारी मनीष बंसल की अध्यक्षता में हुई जनपद स्तरीय टास्क फोर्स की बैठक में बेसिक शिक्षा विभाग की योजनाओं की समीक्षा के दौरान यह फैसला लिया गया था। निर्देश दिए गए कि जिन विद्यालयों में बच्चों को किताबें और कार्य पुस्तिकाएं वितरित की जा चुकी हैं, उनका विवरण प्रेरणा पोर्टल पर दर्ज किया जाए।

टनकपुर-अछनेरा और गोरखपुर-दिल्ली विशेष ट्रेनों को नियमित का दर्जा

बरेली। टनकपुर-अछनेरा के बीच अप-डाउन सप्ताह में पांच दिन और गोरखपुर-दिल्ली के बीच सप्ताह में एक दिन चलने वाली विशेष ट्रेनों को रेलवे ने नियमित का दर्जा दे दिया है। इन गाड़ियों में गोरखपुर-दिल्ली के बीच चलने वाली विशेष गाड़ी का स्थान अमृत भारत एक्सप्रेस लेगी। गाड़ियां नियमित होने के बाद इनमें किराया 35 से 40 फीसदी तक घट जाएगा।

05061-62 टनकपुर-अछनेरा और 05057-58 गोरखपुर-दिल्ली विशेष गाड़ियों का संचालन दो साल से किया जा रहा है। इन रूटों पर यात्रियों की संख्या अच्छी है। ऐसे में इन गाड़ियों को नियमित कर दिया गया है। टनकपुर-अछनेरा के बीच नियमित 15094-93 और गोरखपुर-दिल्ली के बीच 15095-96 संचालित की जाएगी। मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सुमित कुमार ने बताया कि 15095 गोरखपुर-दिल्ली अमृत भारत एक्सप्रेस प्रत्येक बृहस्पतिवार को गोरखपुर से रात 10:45 बजे चलने के बाद अगले दिन दोपहर 12:50 बजे दिल्ली पहुंचेगी। 15096 दिल्ली-गोरखपुर अमृत भारत एक्सप्रेस दिल्ली से प्रत्येक शुक्रवार को दोपहर दो बजे चलने के बाद अगले दिन सुबह 6:25 बजे गोरखपुर पहुंचेगी। इस गाड़ी को खलीलाबाद, बस्ती, गोंडा, बुढ़बल, सीतापुर, बरेली, मुरादाबाद और गाजियाबाद स्टेशनों पर ठहराव दिया जाएगा।

अंधता निवारण की धुंधली तस्वीर, निजी संस्थाओं से पिछड़ी सरकारी कवायद

बरेली। राष्ट्रीय अंधता नियंत्रण कार्यक्रम में स्वयंसेवी संगठनों का प्रयास सरकारी कवायद पर भारी पड़ रहा है। समान लक्ष्य के सापेक्ष स्वास्थ्य विभाग ने 269 जबकि संगठनों ने 1,646 ऑपरेशन कराए हैं। सरकारी क्षेत्र की औसत उपलब्धि भी कम है। रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2026-27 में मोतियाबिंद ऑपरेशन और इंट्राऑकुलर लेंस (आईओएल) का लक्ष्य 66,334 रखा गया। जून तक 10,076 ऑपरेशन हुए। यानी लक्ष्य के सापेक्ष महज 15.19% उपलब्धि रही। राजकीय/स्वयंसेवी संस्थाओं को मिले एक समान (13,267) लक्ष्य के सापेक्ष उपलब्धि 2.03/12.41 फीसदी रही। निजी क्षेत्र ने 39,800 के सापेक्ष 8,161 ऑपरेशन (20.51%) कराए। स्कूलों में आई स्क्रीनिंग, चश्मा वितरण योजना भी लक्ष्य से पीछे है। वार्षिक 5,074 लक्ष्य के सापेक्ष चार सौ बच्चों को ही चश्मे मिले। वित्त वर्ष 2025-26 में जून तक मोतियाबिंद ऑपरेशन और आईओएल के लिए 20,142 का लक्ष्य था। इसके सापेक्ष 11,336 ऑपरेशन (56%) हुए थे। इस साल जून तक उपलब्धि 15.19% पर ही टिकी है।

22 सौ से अधिक लक्ष्य, 279 बुजुर्गों को मिले चश्मे–2,237 बुजुर्गों को चश्मा दिए जाने का लक्ष्य था। जून तक 279 बुजुर्गों को चश्मे बांटे गए, जो लक्ष्य का 12 फीसदी है। नोडल अफसर डॉ. पवन कपाही के मुताबिक, मोतियाबिंद ऑपरेशन के साथ ही स्कूली बच्चों और बुजुर्गों की दृष्टि सुधार से जुड़ी योजनाओं में भी तेजी लाने की जरूरत है। इसके लिए सीएमओ डॉ. विश्राम सिंह ने सभी टीमों को स्क्रीनिंग बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। नियमित समीक्षा हो रही है।

जानिए, क्या है योजना–प्रदेश में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) की ओर से राष्ट्रीय अंधता एवं दृष्टि हानि नियंत्रण कार्यक्रम (एनपीसीबीवीआई) संचालित है। इसके तहत स्कूलों में स्क्रीनिंग से विद्यार्थियों में दृष्टि दोष की पहचान कर उनको मुफ्त चश्मा दिया जाता है। 40 वर्ष या उससे अधिक उम्र के लोगों के आंखों की जांच सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों पर करवाकर ऑपरेशन कराया जाता है ।

सीएसजेएमयू की सेंट्रल लाइब्रेरी बनेगी और आधुनिक

कानपुर। छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय की गणेश शंकर सेंट्रल लाइब्रेरी तकनीकी रूप से मजबूत और आधुनिक बनेगी। यहां वीडियो कांफ्रेंसिंग की सुविधा होगी, जबकि लाइब्रेरी को नए सिरे से डिजिटल किया जाएगा। इसके लिए गोल्डी मसाले और गणेश शंकर सेंट्रल लाइब्रेरी के पदाधिकारियों बीच एमओयू साइन हुआ है। यह पहल गोल्डी मसाले के संस्थापक स्वर्गीय लाला रामचंद्र गुप्ता की स्मृति को समर्पित की गई।

राजेंद्र नगर में खेलकूद प्रतियोगिताओं में बच्चों की दौड़ ने मनमोहा

गोरखपुर। राजेंद्र नगर स्थित बीआरडी स्पोर्ट्स में जीएसएफएफ कमेटी की ओर से विभिन्न आयु वर्गों के लिए खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इसमें बच्चों की दौड़ ने सभी का मनमोह लिया। कार्यक्रम की शुरुआत झूलेलाल की आरती से हुई। मुख्य अतिथि लक्ष्मी सत्संग भवन की माया ने विधिवत आरती कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

प्रतियोगिता के दौरान महिलाओं का मैच, बुजुर्गों का मैच, महिलाओं की बैडमिंटन प्रतियोगिता और बच्चों की दौड़ सहित विभिन्न खेल आयोजित किए गए। सभी वर्गों के प्रतिभागियों ने पूरे जोश के साथ प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया। बच्चों की दौड़ ने दर्शकों का विशेष रूप से ध्यान खींचा। महिलाओं और बुजुर्गों की प्रतियोगिताओं में भी प्रतिभागियों का उत्साह देखते ही बना। आयोजकों ने कहा कि इस तरह के खेल आयोजन स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के साथ ही समाज में आपसी भाईचारा और एकता मजबूत करते हैं। साथ ही बच्चों और नई पीढ़ी में खेलों के प्रति रुचि बढ़ाने में भी इनकी महत्वपूर्ण भूमिका है।

तारामंडल में दो ट्रांसफॉर्मरों से तेल चोरी, 200 घरों की बिजली ठप

गोरखपुर। विद्युत उपकेंद्र तारामंडल के जीडीए के पास लगे 250 केवीए के ट्रांसफॉर्मर से शनिवार देर रात करीब 12 बजे चोरों ने तेल चोरी कर लिया। तेल निकलने से ट्रांसफॉर्मर गर्म होकर रात करीब एक बजे बंद हो गया। वहीं लोहिया एन्क्लेव के बुद्ध विहार फेज-वन में लगे 250 केवीए के ट्रांसफॉर्मर से भी शनिवार देर रात तेल चोरी हो गया। इस कारण लगभग 200 घरों की बिजली गुल हो गई। तारामंडल उपकेंद्र के अवर अभियंता विजय सिंह ने बताया कि ट्रांसफॉर्मर से तेल चोरी होने के कारण उपभोक्ताओं को परेशानी हुई। अज्ञात चोरों के खिलाफ तहरीर दी जाएगी। वहीं रेती चौक के पास ट्रांसफॉर्मर गर्म होने से धुआं उठने पर करीब एक घंटे बिजली आपूर्ति बाधित रही। दोनों घटनाओं से करीब दो सौ घरों की आपूर्ति प्रभावित हुई। दोपहर करीब 12 बजे तेल डालकर ट्रांसफॉर्मरों को चालू किया गया।

स्वतंत्रता दिवस पर भी बिजली संकट से नहीं मिली राहत–स्वतंत्रता दिवस पर भी शहर के कई इलाकों में बिजली संकट से लोगों को राहत नहीं मिली। राजेंद्र नगर पूर्वी के करीब डेढ़ सौ घरों की बिजली भोर में तीन बजे गुल हुई और रविवार सुबह 10:30 बजे बहाल हो सकी।

करीब साढ़े सात घंटे बिजली गुल रहने से इनवर्टर बंद हो गए। सुबह पानी का संकट भी खड़ा हो गया। विद्युत उपकेंद्र इंडस्ट्रियल एस्टेट के सहायक अभियंता के अनुसार 400 केवीए के ट्रांसफॉर्मर में तकनीकी खराबी आने से आपूर्ति बाधित हुई थी। तुर्कमानपुर में नूरी मस्जिद के पास शनिवार रात करीब 11 बजे से रविवार दोपहर एक बजे तक करीब दो सौ घरों की बिजली बाधित रही। शाहपुर, पादरी बाजार, जंगल धूसड़ और सुहासिनी नगर में भी बिजली की आवाजाही, कम वोल्टेज और उतार-चढ़ाव से लोग परेशान रहे।

संक्षिप्त समाचार

सीएम योगी ने लिखी पाती, कहा- युवा शक्ति उत्तर प्रदेश की सबसे बड़ी पूंजी

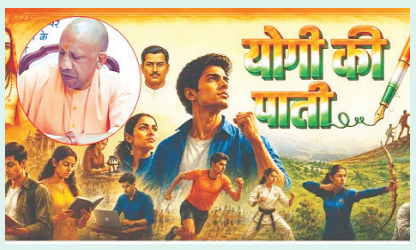

लखनऊ, एजेंसी। सीएम योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के युवाओं के नाम पाती लिखी है। उन्होंने लिखा कि आज प्रदेश सरकार युवाओं को आगे बढ़ने के लिए हरसंभव अवसर प्रदान कर रही है। किशोर एवं युवा इन अवसरों का लाभ उठाएं। उन्होंने कहा, युवा साथियों, आत्मनिर्माण से राष्ट्रनिर्माण का महती दायित्व आपके कंधों पर है। आपकी ऊर्जा, प्रतिभा, अनुशासन एवं संकल्प से ही विकसित उत्तर प्रदेश के निर्माण का लक्ष्य साकार होगा। यही युवा शक्ति उत्तर प्रदेश की सबसे बड़ी पूंजी है।

सीएम ने पाती में लिखा उत्तर प्रदेश में पांच करोड़ घरों में तिरंगा फहराने के महायज्ञ की आज पूर्णाहुति हो रही है। हर घर तिरंगा महा-अभियान में उत्साह एवं उमंग के साथ सहभागी बने आप सभी प्रदेशवासियों को हृदय से बधाई एवं शुभकामनाएं। युवा अपने संकल्प को राष्ट्रनिर्माण के वृहद लक्ष्य से जोड़ें और उसे सुदृढ़ करने के लिए नियमित योग एवं व्यायाम को जीवन का अंग बनाएं

हैदराबाद में ऑटोरिक्शा में लगी आग, मालिक ने दामाद के खिलाफ पुलिस में दर्ज कराई शिकायत

हैदराबाद, एजेंसी। तेलंगाना के हैदराबाद स्थित मेरपेट पुलिस स्टेशन क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले जिलेलगुडा (डीएनआर कॉलोनी) में तड़के एक ऑटोरिक्शा में अचानक भीषण आग लग गई। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक स्थानीय निवासियों ने आग पर काबू पा लिया।

इस मामले में पीड़ति ऑटोरिक्शा मालिक ने अपने ही दामाद पर रंजिशन आग लगाने का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज कराया। 100 नंबर पर मिली सूचना के आधार पर पुलिस ने शिकायत दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और घटना के सही कारणों का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है। मीरपेट पुलिस के एक अधिकारी ने बताया हमें सुबह-सुबह ऑटो मालिक का 100 नंबर पर कॉल आया। जब हम मौके पर पहुंचे, तब तक स्थानीय लोगों ने आग पर काबू पा लिया था। मालिक ने अपने दामाद पर आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज कराई है। हम अभी इस मामले की जांच कर रहे हैं।

बरसेंगे बदरा; यूपी-बिहार समेत 19 राज्यों में भारी वर्षा की चेतावनी

नई दिल्ली, एजेंसी। मौसम विभाग ने आज दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार समेत 19 राज्यों के लिए भारी बारिश और आंधी की चेतावनी जारी की है। वहीं, दिल्ली एनसीआर में आज उमस भरी गर्मी पड़ेगी। पिछले कई दिनों से उमस ने लोगों को परेशान कर रखा है। बंगाल की खाड़ी में बने लो प्रेशर के प्रभाव से मानसून सक्रिय है। दिल्ली में उमस भरी गर्मी के बीच गरज-चमक के साथ बारिश और आंधी का अलर्ट है। आ अधिकतम तापमान करीब 34 डिग्री और न्यूनतम 28 डिग्री रहने का अनुमान है। नोएडा, गुरुग्राम, गाजियाबाद और फरीदाबाद में भी यही स्थिति रहेगी। हरियाणा में भी छिटपुट से मध्यम बारिश और तेज हवाओं की संभावना है।

मेरठ, मुजफ्फरनगर, अलीगढ़, आगरा, मथुरा, मुरादाबाद, कानपुर, बरेली, हरदोई, सीतापुर, शाहजहांपुर, बिजनौर, गोंडा, बस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी, पीलीभीत समेत कई जिलों में भारी बारिश और आंधी का अलर्ट है। लखनऊ में अधिकतम तापमान 29 डिग्री और न्यूनतम 27 डिग्री रहने का अनुमान है।

एलपीएससी माफी योजना की समयसीमा 31 मार्च 2027 तक बढ़ी

दिल्ली में पानी के पुराने बिलों पर बड़ी राहत

नई दिल्ली, एजेंसी। पुराने पानी के बिलों पर लगातार बढ़ रहे लेट पेमेंट सरचार्ज (एलपीएससी) से परेशान दिल्ली के उपभोक्ताओं के लिए राहत की समय सीमा बढ़ा दी है। दिल्ली सरकार ने दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) की एलपीएससी माफी योजना की अवधि बढ़ाकर 31 मार्च 2027 कर दी है। पहले इस योजना का लाभ लेने की अंतिम तारीख 15 अगस्त थी। जल मंत्री प्रवेश वर्मा ने रविवार को योजना की अवधि बढ़ाने की घोषणा की।

योजना के तहत उपभोक्ताओं को पुराने पानी के बिल का मूल बकाया जमा करने पर 100 प्रतिशत एलपीएससी माफ किया जाएगा। यह सुविधा घरेलू के साथ-साथ गैर-घरेलू और व्यावसायिक उपभोक्ताओं के लिए भी उपलब्ध रहेगी। सरकार का कहना है कि इससे लंबे समय से लंबित पानी के बिलों को निपटाने में उपभोक्ताओं को राहत मिलेगी और साथ ही डीजेबी को अपना मूल बकाया वसूलने में मदद मिलेगी। डीजेबी के आंकड़ों के अनुसार, अब तक 5,27,514 उपभोक्ता इस योजना का लाभ उठा चुके हैं। इनके मामलों में बोर्ड ने कुल 3,261 करोड़ रुपये का एलपीएससी माफ किया है। इसके साथ ही घरेलू और गैर-घरेलू उपभोक्ताओं से 815.84 करोड़ रुपये का मूल बकाया भी वसूल किया गया है।

सरकार के मुताबिक योजना के दायरे में करीब 14.09 लाख घरेलू और 70,312 व्यावसायिक उपभोक्ता आते हैं। ऐसे उपभोक्ताओं के पास अब पुराने पानी के बकाये का मूल भुगतान कर जमा हो चुके सरचार्ज से छुटकारा पाने का अवसर होगा। जल मंत्री ने कहा कि पुराने पानी के बिल कई परिवारों के लिए लंबे समय से परेशानी का कारण बने हुए हैं। एलपीएससी जुड़ने से बकाया राशि लगातार बढ़ती जाती है और उसका भुगतान करना मुश्किल हो जाता है। ऐसे में सरकार ने उपभोक्ताओं को मूल राशि जमा कर सरचार्ज से पूरी तरह राहत पाने का अवसर दिया है। उन्होंने कहा कि सरकार उपभोक्ताओं से अतिरिक्त राशि वसूलने के बजाय उनसे केवल वास्तविक मूल बकाया चुकाने को कह रही है। उनके मुताबिक मूल राशि जमा करने पर 100 प्रतिशत एलपीएससी माफ होगा। इससे उपभोक्ताओं को राहत मिलने के साथ डीजेबी की वित्तीय स्थिति भी मजबूत होगी।

सरकार ने स्पष्ट किया है कि योजना का लाभ लेने के लिए अब 31 मार्च 2027 तक का समय मिलेगा और इसके बाद इसकी अवधि आगे नहीं बढ़ाई जाएगी। डीजेबी ने अपने सभी फील्ड कार्यालयों को योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार करने और उपभोक्ताओं को मूल बकाया जमा करने पर उपलब्ध एलपीएससी माफी की जानकारी देने के निर्देश दिए हैं।

दिल्ली में कूड़े के पहाड़ों पर नई परिभाषा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के तीनों कूड़े के पहाड़ खत्म करने की समय-सीमा भले ही बार-बार बदल रही हो, लेकिन अब नगर निगम ने इन लैंडफिल साइट पर मौजूद कचरे की परिभाषा ही बदल दी है। एमसीडी ने लैंडफिल पर पड़े कचरे को तीन श्रेणियों में बांटा है। इसके तहत 31 मार्च 2025 तक डाला गया कचरा ही 'लिगेसी वेस्ट' यानी पुराना कचरा माना जाएगा। इसके बाद का कचरा पहले 'सेमी-लिगेसी' (अर्ध पुराना) और फिर 'फ्रेश वेस्ट' (ताजा कचरा) की श्रेणी में रखा गया है।

इससे पुराना कचरा हटाने की प्रगति रिपोर्ट में आंकड़े अलग-अलग दिखेंगे, लेकिन लैंडफिल पर मौजूद कुल कचरे की मात्रा इससे कम नहीं होगी। एमसीडी द्वारा कूड़ा निस्तारण को लेकर तैयार किए गए दस्तावेज के अनुसार, एक अप्रैल 2025 से 31 मार्च 2026 तक लैंडफिल पर डाला गया कचरा 'सेमी-लिगेसी वेस्ट' माना जाएगा। वहीं, एक अप्रैल 2026 के बाद डाला जा रहा कचरा 'फ्रेश वेस्ट' कहलाएगा। निगम का तर्क है कि इससे पुराने और हाल के वर्षों में लैंडफिल पर पहुंचे कचरे का अलग-अलग आकलन और निस्तारण किया जा सकेगा।

गाजा में हर रात 30-40 लोगों को मारना चाहिए, नेतन्याहू के करीबी सांसद का विवादित बयान

यरुशलम , एजेंसी। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के गठबंधन में एक कट्टरपंथी इजरायली सांसद ने खुलेआम गाजा में हर रात 30 से 40 लोगों को मारने की बात की। उनकी ये टिप्पणी रविवार को सामने आई और फलस्तीनी मीडिया ने इसे तुरंत शेयर करना शुरू कर दिया। राष्ट्रीय सुरक्ष मंत्री इतामार बेन-ग्विर ने यह बयान गाजा में पहले बंधक रह चुके रोम ब्रास्लाव्स्की से ब्रास्लाव्स्की के पॉडकास्ट पर बात करते हुए दिया। दोनों 7 अक्टूबर, 2023 के हमास हमले से इजरायल के उबरने पर बात कर रहे थे। बेन-ग्विर ने गाजा में हाल ही में इजरायल के हमले कम करने की आलोचना की थी।

हर रात 30 से 40 लोगों को मारना चाहिए –उन्होंने कहा, यह कोई सीक्रेट नहीं है, मैं प्राइम मिनिस्टर से सहमत नहीं हूं। मुझे लगता है कि गाजा में टारगेटेड हत्याएं होनी चाहिए, हर रात 30 से 40 लोगों को मारना चाहिए। सिर्फ वे ही नहीं जो तुरंत खतरा पैदा करते हैं वहां ऐसे लोग भी हैं जो जीने के लायक नहीं हैं। उन्हें जीना नहीं चाहिए। वे इंसान भी नहीं हैं।

इससे पहले भी बेन-ग्विर और दूसरे इजरायली अधिकारियों के ऐसे ही बयानों की जमकर आलोचना हुई थी। कई बयानों को यूएन की वर्ल्ड कोर्ट में नरसंहार के इरादे के सबूत के तौर पर पेश किया गया है। इजरायल इस बात से इनकार करता है कि उसने गाजा में नरसंहार किया है।

इजरायली मीडिया में इस बयान की बहुत कम जिक्र –इजरायल के घरेलू मीडिया ने इस बयान का बहुत कम जिक्र किया है, जिसमें यह बताया गया है कि कैसे बेन-ग्विर जैसी विचारधाराएं 27 अक्टूबर को होने वाले इजरायली चुनावों से पहले उभर रही हैं। बेन-ग्विर जैसे लोग 2023 में हमास के उस क्रूर हमले के बाद से इजरायलियों के बीच ज्यादा पॉपुलर हो गए हैं, जब लगभग 1,200 लोगों को मार डाला गया और 251 लोगों को बंधक बना लिया गया।

बेन-ग्विर के पास देश की मिलिट्री पर कंट्रोल नहीं है और वह गाजा पर हमले का ऑर्डर नहीं दे सकते लेकिन, इजरायल के कट्टर दक्षिणपंथी ग्रुप में दशकों तक काम करने के बाद वह अब देश के सबसे असरदार लोगों में से एक हैं। इजरायल के सिक्योरिटी सिस्टम के खास हिस्सों पर उनका काफी कंट्रोल है, वे देश की जेलों को चलाते हैं। साथ ही नेशनल पुलिस फोर्स भी।

उन्होंने पहले भी फलस्तीनी कैदियों के लिए खाने का राशन कम करने की बात कही है। गाजा के हेल्थ मिनिस्ट्री के अनुसार, हाल तक इजरायल लगभग हर दिन गाजा पर हमला कर रहा था। अक्टूबर में हुए ट्रूस डील के लागू होने के बाद से इन हमलों में 1,250 से ज्यादा लोग मारे गए हैं।

सऊदी-तुर्किए-पाकिस्तान रक्षा समझौते पर ट्रंप ने दी प्रतिक्रिया

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सऊदी अरब, तुर्किए और पाकिस्तान के बीच हुए रक्षा समझौते को अपनी सुरक्षा करने की दिशा में एक बड़ा, साहसी और महत्वपूर्ण कदम बताया है। ट्रंप की यह टिप्पणी इन तीनों देशों द्वारा मक्का संयुक्त रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर करने के कुछ दिनों बाद आई है। इस समझौते के तहत, तीनों में से किसी भी देश के खिलाफ किसी भी सशस्त्र हमले को उन सभी के खिलाफ हमला माना जाएगा।

ट्रंप ने समझौते को लेकर क्या कहा ?

ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में कहा, यह देखकर बहुत खुशी हुई कि सऊदी अरब, तुर्किए और पाकिस्तान ने हाल ही में मक्का संयुक्त रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। यह दिखाता है कि मध्य पूर्व कैसे एकजुट हो रहा है और देश आखिरकार कैसे अधिक सार्थक तरीके से अपनी सुरक्षा कर सकेंगे। ट्रंप ने लिखा, तीनों देशों के महान नेतृत्व को बधाई। यह एक बड़ा, साहसी और महत्वपूर्ण पहला कदम है।

भारतीय विदेश मंत्रालय ने समझौते पर क्या प्रतिक्रिया दी थी

इस समझौते पर 7 अगस्त को सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान, तुर्किए के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने हस्ताक्षर किए थे। भारत ने कहा है कि वह अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ-साथ क्षेत्रीय शांति और स्थिरता पर मक्का समझौते के असर का आकलन कर रहा है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने 11 अगस्त को कहा, जहां तक इस समझौते की बात है, हम भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा और क्षेत्रीय शांति व स्थिरता के नजरिए से इसके असर की जांच कर रहे हैं। जायसवाल ने कहा, भारत अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और इस संबंध में सभी आवश्यक कदम उठाएगा।

इस समझौते को क्यों कहा जा रहा इस्लामिक नाटो ?

अमेरिका के नेतृत्व वाले नाटो सैन्य संगठन का अनुच्छेद 5 कहता है कि एक सदस्य के खिलाफ किसी भी तरह की आक्रामकता को सभी पर हमला माना जाएगा। पाकिस्तान, सऊदी और तुर्किए के बीच हुए समझौते की मूल बात भी यही है। यही वजह है कि गठबंधन को मुस्लिम नाटो या इस्लामिक नाटो का नाम दिया जा रहा है।

जिम्बाब्वे फेरी हादसे में मरने वाले लोगों की संख्या 84 पहुंची, लापता लोगों की तलाश जारी

क्रालालंपुर, एजेंसी। अफ्रीकी देश जिम्बाब्वे की करिबा झील में पिछले सप्ताह एक ओवरलोड फेरी पलटने से मरने वालों की संख्या 84 हो गई है। अधिकारी रविवार को और शवों की तलाश कर रहे हैं। फेरी मंगलवार को तेज लहरों के कारण पलटी थी। पुलिस ने रविवार को बताया कि 72 से बढ़कर 84 शव बरामद हुए हैं। जिम्बाब्वे की आपदा प्रबंधन एजेंसी ने 77 लोगों को बचाया है। फेरी में 90 लोगों की क्षमता के मुकाबले 153 से अधिक यात्री सवार थे। पुलिस ने कहा कि लापता पीड़ितों की तलाश जारी है। मृतकों में 18 बच्चे शामिल हैं, जिनमें सबसे छोटा 1 साल का था। यह पुरानी फेरी करिबा शहर से ग्रामीण समुदायों की ओर जा रही थी, जहां सड़कें खराब हैं। करिबा झील दुनिया की सबसे बड़ी मानव निर्मित झील है।

110 वर्ष की बुजुर्ग की लंबी उम्र का राज- ताजी हवा, सेहतमंद खाना और अपना शौक जिंदा रखना

लंदन, एजेंसी। अगर आपको 110 वर्ष के किसी बुजुर्ग से रूबरू कराया जाए तो मन में सबसे पहला सवाल क्या उठेगा? जाहिर है, आखिर इनकी लंबी उम्र का राज क्या है। लोग सुपरसेंटेनेरियन यानी 110 की उम्र तक कैसे पहुंचते हैं, यह तो आज भी वैज्ञानिकों के लिए शोध का विषय बना हुआ है। लेकिन कुछ ही समय पहले 110 वर्ष की उम्र पूरी करने वाले बुजुर्गों के क्लब में शामिल हुई कैथरीन हेजेस ढेर सारी शुद्ध हवा, अच्छे खाने और अपने शौक को जिंदा बनाए रखने को अपनी लंबी उम्र का राज बताती हैं। कैथरीन का जन्म 8 जुलाई 1916 को आयरलैंड के काउंटी लिमरिक में हुआ था। 1944 में 28 वर्ष की उम्र में दुनिया घूमने निकलीं कैथरीन जब इंग्लैंड के बर्कशायर पहुंचीं तो यह जगह इतनी पसंद आई कि उन्होंने यहीं बसने का फैसला कर लिया। यहीं उनकी मुलाकात लेस्ली विलियम हेजेस से हुई, जो फ्रेट ट्रांसपोर्ट मैनेजर थे। फिर दोनों ने शादी कर ली। कैथरीन पेशे से एक क्वालीफाइड बुककीपर थीं और स्थानीय सरकार के कामकाज से जुड़ी रही हैं। डेलीमेल की रिपोर्ट के मुताबिक, 16 वर्ष पहले उनके पति का निधन हो चुका है और फिलहाल वह हैम्पशायर के एक केयर होम में रहती हैं। यहीं पर पिछले महीने उनका 110वां जन्मदिन मनाया गया। कैथरीन ने अपना जन्मदिन अपने पसंदीदा गमले में लगे पेरूवियन लिली के पौधे के पास बैठकर बिताया। कैथरीन हमेशा सक्रिय रही हैं और उन्हें खुली हवा में रहना बहुत पसंद है। वह बताती हैं कि उन्हें हमेशा घर का अच्छा खाना पसंद रहा है। उन्हें घुड़दौड़ देखने का भी शौक है,

जब पति जीवित थे तो दोनों साथ में टीवी पर रेस देखते थे। कैथरीन आज भी ग्रैंड नेशनल घुड़दौड़ देखती हैं और केयर होम के स्टाफ को बताती हैं कि किस घोड़े के जीतने की संभावना सबसे ज्यादा है। बोस्टन यूनिवर्सिटी के रिसर्च एक्सपर्ट डॉ. टॉम पर्ल्स के मुताबिक, 110 साल से ज्यादा जीने वाले लोग दुर्लभ होते हैं। शरीर में लगभग 200 ऐसे जीन होते हैं जो उम्र पर असर डालते हैं, और इनका सही संयोजन ही इंसान को सुपरसेंटेनेरियन के पार पहुंचाता है।

दूसरे विश्व युद्ध के बाद यूके में पहले सिख फाइटर पायलट बने अर्शदीप

लंदन , एजेंसी। भारतीय मूल के फ्लाइट लेफ्टिनेंट अर्शदीप सिंह डांग ब्रिटेन की रॉयल एयर फोर्स (आरएएफ) में फाइटर पायलट के रूप में प्रशिक्षण (ट्रेनिंग) पूरा करने वाले पहले सिख बन गए हैं। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, आरएएफ ने बताया कि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद यह पहली बार है, जब किसी सिख ने फाइटर स्क्वाड्रन से पायलट की विंग्स हासिल की हैं। अर्शदीप सिंह डांग (28) ने शुक्रवार 14 अगस्त को उत्तर वेल्स के आरएएफ वैली में फाइटर जेट पायलट ट्रेनिंग पूरी करने के समारोह में हिस्सा लिया। आरएएफ ने बताया कि अर्शदीप सिंह डांग ब्रिटेन की सैन्य पायलट ट्रेनिंग के तहत चौथे उड़ान प्रशिक्षण स्कूल में टेक्सन विमान उड़ाने की ट्रेनिंग पूरी करने वाले पहले सिख हैं। हालांकि, उनसे पहले भी सिख लोग शुरुआती पायलट ट्रेनिंग पूरी कर चुके हैं। डांग का जन्म 1998 में चंडीगढ़ में हुआ था। जब वह छह साल के थे, तब वह अपने परिवार के साथ ब्रिटेन चले गए।

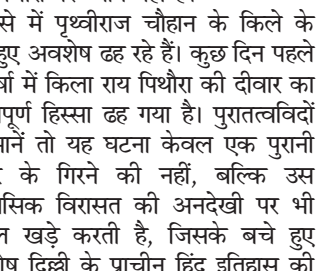

वैन में दृष्टिबाधित बच्ची से हैवानियत

दिल्ली HC ने बरकरार रखी सजा, 20 की जगह 14 साल होगी जेल

नई दिल्ली, एजेंसी। वैन में दृष्टिबाधित नाबालिग लड़की का यौन शोषण करने के मामले में एक व्यक्ति को दोषी ठहराए जाने के फैसले को दिल्ली हाई कोर्ट ने बरकरार रखा है। न्यायमूर्ति चंद्रशेखरन सुधा की पीठ ने कहा कि अपीलकर्ता ने लड़की की लाचारी का फायदा उठाया। हालांकि, पीठ ने उसकी जेल की सजा को 20 साल से घटाकर 14 साल कर दिया। कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले का हवाला देते हुए कहा कि दुष्कर्म के अपराध के लिए 14 साल से ज्यादा की कोई तय सजा के बजाय ट्रायल कोर्ट या तो कम से कम 10 साल या उम्रकैद की सजा दे सकता है।

क्या है पूरा मामला?

याचिका के अनुसार, 12 साल की इस लड़की की आंखों की रोशनी तीन साल की उम्र में चली गई थी। पीठ ने कहा कि अपीलकर्ता ने पीड़ति की लाचारी

का फायदा उठाकर उसे अपनी गाड़ी में बिठाया और उसके साथ दुष्कर्म किया।

पीठ ने कहा कि पीड़ति कोई ऐसी बालिग नहीं थी जो उस स्थिति में खुद की रक्षा कर सके। हालांकि, पीठ ने दोषी की अपील को आंशिक रूप से स्वीकार करते हुए सजा को बदलकर 14 साल की कठोर कैद कर दिया।

अभियोजन पक्ष के अनुसार सलीम ने सितंबर 2013 में हुमायूं के मकबरे के पास एक दरगाह के सामने अपनी वैन में नाबालिग लड़की की लाचारी का फायदा उठाकर उसका यौन शोषण किया था। अपराध के समय वैन में मौजूद पीड़ति के भाई ने गवाही में कहा था कि दी कि दोषी ने उन्हें घर छो?ने के बहाने वैन में बैठाया और कुछ समय बाद गाड़ी रोकी और उसकी बहन का मुंह दबाकर दुष्कर्म किया। वहीं, अपीलकर्ता ने आरोपों से इन्कार करते हुए सजा के मामले में कोर्ट से नरमी बरतने की अपील की।

लालकोट से राय पिथौरा तक...

दिल्ली की हिंदू विरासत के संरक्षण पर क्यों नहीं ध्यान?

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआइ) एक तरफ मुगलकालीन स्मारकों के संरक्षण को लेकर लगातार काम कर रहा है और इनके संरक्षण के लिए आने वाले समय के लिए भी कार्य योजना बना रखी है, मगर दिल्ली के इतिहास में हिंदू शासन से जुड़े प्रमुख प्रमाणों के रूप में मौजूद राजा अनंगपाल तोमर के किला लालकोट और पृथ्वीराज चौहान के किला राय पिथौरा पर ध्यान नहीं है।

ऐसे में पृथ्वीराज चौहान के किले के बचे हुए अवशेष ढह रहे हैं। कुछ दिन पहले ही वर्षा में किला राय पिथौरा की दीवार का महत्वपूर्ण हिस्सा ढह गया है। पुरातत्वविदों की मानें तो यह घटना केवल एक पुरानी दीवार के गिरने की नहीं, बल्कि उस ऐतिहासिक विरासत की अनदेखी पर भी सवाल खड़े करती है, जिसके बचे हुए अवशेष दिल्ली के प्राचीन हिंदू इतिहास की महत्वपूर्ण कड़ी माने जाते हैं।

यहां बता दें कि दिल्ली के इतिहास में हिंदू शासन से जुड़े प्रमुख प्रमाणों के रूप में इस शहर को दिल्ली (ढिल्लिका) नाम देने वाले

राजा अनंगपाल तोमर के लालकोट के दक्षिणी दिल्ली में संजय वन में अवशेष मौजूद हैं, मगर उपेक्षा के शिकार हैं। इसी तरह दक्षिणी दिल्ली के प्रेस एंक्लेव रोड पर स्थित पृथ्वीराज चौहान के किला राय पिथौरा की दीवारें गेट लगाकर पूर्व संस्कृति मंत्री जगमोहन की पहल पर 1999 में संरक्षित की गई थीं और पृथ्वीराज चौहान की घोड़े पर सवार प्रतिमा लगाई गई थी, मगर उसके बाद से पृथ्वीराज चौहान से जुड़े प्रमाणों की उपेक्षा ही होती रही है।किले का यह ढहा हिस्सा दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) गोल्फ क्लब के प्रमुख द्वार से कुछ ही दूरी पर स्थित है। यह स्थिति तब है जब मानसून से पहले एएसआइ की ओर से दिल्ली में संरक्षित सभी स्मारकों की स्थिति का निरीक्षण कर जरूरी संरक्षण कार्य कराने के निर्देश दिए गए थे।

यह इस साल की दूसरी घटना है, जब दिल्ली के महत्वपूर्ण ऐतिहासिक स्मारक वर्षा के कारण प्रभावित हुए हैं। इससे पहले पुराना किला की झील की तरफ के बुर्ज के भी ढह जाने का मामला सामने आ चुका है। इस बारे में पूछे जाने पर एएसआइ के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि बीते साल जब किले में संरक्षण कार्य किया गया था, तब यह हिस्सा कमजोर नहीं दिख रहा था। उन्होंने कहा कि इसे ठीक करने के लिए काम शुरू कर दिया गया है।

कभी 189 एकड़ में फैला था किला राय पिथौरा: किला राय पिथौरा को प्राचीन स्मारक तथा पुरातत्व स्थल एवं अवशेष अधिनियम के तहत राष्ट्रीय महत्व का केंद्रीय संरक्षित स्मारक घोषित किया गया है। यह दिल्ली का पहला शहर माना जाता है, जिसका निर्माण 11वीं शताब्दी में तोमर राजा अनंगपाल तोमर ने कराया था और 12वीं शताब्दी में पृथ्वीराज चौहान ने इसका विस्तार किया था। इसका कुल क्षेत्रफल लगभग 189 एकड़ था, जिसके अधिकतर भाग अब नष्ट हो चुके हैं।

संपादकीय | अभिव्यक्ति के अधिकार पर फिर सवाल

नेशनल एकेडमी ऑफ लीगल स्टडीज एंड रिसर्च यूनिवर्सिटी ऑफ लॉ, यानी नालसार में कुछ विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में भारत के प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किए जाने का विरोध किया था। इससे बड़ी विडंबना और क्या होगी कि कुछ विद्यार्थियों के सिर्फ असहमति जताने या विरोध जाहिर करने की वजह से उनके समूचे समूह की पढ़ाई के आगे के रास्ते को बंद करने का फरमान जारी कर दिया जाए और इस तरह उनके भविष्य को बाधित करने की कोशिश की जाए। हैरानी की बात यह है कि ऐसा फरमान जारी करने वाली संस्था संविधान के दायरे में रह कर काम करने का दावा करती है और महज इस बात के लिए आहत हो जाती है कि कुछ विद्यार्थियों ने एक मुद्दे पर लोकतांत्रिक तरीके से अपना विरोध जाहिर किया !गौरतलब है कि नेशनल एकेडमी ऑफ लीगल स्टडीज एंड रिसर्च यूनिवर्सिटी ऑफ लॉ, यानी नालसार में कुछ विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में भारत के प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किए जाने का विरोध किया था। सिर्फ इस बात के लिए बार काउंसिल ऑफ इंडिया के अध्यक्ष की ओर से एक विचित्र आदेश जारी कर दिया गया, जिसके तहत 2026 में नालसार से स्नातक किए हुए सभी विद्यार्थियों को अगले आदेश तक देश भर के बार काउंसिलों में अधिवक्ता के रूप में नामांकन लिए जाने पर रोक लगा दी गई।यह अपने आप एक ऐसा फैसला था, जिसे लोकतंत्र और संविधान के तहत मिले अधिकारों पर चोट के तौर पर देखा गया। स्वाभाविक ही बार काउंसिल के इस रुख की तीखी आलोचना हुई। यहां तक कि खुद सुप्रीम कोर्ट के

प्रधान न्यायाधीश ने भी विद्यार्थियों के विरोध को उनकी लोकतांत्रिक असहमति और अभिव्यक्ति के अधिकार की दृष्टि से ही देखा और बार काउंसिल के फैसले पर कड़ी नाराजगी जाहिर की। चारों ओर से उठे सवालों के बाद बार काउंसिल ऑफ इंडिया के अध्यक्ष ने अपने फरमान को वापस ले लिया, लेकिन इससे एक बार फिर यह सवाल उठा है कि असहमति और विरोध के लोकतांत्रिक अधिकारों को बाधित करने से देश में लोकतंत्र की कैसी तस्वीर तैयार होगी।

अगर कुछ विद्यार्थी कानून के दायरे में रहते हुए किसी मुद्दे पर शांतिपूर्ण तरीके से अपना विरोध जताते हैं, तो उनके भविष्य को बाधित करने की धमकी देकर उन्हें चुप कराने की कोशिश क्या बेवजह की दखलअंदाजी नहीं है?बार काउंसिल ऑफ इंडिया देश में वकीलों के पेशे को विनियमित करने वाली शीर्ष संस्था है। मगर अपने अधिकारों का इस्तेमाल करते हुए कानून के ही विद्यार्थियों के अभिव्यक्ति के अधिकार को चोट पहुंचाने की कोशिश के जरिए उसने क्या हासिल किया?विद्यार्थियों की ओर से विरोध का कारण कोई भी हो सकता है, लेकिन अगर कानून के दायरे में रह कर लोकतांत्रिक तरीके से अपनी असहमति जाहिर की जाती है, तो इसका समाधान संवाद के जरिए निकाला जाएगा या धमकी देकर उन्हें चुप कराने की कोशिश की जाएगी? बार काउंसिल के अध्यक्ष के लिए इससे असहज स्थिति क्या हो सकती है कि उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के प्रधान न्यायाधीश के विरोध की वजह से अपना कठोर फरमान जारी कर दिया था और प्रधान न्यायाधीश ने खुद विद्यार्थियों के विरोध को उनका लोकतांत्रिक अधिकार माना !किसी वैधानिक संस्था में शीर्ष पद की जिम्मेदारी और गंभीरता को समझने के बजाय हड़बड़ी या नाहक शक्ति प्रदर्शन के प्रयास को दरअसल असहमति के स्वर को दबाने के तौर पर ही देखा जाएगा।

नेताओं की सुरक्षा पर बड़ा सवाल, हिंसक हमलों ने बढ़ाई सियासी चिंता

सुखबीर सिंह बादल पर उस वक्त हमला हुआ, जब वे महाराष्ट्र के नांदेड़ स्थित एक गुरुद्वारे में गए थे। हैरत इस बात की है कि सुखबीर को 'जेड प्लस' श्रेणी की सुरक्षा प्राप्त होने के बावजूद हमलावर उनके इतने करीब कैसे पहुंच गया? गुरुवार, 13 अगस्त, 2026 को महाराष्ट्र के नांदेड़ ज़िले में एक गुरुद्वारे के पास हमले के बाद, अकाली दल के प्रमुख और पंजाब के पूर्व डिप्टी सीएम सुखबीर सिंह बादल को अपने दाहिने हाथ पर कपड़ा लपेटे हुए एक इमारत के अंदर जाते देखा गया। एक सप्ताह के भीतर अलग-अलग राजनीतिक दलों के दो नेताओं पर जिस तरह से हिंसक हमले हुए हैं, उससे सियासी गलियारों में एक अलग तरह की चिंता पैदा हो गई है। हाल में तृणमूल कांग्रेस प्रमुख एवं पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की कार पर भीड़ का हमला और अब शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष एवं पंजाब के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुखबीर सिंह बादल पर किरपाण से वार करने की घटनाओं ने प्रमुख नेताओं की निजी सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।सरकार की ओर से ऐसे नेताओं को सुरक्षा मुहैया कराई जाती है, लेकिन सुरक्षा का यह घेरा क्या इतना कमजोर होता है कि कोई भी उसमें सेंध लगा सकता है? सवाल यह भी है कि क्या हिंसा या प्रतिशोध से किसी समस्या का समाधान हो सकता है? किसी भी राजनीतिक दल या उसके नेता के विचारों एवं कार्यों से असहमति व्यक्त की जा सकती है, लेकिन इसे तभी उचित ठहराया जा सकता है, जब यह नियम-कानून की सीमा के दायरे में हो।गौरतलब है कि सुखबीर सिंह बादल पर बीते गुरुवार को उस वक्त हमला हुआ, जब वे महाराष्ट्र के नांदेड़ स्थित एक गुरुद्वारे में गए थे। एक शख्स ने अचानक किरपाण से उन पर हमला कर दिया, जिससे वे घायल हो गए। हालांकि बाद में पुलिस कर्मियों ने हमलावर को गिरफ्तार कर लिया, लेकिन हैरत इस बात की है कि सुखबीर को 'जेड प्लस' श्रेणी की सुरक्षा प्राप्त होने के बावजूद हमलावर उनके इतने करीब कैसे पहुंच गया? यह पहली बार नहीं है जब उन पर इस तरह का हमला हुआ है, वर्ष 2024 में भी स्वर्ण मंदिर में उन पर जानलेवा हमला हुआ था। पुलिस के मुताबिक, नांदेड़ गुरुद्वारे में हमले का आरोपी वहां दो साल से सेवादार के रूप में काम कर रहा था। इस घटना को लेकर पुलिस जांच में तेजी और गंभीरता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि एक दिन बाद भी हमले के असली कारणों का पता नहीं चल पाया है।

आज का कार्टून

भाषा बोझ नहीं, ज्ञान का पुल बने

हिमांशु सिंह

> कसी बच्चे के जीवन में भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं होती, बल्कि वह उसके सोचने, समझने और संसार को पहचानने की पहली खिड़की भी होती है। जन्म के बाद बच्चा जिस भाषा में अपने माता-पिता से स्नेह पाता है, अपने आसपास की वस्तुओं को पहचानता है और अपने विचार व्यक्त करना सीखता है, वही उसकी मातृभाषा होती है। इसलिए जब शिक्षा की शुरुआत उसी परिचित भाषा में होती है, तो सीखना बच्चे के लिए बोझ नहीं, बल्कि एक सहज और उत्साहजनक प्रक्रिया बन जाती है।

मातृभाषा की यह शक्ति अद्भुत है। भारत भाषाई विविधता से समृद्ध देश है। यहां अलग-अलग क्षेत्रों में अनेक भाषाएं और बोलियां प्रचलित हैं। प्रत्येक भाषा अपने भीतर उस क्षेत्र का इतिहास, संस्कृति, लोक ज्ञान और जीवन-अनुभव समेटे हुए है। ऐसे में मातृभाषा में शिक्षा का महत्त्व केवल शैक्षणिक उपलब्धियों तक सीमित नहीं है, यह बच्चों को उनकी सामाजिक और सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने का भी माध्यम है। प्रारंभिक कक्षाओं में बच्चे के सामने दोहरी चुनौती होती है। उसे एक ओर नए विषय और नई अवधारणाएं समझनी होती है, दूसरी ओर यदि पढ़ाई किसी अपरिचित भाषा में हो रही हो, तो पहले उस भाषा को समझने का प्रयास करना पड़ता है। इससे कई बार बच्चे की वास्तविक बौद्धिक क्षमता सामने नहीं आ पाती। वह विषय को समझने के बजाय शब्दों और उनके अर्थ याद करने में उलझ जाता है। इसके विपरीत, परिचित भाषा में पढ़ाए जाने पर वह प्रश्न पूछने, उदाहरण देने और अनुभवों को पाठ से जोड़ने में अधिक सहज महसूस करता है। सरकारी नीतियों में इसे गंभीरता से लेने की जरूरत है। मातृभाषा में शिक्षा का सबसे बड़ा लाभ अवधारणाओं की स्पष्ट समझ है।

यदि किसी बच्चे को गणित, विज्ञान या पर्यावरण से जुड़ी बात उसके घर एवं परिवेश की भाषा में समझाई जाए, तो वह उसे अपने दैनिक जीवन से आसानी से जोड़ सकता है। जल संरक्षण, खेती, मौसम या स्थानीय वनस्पतियों से जुड़े विषयों को परिचित शब्दों और स्थानीय उदाहरणों के माध्यम से प्रभावी ढंग से समझाया जा सकता है। ऐसी शिक्षा केवल परीक्षा के लिए याद की गई जानकारी नहीं होती, बल्कि लंबे समय तक स्मृति में रहने वाला ज्ञान बन जाती है।

भाषा का आत्मविश्वास से भी गहरा संबंध है। यह चिंता की बात है कि कई बच्चे केवल इसलिए कक्षा में प्रश्न नहीं पूछते, क्योंकि वे शिक्षण की भाषा में स्वयं को सहजता से व्यक्त नहीं कर पाते। यह झिझक उनके आत्मविश्वास को प्रभावित करने लगती है। कभी-कभी भाषा की कमजोरी को ज्ञान की कमी समझ लिया जाता है, जबकि दोनों अलग बातें हैं। मातृभाषा में अपनी बात रखने का अवसर मिलने पर बच्चा अधिक सक्रिय होकर कक्षा की गतिविधियों में भाग लेता है। उसे यह अनुभव होता है कि उसकी भाषा और उसके विचारों का भी सम्मान है। ऐसे में मातृभाषा में शिक्षा की पहल महत्त्वपूर्ण है।

इसी व्यापक सोच के बीच विद्यालयी शिक्षा में तीन भाषाओं को पाठ्यक्रम से जोड़ने की व्यवस्था चर्चा का विषय बनी है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति और राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा के अनुरूप केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने त्रि-भाषा व्यवस्था लागू करने की दिशा में नए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इसके अंतर्गत विद्यार्थियों को तीन भाषाओं का अध्ययन करना होगा और उनमें कम से कम दो भारतीय भाषाएं होंगी। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) ने भी विभिन्न भारतीय भाषाओं में शिक्षण सामग्री और पुस्तकों की

उपलब्धता बढ़ाने की दिशा में प्रयास किए हैं। यह एक सार्थक पहल है।

इस व्यवस्था का उद्देश्य विद्यार्थियों को अपनी भाषा से जोड़े रखते हुए उन्हें अन्य भाषाओं को सीखने का अवसर प्रदान करना है। निश्चित रूप से इसके सार्थक नतीजे निकलेंगे। इस निर्णय पर समाज में अलग-अलग वर्ग से प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं। अनेक शिक्षाविदों और अभिभावकों का मानना है कि एक से अधिक भारतीय भाषाओं का ज्ञान बच्चों की संवाद क्षमता को बढ़ाएगा और उन्हें देश की भाषाई विविधता को समझने में सहायता करेगा। नई भाषा सीखने से स्मरण शक्ति, रचनात्मकता और विभिन्न संस्कृतियों के प्रति संवेदनशीलता विकसित होगी। वहीं, कुछ अभिभावकों, विद्यार्थियों व विद्यालयों ने व्यावहारिक चुनौतियों की ओर भी ध्यान दिलाया है।

उनकी चिंता है कि माध्यमिक कक्षाओं में अचानक नई भाषा जोड़ने से विद्यार्थियों पर अतिरिक्त शैक्षणिक दबाव पड़ सकता है। कुछ विद्यालयों में अलग-अलग भाषाओं के प्रशिक्षित शिक्षकों और पर्याप्त पाठ्य सामग्री की उपलब्धता भी चुनौती हो सकती है। पहले से विदेशी भाषा पढ़ रहे विद्यार्थियों के सामने विषय बदलने व नई भाषा के साथ तालमेल बैठाने की कठिनाई भी सामने आ सकती है। हालांकि इन चिंताओं को देखते हुए कुछ लचीले प्रावधान किए गए हैं। यह दर्शाता है कि किसी भी शैक्षणिक सुधार की सफलता केवल उसके उद्देश्य पर नहीं, बल्कि उसके संवेदनशील और व्यवस्थित क्रियान्वयन पर निर्भर करती है और यह जरूरी भी है।

तीन भाषाएं सीखना तभी लाभकारी होगा, जब इसे अंकों व परीक्षाओं के अतिरिक्त बोझ के रूप में न देखा जाए। भाषा को कहानियों, कविताओं, संवाद, नाटक, लोकगीत और दैनिक जीवन के अनुभवों से सिखाया जाना चाहिए। विद्यार्थियों को भाषा चुनने में पर्याप्त विकल्प मिलें तथा किसी क्षेत्र की भाषाई परिस्थितियों और विद्यालयों के उपलब्ध संसाधनों का भी ध्यान रखा जाए। भाषा सीखने का उद्देश्य संवाद व समझ का विस्तार होना चाहिए, केवल पाठ्यक्रम पूरा करना नहीं। यह भी समझना जरूरी है कि मातृभाषा को महत्त्व देने का अर्थ अंग्रेजी या किसी अन्य भाषा के महत्त्व को कम करना नहीं है।

आज उच्च शिक्षा, विज्ञान, तकनीक और वैश्विक रोजगार के क्षेत्र में अंग्रेजी सहित अनेक भाषाओं का ज्ञान उपयोगी है। आवश्यकता किसी एक भाषा को दूसरी भाषा का प्रतिस्पर्धी बनाने की नहीं, बल्कि उनके बीच संतुलन स्थापित करने की है। बच्चे की बुनियादी शिक्षा उस भाषा में मजबूत होनी चाहिए, जिसे वह सहजता से समझता है।

मातृभाषा में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए केवल नीतिगत घोषणाएं पर्याप्त नहीं होंगी। इसके लिए अच्छी पाठ्यपुस्तकों, प्रशिक्षित शिक्षकों, वैज्ञानिक शब्दावली, डिजिटल सामग्री और स्थानीय भाषाओं में उपयोगी शैक्षणिक संसाधनों का विकास आवश्यक है। साथ ही अभिभावकों को भी यह समझना होगा कि किसी बच्चे की प्रतिभा का मूल्यांकन केवल उसके अंग्रेजी बोलने की क्षमता से नहीं किया जा सकता। शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य बच्चे को केवल जानकारी देना नहीं, बल्कि उसे स्वतंत्र रूप से सोचने, प्रश्न पूछने और आत्मविश्वास के साथ अपनी बात रखने योग्य बनाना है।

मातृभाषा इस उद्देश्य तक पहुंचने का सबसे सहज मार्ग हो सकती है। अगर विद्यालय बच्चों की अपनी भाषा को सम्मान देते हुए उन्हें अन्य भाषाओं से भी परिचित कराएं, तो शिक्षा अधिक समावेशी, प्रभावी और जीवन से जुड़ी बन सकती है। भाषा जब सीखने की बाधा नहीं, बल्कि ज्ञान तक पहुंचने का पुल बनती है, तभी शिक्षा अपने वास्तविक अर्थ को हासिल करती है।

स्वतंत्रता दिवस जब भी पास आता है, मुझे एक चीज बहुत तकलीफ देती है। वह है छोटे बच्चों को तिरंगा बेचते हुए देख कर जो दिल्ली और मुंबई की ट्रैफिक बत्तियों पर खड़े दिखते हैं। इन बच्चों के चेहरों पर थकावट नजर आती है, अक्सर इन बच्चों के बाल बेरंग होते हैं कुपोषण की वजह से। अक्सर नंगे पांव होते हैं और इनके कपड़े दर्शाते हैं। इनके माता-पिता की गरीबी। कई बार बच्चे इतने छोटे होते हैं कि उनके हाथ गाड़ी की खिड़की तक नहीं पहुंचते हैं, कई बार बारिश से भीगे होते हैं वे तिरंगे झंडे, जिन्हें बेचने की कोशिश में रहते हैं।

राजनीति, आंदोलन और 'जेन-जी'

> एक सूखी-सी खबर। शरद पवार की प्रधानमंत्री से मुलाकातज। दूसरी सूखी-सी खबर- अकाली नेता सुखबीर सिंह बादल की प्रधानमंत्री से मुलाकात। क्यों मिले? क्या बात हुई? सब रहस्य। फिर फुकेट से दिल्ली आते एअर इंडिया के एक यात्री विमान के अचानक तीन सौ फुट नीचे तक गुलाटी मारने और कई यात्रियों के घायल होने की खबर। इसके बाद दो-दो 'डोप टेस्ट' में पायलट के गांजा फूंकने की पुष्टिज जांच के आदेश। इसके बाद एक दिन तमिलनाडु ने केंद्र को एक झटका-सा दे दिया कि 'तमिल एंथम' पहले गाया जाए, फिर राष्ट्रगान और इसके बाद 'वंदे मातरम्' गाया जाए।

सुधीश पचौरी

झारखंड में 'परीक्षा सुधार' पर आंदोलन के बीस दिन। इस दौरान छात्र अहिंसक रहे और रोज पिटे। छह सौ गिरफ्तार हुए, मामले भी बने। भाजपा ने समर्थन में बंद रखा, लेकिन बाकी से मिला सिर्फ सिद्धांत कथन कि हम किसी पर भी हिंसा का समर्थन नहीं करते। केंद्र ने मांगें मानीं, लेकिन झारखंड के छात्रों की सीबीआइ की जांच की मांग किसने मानी? अपना-अपना आंदोलन, अपना-अपना समर्थन! एक कानूनी प्रवक्ता कहिन कि आप 'जेन-जी' से अपना 'नेरेटिव' चलवा कर भारत को नष्ट तो कर सकते हैं, लेकिन आप नहीं जानते कि जेन जी के पीछे कौन खड़ा है! वे किसका 'नेरेटिव' चला रहे हैं! यह 'केरलम' का 'जनतंत्र' है कि एक शिक्षक ने प्रश्नोत्तरी में पूछ लिया कि अंग्रेजों के शासन में जेल की सबसे ज्यादा लंबी सजा किसे मिली? इतने पर ही उस शिक्षक को निलंबित कर दिया गया।

एक चैनल पर चर्चा में 'पोस्ट माडर्न जेन जी' का एक विखंडन-सा आया। सवाल रहे कि 22 करोड़ से अधिक की 'जेन जी जनता' कौन है? उनका क्या एजंडा है? एक ज्ञानी कहिन कि युवा वोटर अब स्थिर हो चुका है। ये शिक्षित हैं, डिजिटल हैं, आकांक्षी हैं। एक-दूसरे से जुड़े रहते हैं। दक्षिण एशिया में ये सत्ताएं बदल रहे हैं। राजनीतिक दल उनकी भाषा नहीं समझते। दूसरी ज्ञानी कहिन- ये बेरोजगार हैं और सर्वत्र हैं। ये कह रहे हैं कि हमें शिक्षा का अधिकार दो। यह 'मोहभंग' की स्थिति में हैं। ये पिछड़ जाने से डरते हैं। भारत में वैसी विद्रोह की स्थिति तुरंत नहीं बन सकती। सबको रोजगार कोई नहीं दे सकता। तीसरा चुनावी ज्ञानी कहिन कि जेन जी में गहरा असंतोष है। चौथा ज्ञानी कहिन, सच है, 2024 में

भाजपा को चार फीसद वोट कम मिला, उसे बहुमत नहीं मिला।

दूसरी ओर एक सवाल हुआ कि क्या ये हमेशा विरोधी रहने वाले हैं? जवाब में एक कहिन कि भारत की सबसे बड़ी युवा जनसंख्या का कथित 'लाभ' अब एक 'चुनौती' बनता जा रहा है। इनमें सत्तर फीसद बेरोजगार 'एंग्री यंग मैन' हैं। एक ज्ञानी कहिन कि 2014 में इनको मोदी ने सपने दिए, अब वही मोहभंग की स्थिति में है। 'आइटी' में गिरावट काफी नुकसानदेह है। फिर एक कहिन कि ये 'इंस्टाग्रामी' हैं। यह पीढ़ी एक-दूसरे की नकल करती है। लोग मुफ्त राशन ले रहे हैं, लेकिन वोट विरोध में दे रहे हैंज्लेकिन इनको कोई पूरी तरह संतुष्ट नहीं कर सकता। मानसून सत्र विपक्ष के सतत विरोध में बहाज अंतिम दिन एक मिनट 'वंदेमातरम' हुआ। फिर सदन अनिश्चित काल के लिए स्थगित हो गया। संसद में हर दिन विपक्ष का शोर हावी रहा। पोस्टर दिखते रहे, नारे लगते रहे। लोकसभा अध्यक्ष लाख कहें कि सरकार हर मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार है, आप चर्चा होने दें, लेकिन विपक्ष मानें तब न..! संसद की बहस भंग कर विपक्षी दल संसद के मकर द्वार के आगे हर रोज प्रदर्शन करते। एक-दो बार सत्ता दल ने भी विरोध में प्रदर्शन किया। सत्ता पक्ष का आरोप रहा कि विपक्ष के नेता हर रोज मुद्दा बदलते रहे। गोल पोस्ट बदलते रहे। पहले कहा कि शिक्षामंत्री हटाए जाएं, जब वे हटा दिए गए, तो मांग करने लगे कि गृहमंत्री ने 'पैलेट गन' चलवाई, तो जिम्मेदार हुए और उनके अनजाने में चली तो 'अक्षम' हुए। दोनों ही स्थितियों में इस्तीफा बनता है, सो वे इस्तीफा दें। फिर संसदीय मंत्री ने बताया कि गृहमंत्री सदन में बयान देने पर सहमत हो गए हैं और चर्चा होगी। अगले दिन संसदीय मंत्री ने कहा कि विपक्ष के नेता ने फिर गोल पोस्ट बदल दी है। वे हमेशा गोल पोस्ट बदल देते हैं। चर्चा नियमों से होती हैं, वे नहीं होने देते। बताइए सत्ता पक्ष क्या करे! अंत में मकर द्वार पर एक 'नुक्कड़ नाटक' छाप नारा लगा। फिर शाम को विपक्ष के नेता ने एक मंच से कहा, पता नहीं इनके दिमाग में कहां से घुस गया कि विदेश नीति का यह मतलब हैज फिर नेता, एक अन्य नेता की ओर दोनों हाथों को फैला कर बढ़ते हैं और झप्पी लेते हैं..। वे नेता तुरंत एक टिप्पणी करते दिखते हैं कि 'कहीं आपने मेलोनी समझ कर तो नहीं पकड़ा!' विपक्ष के नेता का बोलना जारी रहता है, सरकार लोगों को सुनना नहीं चाह रहीज। हम इनको पागल कर देंगे। वह सो नहीं पाता होगाज। सत्ता पक्ष बिसूरता रहा कि ये कौन-सी भाषा है? बहुस्तरीय गठबंधन अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को प्रभावित करने की क्षमता तो रखते हैं, लेकिन उनका प्रभाव तभी दीर्घकालीन होता है, जब उनके पीछे साझा रणनीतिक दृष्टि, पारदर्शिता, प्रतिबद्धता और स्थायी हित हों। केवल तात्कालिक स्वार्थों पर आधारित गठबंधन अक्सर बदलती परिस्थितियों के साथ कमजोर पड़ जाते हैं।

संक्षिप्त समाचार

बैडमिंटन वर्ल्ड चैंपियनशिप- भारत की जीत से शुरुआत

हरिहरन-अर्जुन अगले राउंड में पहुंचे, आयरलैंड की जोड़ी ने मैच छोड़ा

नईदिल्ली (एजेंसी)। बैडमिंटन वर्ल्ड चैंपियनशिप में भारत ने जीत के साथ शुरुआत की है। नई दिल्ली में मेंस डबल्स के पहले राउंड में हरिहरन अम्साकरुणन और एमआर अर्जुन की जोड़ी ने आयरलैंड के स्कॉट गिल्डिया और पॉल रेनॉल्ड्स को हरा दिया।

आयरलैंड की जोड़ी मैच से हटी - भारतीय जोड़ी ने पहला गेम 21-16 से अपने नाम किया। दूसरे गेम में भी भारतीय जोड़ी 6-4 से आगे थी, तभी आयरलैंड की जोड़ी ने चोट की वजह से मैच से हटने का फैसला किया।

भारत में 17 साल बाद वर्ल्ड चैंपियनशिप

2026 वर्ल्ड चैंपियनशिप का आयोजन नई दिल्ली के इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में हो रहा है। यह चैंपियनशिप 17 से 23 अगस्त तक चलेगी। भारत ने आखिरी बार 2009 में इस टूर्नामेंट की मेजबानी की थी।

देहरादून में एशियन ओपन शॉर्ट ट्रैक स्पीड स्केटिंग ट्रॉफी शुरू

चीन-कोरिया समेत 14 देशों के 270+ खिलाड़ी पहुंचे, 20 अगस्त तक होंगे मुकाबले

देहरादून (एजेंसी)। देहरादून में आज से एशियन ओपन शॉर्ट ट्रैक स्पीड स्केटिंग ट्रॉफी 2026 शुरू हो गई है। रायपुर स्थित महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के हिमाद्री आइस रिंक में हो रही इस प्रतियोगिता में 270 से ज्यादा खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने ओपनिंग सेरेमनी में पहुंच इस टूर्नामेंट का उद्घाटन किया।

14 देशों के खिलाड़ी 20 अगस्त तक अलग-अलग स्पर्धाओं में मुकाबला करेंगे। चीन और दक्षिण कोरिया जैसे मजबूत आइस स्पोर्ट्स देशों के खिलाड़ी भी इसमें शामिल हैं।

उत्तराखंड लगातार दूसरी बार इस एशियाई स्तर की प्रतियोगिता की मेजबानी कर रहा है। आयोजन स्थल पर खिलाड़ियों के परिवार और खेल प्रेमी भी पहुंच रहे हैं। दर्शकों के लिए एंट्री निःशुल्क है, जबकि जो लोग रिंक नहीं पहुंच सकते, वो ऑनलाइन ही मुकाबलों का लाइव टेलिकास्ट देख सकेंगे।सीएम पुष्कर धामी भी ओपनिंग सेरेमनी में शामिल हुए।

उद्घाटन समारोह के बाद प्रतियोगिता की रेस शुरू होंगी। 17 अगस्त को प्रतियोगिता का पहला दिन था। इसके बाद 18 अगस्त को दूसरा दिन और अवॉर्ड सेरेमनी, 19 अगस्त को तीसरा दिन और पुरस्कार समारोह होगा। 20 अगस्त को प्रतियोगिता के चौथे और अंतिम दिन के बाद अवॉर्ड और क्लोजिंग सेरेमनी आयोजित की जाएगी।

प्रतियोगिता से पहले 14 से 16 अगस्त तक अलग-अलग देशों के खिलाड़ियों ने हिमाद्री आइस रिंक में अभ्यास किया। थाईलैंड समेत कई देशों के खिलाड़ियों ने रिंक पर अभ्यास कर ट्रैक और परिस्थितियों को समझा। अब चार दिन तक यहां अलग-अलग स्पर्धाओं में मुकाबले होंगे।

भारत को गॉल टेस्ट में 178 रन की बढ़त

- श्रीलंका 284 रन पर ऑलआउट, सोनल दिनूषा ने 100 रन बनाए; जडेजा के 350 विकेट पूरे

गॉल (एजेंसी)। गॉल टेस्ट के तीसरे दिन श्रीलंका की पहली पारी में नौवां विकेट गिर गया है। टीम ने 9 विकेट पर 274 रन बना लिए हैं। सोनल दिनुशा 100 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, रवींद्र जडेजा ने केशरा नुवानथा को आउट कर टेस्ट क्रिकेट में 350 विकेट पूरे किए। भारत ने पहली पारी में 462 रन बनाए थे और श्रीलंका अभी 188 रन पीछे है। भारत की ओर से जडेजा और मानव सुथार ने 3-3 विकेट लिए हैं। इसके अलावा प्रसिद्ध कृष्णा, कुलदीप यादव और मोहम्मद सिराज को एक-एक विकेट मिला।इससे पहले भारत ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी चुनी। देवदत्त पडिक्कल ने शतक लगाया। उन्होंने 167 रन की पारी खेली।

केएल राहुल और ध्रुव जुरेल ने प्रभात जयसूर्या 10 रन बनाकर आउट - श्रीलंका को 77.5 ओवर में आठवां झटका लगा। मानव सुथार ने प्रभात जयसूर्या को 10 रन पर आउट कर दिया। जयसूर्या ने स्लॉग स्वीप खेलने की कोशिश की, लेकिन गेंद बल्ले के ऊपरी किनारे से लगकर हवा में चली गई। डीप स्क्वायर लेग पर ध्रुव जुरेल ने आगे दौड़ते हुए कैच पकड़ा।

श्रीलंका ने फॉलोऑन बचाया - श्रीलंका ने फॉलोऑन बचा लिया है। 73.3 ओवर में मानव सुथार की गेंद पर प्रभात जयसूर्या ने स्लॉग स्वीप खेलकर चौका लगाया। इस चौके के साथ श्रीलंका ने भारत के 462 रन के स्कोर के मुकाबले 263 रन पूरे कर लिए और फॉलोऑन के लिए जरूरी स्कोर हासिल कर लिया।

नुवानथा आउट, जडेजा के 350 टेस्ट विकेट पूरे - रवींद्र जडेजा ने टेस्ट क्रिकेट में 350 विकेट पूरे कर लिए हैं। उन्होंने गॉल टेस्ट के तीसरे दिन 66.4 ओवर में केशरा नुवानथा को 2 रन पर आउट कर यह उपलब्धि हासिल की। नुवानथा ने जडेजा की टर्न लेती गेंद पर शॉट खेला, लेकिन गेंद शॉर्ट लेग के पास खड़े खिलाड़ी से लगकर हवा में उछल गई। शुभमन गिल ने पीछे की ओर दौड़ते हुए कैच लपक लिया।

सोनल दिनूषा की पहली टेस्ट सेंचुरी

सोनल दिनूषा ने टेस्ट करियर का पहला शतक पूरा कर लिया है। मानव सुथार की गेंद पर उन्होंने स्वीप शॉट खेलकर एक रन लिया और सेंचुरी पूरी की। श्रीलंका ने 59 रन पर चार विकेट गंवा दिए थे, लेकिन दिनूषा ने पारी को संभाला। उन्होंने निरोशन डिकवेला के साथ 146 रन की साझेदारी की।

इस श्रीलंकाई बल्लेबाज ने भारत के मंसूबों पर फेरा पानी, यूं शतक से धोया पारी से जीत का मौका!

भारत और श्रीलंका के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला गाले में खेला जा रहा है। इस मैच में टीम इंडिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 462 रना बनाए। इसके बाद श्रीलंकाई टीम बल्लेबाजी करने के लिए मैदान पर उतरी, तीसरे दिन पहले सेशन में ही टीम इंडिया ने श्रीलंका पर अपना दबदबा बनाया और 90 रन पर ही श्रीलंका के 5 विकेट गिर गए। इसके बाद मुश्किल में फंसी श्रीलंकाई टीम को मिला सोनल दिनुशा का साथ। सोनल दिनुशा ने इस मैच में 167 गेंदों में अपना शतक पूरा किया है। उन्होंने अपनी पारी के दौरान 04 चौके और 02 छक्के जड़े।

छठे विकेट के लिए जोड़े 146 रन

भारत के 462 रनों के विशाल स्कोर के जवाब में उतरी श्रीलंकाई टीम की शुरुआत बेहद खराब रही, तीसरे दिन के शुरुआती सेशन तक भारतीय गेंदबाजों के कसे हुए प्रदर्शन के आगे श्रीलंका ने महज 90 रनों पर अपने 5 अहम विकेट गंवा दिए थे। यहां से संकट में फंसी मेजबान टीम को सोनल दिनुशा और अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज निरोशन डिकवेला का सहारा मिला। दोनों बल्लेबाजों ने जुझारू खेल दिखाते हुए छठे विकेट के लिए 213 गेंदों पर 146 रनों की महत्वपूर्ण शतकीय साझेदारी निभाई और श्रीलंका को फॉलोऑन के खतरे से बाहर निकाला।

एशियन गेम्स के लिए अफगानिस्तान की नई टीम

- दरविश कप्तान,6 अनकैप्ड खिलाड़ी
- 5 खिलाड़ियों के पास 10 से कम इंटरनेशनल मैचों का अनुभव

नईदिल्ली (एजेंसी)। अफगानिस्तान ने जापान में होने वाले एशियन गेम्स 2026 के लिए टीम घोषित कर दी है। टॉप ऑर्डर बल्लेबाज दरविश रसूली को कप्तान बनाया गया है। टीम में 6 ऐसे खिलाड़ी हैं, जिन्होंने अभी तक इंटरनेशनल क्रिकेट नहीं खेला है। वहीं, 5 खिलाड़ियों के पास 10 से कम इंटरनेशनल मैचों का अनुभव है।

करीम जनत और नजीबुल्लाह जादरान टीम में - टीम में करीम जनत और नजीबुल्लाह जादरान जैसे अनुभवी खिलाड़ी भी हैं। इनके अलावा नंग्यालिया खरोटे के पास 10 से ज्यादा इंटरनेशनल मैचों का अनुभव है। खरोटे टीम के स्पिन अटैक की अगुआई कर सकते हैं।

घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन करने वालों को मौका - अफगानिस्तान ने अपनी घरेलू टी-20 प्रतियोगिता शपगीजा क्रिकेट लीग (एससीएल) में अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को टीम में शामिल किया है। एससीएल के पिछले सीजन में दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले मोहम्मद अकरम को टीम में जगह मिली है। उनके अलावा टूर्नामेंट में दूसरे सबसे ज्यादा स्ट्राइक रेट वाले खालिद तनीवाल भी टीम का हिस्सा हैं।

एससीएल के प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट भी टीम में - दो टेस्ट खेल चुके ऑलराउंडर इस्मत आलम को भी एशियन गेम्स टीम में चुना गया है। वह एससीएल के पिछले सीजन में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट रहे थे। उन्होंने 294 रन बनाए थे और उनका स्ट्राइक रेट 168 रहा था। गेंदबाजी में उन्होंने 9 विकेट लिए थे और उनका औसत 16.77 रहा।अंडर-19 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में भारत के खिलाफ शतक लगाने वाले फैसल शिनोजादा को भी टीम में शामिल किया गया है।अफगानिस्तान के ऑलराउंडर मोहम्मद नबी के बेटे हसन ईसाखिल को भी टीम में जगह मिली है।

श्रीलंका में भारत-ए के खिलाफ सीरीज के प्रदर्शन का फायदा - तेज गेंदबाज फरमानुल्लाह को भी टीम में चुना गया है। वह हाल ही में श्रीलंका में हुई वनडे ट्राई सीरीज में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे थे। इस सीरीज में श्रीलंका-ए और भारत-ए की टीमें भी शामिल थीं। फरमानुल्लाह ने 10 विकेट लिए थे।

एशियन गेम्स 24 सितंबर से - एशियन गेम्स 24 सितंबर से 3 अक्टूबर तक जापान के आइची-नागोया में होंगे। अफगानिस्तान की टीम में स्पिन डिपार्टमेंट में नंग्यालिया खरोटे के अलावा लेग स्पिनर अरब गुल मोमंद हैं। तेज गेंदबाजी में फरमानुल्लाह, अब्दुल्लाह अहमदजई और फरीदून दाऊदजई हैं। ऑलराउंडर इस्मत आलम और करीम जनत भी तेज गेंदबाजी में विकल्प देंगे।

अफगानिस्तान की 15 सदस्यीय टीम

दरविश रसूली (कप्तान), मोहम्मद इशाक (विकेटकीपर), मोहम्मद अकरम, हसन ईसाखिल, खालिद तनीवाल, इमरान मीर, फैसल शिनोजादा, नजीबुल्लाह जादरान, फरमानुल्लाह, इस्मत आलम, करीम जनत, नंग्याल खरोटे, अरब गुल मोमंद, फरीदून दाऊदजई, अब्दुल्लाह अहमदजई।

गावस्कर ने आईपीएल ट्रेड पर सवाल उठाए,बोले-

खिलाड़ी की डील की रकम पब्लिक हो, तभी सैलरी कैप पर रहेगी नजर

मुंबई (एजेंसी)। पूर्व भारतीय कप्तान सुनील गावस्कर ने आईपीएल में खिलाड़ियों के ट्रेड को लेकर पूरी फाइनेंशियल डिटेल सार्वजनिक करने की मांग की है। गावस्कर कहा कि जब कोई खिलाड़ी एक फ्रेंचाइजी से दूसरी टीम में ट्रेड होता है, तो उसकी डील की रकम भी पब्लिक डोमेन में होनी चाहिए। इससे सभी फ्रेंचाइजियों को यह पता रहेगा कि टीमों ने तय सैलरी कैप का पालन किया है या नहीं।

गावस्कर बोले- अभी सिर्फ 4 पक्षों को पता चलती है रकम - गावस्कर ने 'मिड-डे' के अपने कॉलम में लिखा कि किसी खिलाड़ी के ट्रेड की रकम की जानकारी दोनों फ्रेंचाइजियों, खिलाड़ी और बीसीसीआई को होती है। बाकी टीमों को इस डील की पूरी फाइनेंशियल जानकारी नहीं मिलती।

उनके मुताबिक, इससे दूसरी फ्रेंचाइजियों के लिए यह जांचना मुश्किल हो जाता है कि किसी टीम ने तय सैलरी कैप के भीतर रहकर ट्रेड किया है या नहीं। इसलिए ट्रेड की रकम को सार्वजनिक करना पारदर्शिता के लिए जरूरी है।

- **बोले- यह सिर्फ दो पार्टियों का मामला नहीं** - गावस्कर के मुताबिक आईपीएल दुनिया की सबसे बड़ी टी-20 लीग है, इसलिए इसके कामकाज में पारदर्शिता बेहद जरूरी है। ट्रेड की रकम सार्वजनिक होने से सभी फ्रेंचाइजियों को एक जैसी जानकारी मिलेगी और लीग के नियमों को लेकर उठने वाले सवालों को कम किया जा सकेगा।

पंत-कुलदीप का भी ट्रेड हुआ - 2026 सीजन से पहले संजू सैमसन राजस्थान रॉयल्स से चेन्नई सुपर किंग्स में ट्रेड हुए थे। उनकी लीग फीस 18 करोड़ रुपए बताई गई थी।2026 सीजन खत्म होने के बाद ऋषभ पंत और कुलदीप यादव का भी ट्रेड हुआ। पंत एलएसजी से दिल्ली कैपिटल्स लौटे, जबकि कुलदीप दिल्ली से एलएसजी चले गए। आईपीएल के मुताबिक पंत की नई फीस 15 करोड़ और कुलदीप की 13.50 करोड़ रुपए है।

सिंकफील्ड कप में वेस्ली सो की एकल बढ़त, दिव्या देशमुख की लगातार दूसरी जीत

सेंट लुईस (एजेंसी)। ग्रैंड चेस टूर 2026 के प्रतिष्ठित सिंकफील्ड कप में अमेरिका के ग्रैंडमास्टर वेस्ली सो ने तीसरे दौर में हमवतन फैबियानो कारुआना को हराकर एकल बढ़त हासिल कर ली है। वहीं भारतीय ग्रैंडमास्टर दिव्या देशमुख ने केर्नूस कप में पूर्व विश्व चैंपियन एलेक्जेंड्रा कोस्टेनियुक को हराकर लगातार दूसरी जीत दर्ज की।

सिंकफील्ड कप में सो ने काले मोहरों से खेलते हुए कारुआना को मात दी। इसके अलावा विंसेंट कीमर ने प्रज्ञानन्दा को हराकर वापसी की, जबकि सैम सेवियन ने अनीश गिरी को 110 चालों तक चले मुकाबले में पराजित किया। मैक्सिम वाचियर-लाग्रेव और लेवोन अरोनियन ने क्रमशः जावोखिर सिंदारोव और यॉर्डन वान फॉरेस्ट के खिलाफ ड्रॉ खेला।

तीन दौर के बाद वेस्ली सो 2.5 अंक के साथ एकल शीर्ष पर हैं। कीमर 2 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर हैं, जबकि वाचियर-लाग्रेव और अरोनियन 2-2 अंकों के साथ सो से आधा अंक पीछे हैं।

दिव्या देशमुख की शानदार जीत

महिला वर्ग के केर्नूस कप में भारत की दिव्या देशमुख ने पूर्व महिला विश्व चैंपियन एलेक्जेंड्रा कोस्टेनियुक को हराकर अपनी दूसरी जीत दर्ज की।

बैडमिंटन अब शतरंज का खेल बन गया है

कर्स्टी गिल्मोर ने बताया आधुनिक खेल का नया अंदाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। मौजूदा यूरोपीय महिला सिंगल्स चैंपियन कर्स्टी गिल्मोर का मानना है कि आधुनिक दौर में बैडमिंटन सिर्फ शारीरिक क्षमता का खेल नहीं रह गया है। इसमें मानसिक मजबूती की भूमिका भी उतनी ही अहम हो गई है। दुनिया की 35वें नंबर की स्कॉटिश शटलर ने मौजूदा खेल शैली की तुलना शतरंज से की है।

एक साथ मैच और शतरंज का खेल चलता है - गिल्मोर ने कहा कि आज के बैडमिंटन में खिलाड़ी को सिर्फ अपनी शारीरिक क्षमता पर निर्भर नहीं रहना पड़ता, बल्कि हर शॉट के पीछे रणनीति और मानसिक तैयारी भी जरूरी है। उन्होंने कहा, एक आमने-सामने का मुकाबला हो रहा होता है और उसी समय शतरंज का खेल भी चल रहा होता है। एक हिस्से को खींचने और दूसरे हिस्से को खोलने की कोशिश होती है। मैं अपने खेल के मानसिक पक्ष पर भी काम कर रही हूं, जो शारीरिक पक्ष के साथ बेहद महत्वपूर्ण हो गया है।

पहले दौर में हान यू से हारकर बाहर हुई गिल्मोर - कर्स्टी गिल्मोर को सोमवार से शुरू हुई वर्ल्ड चैंपियनशिप के पहले ही दौर में हार का सामना करना पड़ा। उन्हें चीन की पांचवीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी हान यू ने 22-20, 13-21, 13-21 से हराया। गिल्मोर ने पहला गेम कड़े मुकाबले में जीत लिया था, लेकिन हान यू ने अगले दोनों गेम में शानदार वापसी करते हुए मुकाबला अपने नाम कर लिया। यह गिल्मोर की वर्ल्ड चैंपियनशिप में 10वीं उपस्थिति है। उन्होंने 2013 में पहली बार इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में हिस्सा लिया था।

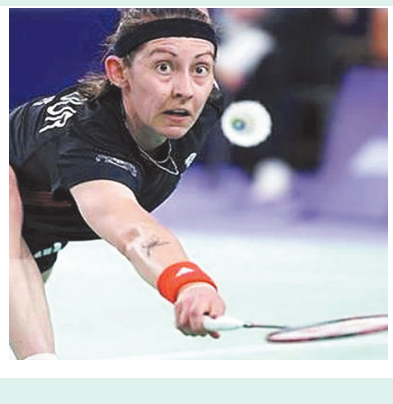

इंडिया ओपन के मुकाबले बेहतर हैं इंतजाम - गिल्मोर ने मौजूदा वर्ल्ड चैंपियनशिप के आयोजन और व्यवस्थाओं की भी तारीफ की। उन्होंने इसे इसी साल इसी स्थान पर हुए इंडिया ओपन की तुलना में काफी बेहतर बताया। खास तौर पर उन्होंने महिला खिलाड़ियों के वॉशरूम में सैनिटरी नैपकिन की उपलब्धता की सराहना की। गिल्मोर ने कहा कि खिलाड़ियों को अपने शरीर और हार्मोन से जुड़ी परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए ऐसी सुविधाओं की जरूरत होती है।

टॉयलेट की तरह सैनिटरी प्रोडक्ट्स भी होने चाहिए - 32 वर्षीय गिल्मोर ने कहा, हम जितना संभव हो उतनी योजना बनाते हैं, लेकिन कई बार हमारे शरीर की अपनी अलग योजनाएं होती हैं।

मैनचेस्टर सुपर जायंट्स पहली बार द हंड्रेड चैंपियन

ट्रेंट रॉकेट्स को 5 विकेट से हराया, सीफर्ट के 72 रन, डॉसन ने छक्के से जिताया

मैनचेस्टर (एजेंसी)। मैनचेस्टर सुपर जायंट्स ने पहली बार 'द हंड्रेड' मेन्स कॉम्पिटिशन का खिताब जीत लिया। लॉर्ड्स में खेले गए फाइनल में टीम ने ट्रेंट रॉकेट्स के 158 रन के टारगेट को 19.3 गेंद में 5 विकेट खोकर हासिल कर लिया। टिम सीफर्ट ने 38 गेंद में 72 रन की पारी खेलकर जीत की नींव रखी। जबकि लियम डॉसन ने आखिरी गेंदों में छक्का लगाकर टीम को चैंपियन बना दिया।

सीफर्ट ने 38 गेंद में 72 रन बनाए - मैनचेस्टर की जीत में न्यूजीलैंड के टिम साइफर्ट सबसे बड़े हीरो रहे। उन्होंने 38 गेंद में 72 रन बनाए। पारी में 7 छक्के और 4 चौके शामिल रहे। साइफर्ट ने सिर्फ 23 गेंद में फिफ्टी पूरी कर ली थी। उन्होंने पॉल वॉल्टर के साथ पहले विकेट के लिए तेज शुरुआत करते हुए टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया।

आखिरी गेंदों में रोमांच, डॉसन ने छक्का लगाकर जिताया - सीफर्ट के आउट होने के बाद मैनचेस्टर का स्कोर 23 गेंद बाकी रहते 136 रन था और जीत के लिए 23 रन चाहिए थे। इसके बाद ट्रेंट रॉकेट्स ने वापसी की कोशिश की। मोहम्मद आमिर ने लगातार गेंदों पर हेनरिक क्लासेन और माइकल ब्रेसवेल को आउट कर दिया।मैनचेस्टर को आखिरी 3 गेंद में 3 रन चाहिए थे। बेन सैंडरसन की अगली दो गेंदों पर रन नहीं बना। इसके बाद लियाम डॉसन ने तीसरी गेंद पर मिड-विकेट के ऊपर से छक्का लगाकर मैच खत्म कर दिया। मैनचेस्टर ने 19.3 गेंद में 162/5 रन बनाकर 5 विकेट से जीत दर्ज की।

ट्रेंट रॉकेट्स ने बनाए 158 रन - इससे पहले ट्रेंट रॉकेट्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 100 गेंद में 8 विकेट पर 158 रन बनाए। एनेरिन डोनाल्ड ने 19 गेंद में 38 रन की सबसे बड़ी पारी खेली।

सीफर्ट को 33 रन पर मिला जीवनदान

सीफर्ट 33 रन पर आउट होने से बच गए। उन्होंने गेंद को लेग साइड में बाउंड्री की ओर खेला था। फिन एलन ने बाउंड्री के पास कैच लेने की कोशिश की और गेंद को मैदान के अंदर वापस फेंक दिया, लेकिन रीप्ले में उनका पैर बाउंड्री रोप को छूता दिखा। थर्ड अंपायर ने इसे छह रन दिया। इसके बाद सीफर्ट ने अपनी पारी को आगे बढ़ाते हुए 72 रन बनाए।

बटलर ने 14 गेंद में 23 रन बनाए

सीफर्ट और पॉल वॉल्टर ने मैनचेस्टर को तेज शुरुआत दिलाई। इसके बाद कप्तान जोस बटलर ने 14 गेंद में 23 रन बनाए। उन्होंने 3 छक्के लगाए। बटलर के आउट होने के बाद भी सीफर्ट ने रन बनाने की रफ्तार बनाए रखी और टीम को जीत के करीब पहुंचाया।

मैनचेस्टर ने नाम बदलने के बाद जीता पहला खिताब

मैनचेस्टर की टीम पहले मैनचेस्टर ओरिजिनल्स के नाम से खेलती थी। इस सीजन से फ्रेंचाइजी का नाम बदलकर मैनचेस्टर सुपर जायंट्स किया गया। टीम इससे पहले दो बार फाइनल में पहुंची थी, लेकिन दोनों बार उसे हार मिली थी। इस बार टीम ने पहली बार खिताब जीत लिया। ट्रेंट रॉकेट्स की पुरुष टीम के पास एक ही दिन में मेन्स और वूमेंस दोनों खिताब जीतने का मौका था। उसकी महिला टीम इससे पहले फाइनल में सनराइजर्स लीड्स को हराकर चैंपियन बन चुकी थी। पुरुष टीम के हारने के साथ उसका डबल पूरा करने का सपना टूट गया।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अन्नपूर्णा गुप्ता द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस प्लांट नं. 535 एवं 1272, लालगुटवा रातू पुलिस स्टेशन रांची में मुद्रित तथा विजय जनरल स्टोर, हिनू चौक रांची-834002 से प्रकाशित समस्त दिवानी विवाद न्यायोचित एवं दंडित परिवादों के लिए न्यायाधिकारी रांची न्यायालय में रहेगा। पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के जिम्मेदार। **प्रधान संपादक**-अन्नपूर्णा गुप्ता, कार्यालय नं.0651-2253830,मो.9471717919, 7895244551 ईमेलः alagpahchan@gmail.com, www.alagpahchan.com पोस्टल रजिस्ट्रेशन 2013 JHAHINO0575 RNI No.JHAHIN(2013) 66670